नई दिल्ली। सोमवार, 03 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 209/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर.एन.आई. रजि. क्र. DELHI/2015/61415

@ खेल उनमें एक खास खिलाड़ी बनने की सभी गुण हैं...
@ विचार मध्य पूर्व में उथल-पुथल से भारत-खाड़ी संबंधों के लिए...
@ व्यापार मार्केट आउटलुक : आरबीआई एमपीसी, तिमाही...

इंडोनेशिया में समंदर के बीच मौत का तांडव, 5 की मौत

एजेंसी ■ जकार्ता

इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत में मदुरा द्वीप के उत्तर में जावा सागर में 'मुतियारा सैंटोसा-2' नामक जहाज में आग लग गई। राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी की जानकारी के अनुसार, इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और 42 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, 225 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

एजेंसी के मुताबिक, यह जहाज सुराबाया से मकासार जाने वाले मार्ग पर चल रहा था और इसमें कुल 271 लोग सवार थे, जिनमें 232 यात्री और 39 चालक दल के सदस्य शामिल थे।

सुराबाया खोज एवं बचाव कार्यालय के अनुसार, जहाज रविवार सुबह पूर्वी जावा के सुराबाया से सुलावेसी द्वीप के मकासार के लिए रवाना हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि जब जहाज में आग लगी, तब वह तट से करीब 19 नॉटिकल मील (35.2 किलोमीटर) दूर था। आग ने

लगभग पूरे जहाज को अपनी चपेट में ले लिया था। बचाव का इंतजार करते हुए यात्री जहाज के पुल और आगे के हिस्से पर इकट्ठा हो गए थे।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आसपास मौजूद कई जहाज बचाव अभियान में शामिल हुए। वहीं, संयुक्त खोज एवं बचाव दल ने अतिरिक्त जहाज और कर्मियों को भेजकर बचे हुए लोगों को निकालने और लापता लोगों की तलाश शुरू की। फिलहाल खोज अभियान जारी है और आग लगने की वजह की जांच की जा रही है।

जून में भी इंडोनेशिया की खोज और बचाव एजेंसियों ने केएम नुरुल साल्सा यात्री नाव के डूबने के बाद लापता 14 लोगों की तलाश का अभियान रोक दिया था। यह नाव दक्षिण सुलावेसी प्रांत के तट के पास डूब गई थी।

राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी ने बताया कि दस दिनों तक चले खोज अभियान में कोई नया सुराग नहीं मिला। सभी निर्धारित खोज क्षेत्रों की अच्छी तरह जांच करने के बावजूद कुछ पता नहीं चल सका, इसलिए अभियान को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

एजेंसी के अनुसार, नाव पर कुल 76 लोग सवार थे। इनमें से 58 लोगों को बचा लिया गया, चार लोगों के शव मिले, जबकि 14 लोग अब भी लापता हैं।

एजेंसी ने कहा कि अगर आगे कोई नई जानकारी मिलती है या किसी लापता व्यक्ति के मिलने की सूचना मिलती है, तो बचाव अभियान फिर से शुरू किया जाएगा।

यह नाव 15 जुलाई को दक्षिण सुलावेसी के समुद्री क्षेत्र में इंजन खराब हो जाने के बाद डूब गई थी। उस समय यह जाम्पेआ द्वीप से बेंटेंग की ओर जा रही थी।

नशीले पदार्थों का व्यापार दुश्मन देशों के आतंकी एजेंडे का हिस्सा : पीएम मोदी

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि दुश्मन देश भारत में ड्रग्स भेजकर और युवाओं को निशाना बनाकर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अवैध ड्रग्स के कारोबार को दुश्मन के 'आतंकवादी एजेंडे' का हिस्सा बताया।

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत के मौके पर युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने उनसे नशे से दूर रहने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अहम भूमिका निभाने का आग्रह किया।

पीएम मोदी ने कहा, 'जब कोई युवा नशे की लत का शिकार होता है, तो सिर्फ वही व्यक्ति नहीं हारता, बल्कि एक सपना भी टूट जाता है। नशे की लत के नतीजे सिर्फ व्यक्ति और परिवार तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि देश पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। इससे देश की ताकत कमजोर होती है और दुश्मन देश हमारे युवाओं को नशे के जाल में फंसाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते हैं।' नशीले पदार्थों की तस्करी को भारत को

नुकसान पहुंचाने की एक सोची-समझी चाल बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'ड्रग्स की सप्लाई से मुनाफा कमाना और हमारे जैसे देश को बर्बाद करने की कोशिश करना भी उनके आतंकी एजेंडे का हिस्सा है। इसलिए, हमें हर युवा को नशे की लत से बचाना है। आपको ड्रग्स से दूर रहकर अपनी क्षमता को बचाए रखना होगा।'

नशे के सेवन के लंबे समय तक रहने वाले बुरे नतीजों के बारे में युवाओं को आगाह करते हुए उन्होंने कहा, 'ड्रग्स आपको कुछ समय के लिए तो नशा या उत्साह देते हैं, लेकिन वे आपके परिवार को बर्बाद कर देते हैं।'

नशा छुड़ाने और सुधार (रिहैबिलिटेशन) के महत्व पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'इसे सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव में छिपाएं नहीं। जिन्हें मदद की जरूरत है, उन्हें मदद लेनी चाहिए। उनसे खुलकर बात करें, विशेषज्ञों की मदद लें और मेडिकल प्रोफेशनल्स के सहयोग से अपने बच्चे को नशे की लत से मुक्त कराने की कोशिश करें। हमें परिवार के भीतर बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करने का माहौल भी बनाना चाहिए ताकि इससे पहले कि वे ऐसी स्थिति में फंसें, हम उनका हाथ थाम सकें। अगर आप थोड़ा ध्यान दें तो आपको संकेत मिल जाएंगे, आप उनके व्यवहार में बदलाव देख सकते हैं। वे खोए-खोए से लग सकते हैं, अपना चेहरा छिपाने लग सकते हैं, अपने कमरों में बंद रह सकते हैं, देर रात घर आ सकते हैं या बेवजह पैसों की मांग कर सकते हैं। ये कुछ ऐसे संकेत हैं जिनसे पता चलता है कि कुछ गड़बड़ हो सकती है।'

पानी की टंकी से कार की टक्कर, पांच की मौत

एजेंसी ■ कोयंबटूर

तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में रविवार को दिल दहलाने वाली घटना घटी है। यहां दोपहर लगभग 1.00 बजे गोमंगलम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में पोलाची-उदुमलपेट रोड (एनएच-83) पर नल्लामपल्ली पिरिवु के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की जान चली गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक मारुति सेलेरियो कार में यात्रा कर रहे थे, जब उक्त स्थान पर पहुंचने पर उनकी कार सड़क के बीच में पौधों को पानी देने के लिए खड़ी पानी की टंकी से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार सभी पांचों लोगों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान कोयंबटूर के मदुक्कराई मार्केट स्थित एमएलए स्ट्रीट निवासी कनगराज, पूर्णाणी, नर्मथा, आरती के रूप में हुई है। जबि रमन (35) मदुक्कराई के रहने वाले थे। शवों को पोस्टमार्टम और आगे की कानूनी औपचारिकताओं के लिए पोलाची स्थित सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

सांसद पप्पू यादव पर जूता फेंका, चाकू मारने की कोशिश!

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब एक युवक ने कथित तौर पर उन पर चप्पल फेंककर हमला कर दिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद समर्थकों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना के दौरान कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पप्पू यादव अपने हालिया संसद प्रदर्शन और उस पर उठे विवादों को लेकर मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने उनसे तीखे सवाल पूछने शुरू किए।

शुरुआत में मामला केवल बहस तक सीमित रहा, लेकिन कुछ ही देर में विरोधी पक्ष की ओर से नारेबाजी शुरू हो गई। इसके बाद पप्पू यादव

के समर्थक भी आक्रोशित हो गए और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी नोकझोंक, फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हंगामा इतना बढ़ गया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थल पर कुर्सियां तक फेंकी जाने लगीं। इसी दौरान एक युवक ने कथित तौर पर पप्पू यादव पर चप्पल फेंक दी।

घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद समर्थकों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपनी हिरासत में ले लिया। घटना के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थल पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। घटना के बाद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि उनके घर में घुसकर उन पर हमला किया गया और यह उनकी हत्या की साजिश का हिस्सा था। उन्होंने दावा किया कि हमलावर ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। मीडिया से बातचीत में पप्पू यादव ने कहा, 'अब तो रोज बाबा लोग कहते हैं कि पप्पू यादव को मारो, जला डालो, 51 लाख रुपये देंगे। मुझे मारने की साजिश थी, लेकिन मैं बच गया।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हमलावर के हाथ में चाकू भी था।

5 अगस्त को छत्रपति संभाजीनगर में सीजेपी की अहम बैठक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य सदस्य अपने भविष्य के एजेंडे पर चर्चा के लिए 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक बैठक करेंगे। संगठन के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बैठक सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके के आवास पर होगी। सूत्रों के अनुसार, पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर NEET पेपर लीक के खिलाफ महीने भर चले आंदोलन के बाद CJP के कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से कहा गया था कि वे कुछ समय अपने परिवारों के साथ बिताएं। उन्होंने

बताया कि CJP के मुख्य सदस्यों को यह भी कह गया है कि वे स्वयंसेवकों और छात्रों से बात करें और बैठक में अपने विचार और सुझाव लेकर आएं।

5 अगस्त को CJP की बैठक

सूत्रों ने बताया कि संगठन 5 अगस्त को बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा और भविष्य की रणनीति के बारे में फैसलों की घोषणा करेगा।

भारतीय एथलेटिक्स : गुलवीर सिंह का गोल्डन कमाल, रचा नया इतिहास

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 10वें दिन भारत का प्रदर्शन लाजवाब रहा। देश की झोली में 7 गोल्ड समेत कुल 16 मेडल आए। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने लॉन्ग-डिस्टेंस रेस में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलवीर को बधाई दी है।

प्रधानमंत्री ने गुलवीर की प्रशंसा करते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'गुलवीर सिंह ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में

पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। उन्हें बधाई। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, वह एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स के दो मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। वह पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल जीतने वाले पहले भारतीय भी हैं। यह वाकई भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्हें मेरी शुभकामनाएं।'

पीएम मोदी ने भारतीय मुक्केबाजों के प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने अंकुश पंघाल को गोल्ड, नरेंद्र को सिल्वर जीतने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'बहुत खुशी है कि नरेंद्र बेरवाल ने कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के 90+ किग्रा बॉक्सिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीता है। पूरी प्रतियोगिता के दौरान जबरदस्त साहस और दृढ़ संकल्प दिखाने के लिए उन्हें बधाई।

चलती बस के नीचे टूट गया पुल, बाल-बाल बचे यात्री

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर रविवार को बड़ा हादसा टल गया। बांसाझाल स्थित जर्जर पुल अचानक दो हिस्सों में टूटकर ढह गया। उसी समय पुल से गुजर रही यात्रियों से भरी बस बीच पुल पर फंस गई। राहत की बात यह रही कि बस नदी में नहीं गिरी और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों और बस के सहचालक (कंडक्टर) के अनुसार, जैसे ही बस बांसाझाल पुल के बीच पहुंची, तेज धमाके के साथ पुल का स्लैब धंस गया। देखते ही देखते पुल दो हिस्सों में बंट गया और बस टूटे हुए हिस्से के किनारे पर जाकर अटक गई। घटना

के बाद बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन समय रहते सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

बड़ा हादसा टला, सभी यात्री सुरक्षित

बस पुल से नीचे नदी में गिरने से बाल-बाल बच गई। हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। समय पर राहत मिलने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। पुल ढहने के बाद बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार : विकास की पटरी से उतरता भरोसा

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक - विश्व केसरी

लोकतंत्र में सरकारों का मूल्यांकन भाषणों, बैठकों, समीक्षाओं और घोषणाओं से नहीं होता। जनता केवल एक बात देखती है— क्या उसके जीवन में बदलाव आया? क्या सड़कें बनीं? क्या उद्योग लगे? क्या युवाओं को रोजगार मिला? क्या शहरों और गांवों में विकास की रफ्तार तेज हुई? यदि इन सवालों का जवाब संतोषजनक नहीं है, तो सरकार को आत्ममंथन करना ही होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार से जनता को बड़ी उम्मीदें थीं। भाजपा ने परिवर्तन, सुशासन और तेज विकास का वादा किया था। लेकिन सत्ता संभालने के ढाई वर्ष बाद भी राज्य में विकास की वह गति दिखाई नहीं दे रही जिसकी अपेक्षा जनता ने की थी। कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ अब भी धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही हैं। निवेश की घोषणाएँ लगातार होती हैं, लेकिन धरातल पर उनका प्रभाव सीमित दिखाई देता है। रोजगार, औद्योगिक विस्तार और आधारभूत संरचना के मोर्चे पर अपेक्षित बदलाव का इंतजार अभी भी जारी है।

सरकार का अधिकांश समय उपलब्धियों के प्रचार और नई घोषणाओं में बीतता दिखता है, जबकि प्रशासनिक मशीनरी से जनता को समयबद्ध परिणाम चाहिए। शासन का वास्तविक मूल्यांकन

विज्ञापनों, सोशल मीडिया अभियानों या सरकारी आयोजनों से नहीं, बल्कि उन कार्यों से होता है जिन्हें आम नागरिक प्रतिदिन महसूस करता है।

यह भी चिंता का विषय है कि शासन और प्रशासन के बीच समन्वय को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। फाइलों की धीमी गति, परियोजनाओं में विलंब और निर्णय प्रक्रिया में सुस्ती की चर्चा केवल राजनीतिक गलियारों तक सीमित नहीं है। उद्योग जगत, व्यापारिक वर्ग, किसान और आम नागरिक समयबद्ध निर्णयों की अपेक्षा कर रहे हैं। यदि विकास की गति सुस्त पड़ती है तो सबसे बड़ा नुकसान राज्य की अर्थव्यवस्था, निवेश और रोजगार को होता है।

भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका जमीनी संगठन रहा है। यही कार्यकर्ता वर्षों तक गांव-गांव और शहर-शहर पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाते रहे हैं। लेकिन यदि सरकार की उपलब्धियाँ अपेक्षा के अनुरूप न दिखें, तो कार्यकर्ताओं के लिए भी जनता के बीच सरकार का पक्ष मजबूती से रखना कठिन हो जाता है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए यह एक गंभीर चेतावनी का संकेत माना जाना चाहिए।

अभी भी समय हाथ से पूरी तरह निकला नहीं है। सरकार को घोषणाओं की राजनीति से आगे बढ़कर परिणामों की राजनीति करनी होगी। लंबित परियोजनाओं की समयबद्ध निगरानी, प्रशासनिक जवाबदेही, निवेश प्रस्तावों का त्वरित क्रियान्वयन, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना ही होगा। जनता अब आश्वासनों से अधिक उपलब्धियाँ देखना चाहती है।

सत्ता जनादेश से मिलती है, लेकिन जनविश्वास प्रदर्शन से कायम रहता है। यदि विकास की रफ्तार में निर्णायक बदलाव नहीं आया, तो विपक्ष के आरोपों से अधिक कठोर फैसला अंततः जनता ही सुनाएगी। लोकतंत्र में जनता की अदालत सबसे बड़ी होती है, और वहाँ केवल एक ही साक्ष्य स्वीकार किया जाता है—काम।

सरकार सहयोग जारी रखे, हम आगे और भी ज्यादा पदक जीतेंगे : मीराबाई चानू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मीराबाई चानू ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। चानू ने 48 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। मौजूदा इवेंट में चानू का स्वर्ण देश का पहला स्वर्ण था। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू का यह लगातार तीसरा स्वर्ण पदक था। मीराबाई चानू ग्लासगो में यादगार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौट आई हैं।

भारत लौटने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में मीराबाई चानू ने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरी कामयाबी को इतने अच्छे से पहचाना गया। मैं इसे जरूर स्वीकार करूंगी। सबसे खुशी की खबर यह है कि भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजित कर सकता है। इससे युवा पीढ़ी को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा, और ज्यादा खिलाड़ी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे।' मीराबाई चानू ने कहा,

'पूरे भारत की खेल संरचना में बहुत सारे बदलाव हुए हैं। सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए बहुत सहयोग दे रही है, जो खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ी बात है। अगर वे हर खेल का इसी तरह सहयोग करते रहें—अलग-अलग जगहों पर सही ट्रेनिंग देकर, बड़े खेलों या चैंपियनशिप की तैयारी के लिए हमें विदेश में ट्रेनिंग करने में मदद करें—तो ये सुविधाएं हमारे लिए बहुत फायदेमंद होंगी।

बाढ़ से निपटने के लिए केंद्र ने एडवांस में 500 करोड़ रुपए की मंजूरी दी

सीएम मोहन चरण माझी ने जताया आभार

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। ओडिशा के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से प्रशासन में चिंता बढ़ गई है। राज्य में बाढ़ की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एसडीआरएफ में केंद्र सरकार के अंश की दूसरी किश्त जारी करने की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस फैसले की जानकारी दी है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा गया, 'केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष (एफवाई) 2026-27 के लिए ओडिशा के लिए एसडीआरएफ में केंद्र के हिस्से की दूसरी किस्त के तौर पर 500 करोड़ रुपए एडवांस में जारी करने की मंजूरी दे दी है, जिससे मौजूदा बाढ़ की स्थिति में समय पर मदद मिलेगी।'

सीएम ने आगे लिखा, 'यह मदद राज्य के बचाव, राहत और पुनर्वास के कामों को और मजबूत करेगी, प्रभावित परिवारों को जरूरी मदद देने में मदद करेगी और बाढ़ प्रभावित इलाकों में हालात सामान्य करने में तेजी लाएगी। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ओडिशा के लोगों के साथ मजबूती से खड़े रहने और समय पर यह मदद देने के लिए दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।'

ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'बाढ़ की स्थिति से निपटने के साथ-साथ राहत, बचाव और पुनर्वास के कामों में तेजी लाने के लिए, एसडीआरएफ के केंद्र के हिस्से की दूसरी किस्त के तौर पर ओडिशा के लिए 500 करोड़ रुपए की एडवांस मंजूरी दी गई है। इस मुश्किल समय में, ओडिशा के लोगों के साथ मजबूती से खड़े होकर और समय पर मदद देकर, मैं प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दिल से शुक्रिया अदा करती हूं।'

साथ ही, मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने राज्यों की वित्तीय क्षमता को मजबूत करने तथा उनकी विकास प्राथमिकताओं का समर्थन करने के लिए 1,09,019 करोड़ रुपए की अतिरिक्त अग्रिम किस्त जारी की है, जिसमें ओडिशा को अपने हिस्से के रूप में 4,819 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। यह राशि अगस्त 2026 के लिए निर्धारित नियमित मासिक डिवोल्यूशन के अलावा दी गई है, जिससे राज्य की योजनाओं और आपदा प्रबंधन में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने आगे लिखा था, 'यह समय पर मिली मदद राज्य के डेवलपमेंट की कोशिशों को और मजबूत करेगी, कैपिटल खर्च में तेजी लाएगी और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक वेलफेयर इनिशिएटिव्स को असरदार तरीके से लागू करने में मदद करेगी। यह एक खुशहाल और विकसित ओडिशा बनाने के हमारे विजन को और ज्यादा रफ्तार देगा।' ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा था, 'मैं केंद्र सरकार से समय पर मिले इस सपोर्ट का बहुत शुक्रगुजार हूं। टैक्स डिवोल्यूशन के तौर पर 1,09,019 करोड़ रुपए की एडिशनल एडवांस इंस्टॉलमेंट जारी होने से राज्यों की फाइनेंशियल कैपेसिटी और मजबूत हुई है।

'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान को जनभवन से मिली रफ्तार, राज्यपाल ने भी की पहल

विश्व केसरी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' राष्ट्रव्यापी अभियान को उत्तर प्रदेश में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की पहल से नई गति मिली है। जनभवन में रविवार को प्रधानमंत्री के अभियान शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इसके साथ ही युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने और जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से राज्यभर में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों को और तेज करने का संदेश दिया गया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से जनभवन में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा। यह अभियान प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत-2047' और 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में शुरू किया गया है।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल पर 'माय भारत' के माध्यम से 16 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में 'विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम' का आयोजन 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' थीम पर किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्यपाल की प्रेरणा से जनभवन में 26 जुलाई से 18 अगस्त तक विशेष नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत प्रभात फेरियां, जागरूकता रैलियां, नशा मुक्ति सेमिनार और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के सहयोग से नशे के दुष्प्रभावों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। आगामी दिनों में नशा प्रभावित क्षेत्रों में साइकिल जनजागरूकता रैली, शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की रैलियां, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनी, शपथ ग्रहण, नशा मुक्ति यज्ञ और स्वतंत्रता दिवस पर विशेष शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों में लखनऊ पुलिस, एनसीबी, एएनटीएफ, जनभवन के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के तहत अगले 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार देशभर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

देशभर के स्कूलों में नशे के खिलाफ अभियान, नशा मुक्त विद्यालय बनाने की पहल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश में बच्चों और किशोरों को नशे की लत से बचाने तथा उन्हें स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग एक अभियान चला रहा है। यह नशा मुक्त विद्यालय अभियान एक देशव्यापी पहल है।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'जेन-जी अगेंस्ट एडिक्शन, नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की है। अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से की। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन समितियों को इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया है।

अखिलेश का भाजपा पर तीखा हमला, बोले- चार दिन का नहीं, चार दिन बची सरकार का सत्र

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र से एक दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर चौतरफा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि सरकार का कार्यकाल अब 'गिनती के दिनों' में है और यही वजह है कि विधानसभा सत्र भी केवल चार दिनों का रखा गया है।

उन्होंने कहा कि सपा सदन में राम मंदिर चढ़ावा चोरी, सरकारी स्कूलों के विलय, छात्र आंदोलन, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और भ्रष्टाचार जैसे समसामयिक मुद्दों पर सरकार को घेरेगी। रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार विधानसभा के छोटे सत्र के जरिए केवल औपचारिकता निभा रही है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पहला दिन श्रद्धांजलि, दूसरा दिन अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की जिम्मेदारी से बचने, तीसरा दिन प्रयागराज समेत प्रदेश में छात्रों के आंदोलनों से निपटने और चौथा दिन हालिया विवादों से बचते हुए सत्र समाप्त करने में बीत जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के विधायक सदन में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बिजली दरों में बढ़ोतरी, एक्सप्रेस-वे की गुणवत्ता, किसानों की बदहाली, शिक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेंगे। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और जौहर विश्वविद्यालय का मामला भी सपा प्रमुखता से उठाएगी। अखिलेश यादव ने सरकार के स्कूल विलय अभियान को भी निशाने पर लिया। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में 26 हजार से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं, जिससे पिछड़े, दलित और आदिवासी समाज के लाखों बच्चे प्रभावित हुए हैं। स्कूलों के विलय से 28 लाख विद्यार्थियों का नामांकन घटा है, 62 हजार से अधिक शिक्षकों की संख्या कम हुई है और 81 हजार से ज्यादा पद खाली हैं।

नीट मुद्दे पर विरोध प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ मुकदमे वापस लेगी तमिलनाडु सरकार

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस लेगी। यह फैसला मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के निर्देश पर लिया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री राजमोहन ने रविवार को यह घोषणा की।

स्कूल शिक्षा मंत्री राजमोहन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'सरकार ने नीट-विरोधी प्रदर्शनों के सिलसिले में छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस लेने का फैसला किया है। मामले वापस लेने की प्रक्रिया और इस फैसले के दायरे में आने वाले मामलों के बारे में जल्द ही और जानकारी दी जाएगी।' यह घोषणा देश के कई हिस्सों में नीट को लेकर हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कुछ दिनों बाद की गई है, जिसमें छात्रों और युवा संगठनों ने परीक्षा प्रणाली पर चिंता जताई और बदलाव की मांग की। तमिलनाडु में भी रैलियों, अचानक विरोध प्रदर्शनों (फ्लैश प्रोटेस्ट) और अन्य तरह के आंदोलनों सहित कई प्रदर्शन हुए। राज्य में कई जगहों पर विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक समूहों ने प्रदर्शन आयोजित किए।

पुलिस ने स्नैचिंग नेटवर्क का पर्दाफाश किया, पांच अलग-अलग मामले सुलझाए गए

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पहाड़गंज पुलिस ने स्नैचिंग नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। 30 जुलाई को एक शिकायत दर्ज कराई गई थी कि शाम करीब 5:00 बजे पीड़ित और उसकी पत्नी सदर बाजार से पहाड़गंज के होटल रॉयल इन लौट रहे थे। उस वक्त स्कूटी पर सवार दो बदमाशों ने महिला के हाथ से उसका फोन छीन लिया था। वहां मौजूद लोगों ने बदमाशों का पीछा किया तो आरोपी मोबाइल फोन के साथ स्कूटी भी छोड़कर मौके से भाग गए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने दो स्नैचर्स, मुकुल उर्फ ??मनीष और ललित को गिरफ्तार किया, जिसके बाद पांच अलग-अलग मामलों को सुलझाया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने जिसको मोबाइल बेचा था, उसकी पहचान बताई। इसके बाद पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने वाले को 1 अगस्त को पकड़ लिया। लगातार पूछताछ के दौरान, चोरी का मोबाइल खरीदने वाले प्रीत ने बताया कि उसने अपने पर्सनल इस्तेमाल के लिए आरोपी ललित से सिर्फ 1,500 रुपए में फोन खरीदा था। प्रीत ने आगे बताया कि वह ग्रेजुएट है और पिता की दुकान में मदद करता है। चोरी हुए मोबाइल फोन को बेचने के मामले में और लोगों की पहचान की जा रही है। बीते दिन नोएडा थाना सेक्टर-20 पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़ किया था। इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की 15 दोपहिया गाड़ियां, चोरी और स्नैचिंग से प्राप्त मोबाइल फोन की बिक्री से मिले 2,200 नकद तथा चार चाकू बरामद किए थे। 31 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने राजधानी के सीलमपुर इलाके में लगे सरकारी पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी) के सीसीटीवी डीवीआर की चोरी के मामले को सुलझा था।

यूपी विधानसभा : अब सपा के वोट बैंक पर चंद्रशेखर की नजर!

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने 45 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लिए नई राजनीतिक चुनौती खड़ी करने की कोशिश की है। पार्टी ने अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और सिख समाज के नेताओं को मैदान में उतारकर पीडीए के समानांतर सामाजिक समीकरण साधने का प्रयास किया है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, 45 घोषित उम्मीदवारों में 18 अनुसूचित जाति (एससी), 16 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), 10 मुस्लिम और एक सिख समुदाय से हैं। पार्टी ने लखनऊ छावनी, गोविंद नगर, विश्वनाथगंज सहित पांच सामान्य सीटों पर भी अनुसूचित जाति के उम्मीदवार उतारे हैं। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत का कहना है कि उम्मीदवारों के सामाजिक समीकरण से स्पष्ट है कि आजाद समाज पार्टी ने सपा और कांग्रेस के सामने नई चुनौती पेश करने की रणनीति बनाई है।

पश्चिम बंगाल में बारिश का अलर्ट, उत्तर बंगाल के कई जिलों में 5 अगस्त तक भारी वर्षा की चेतावनी

विश्व केसरी

कोलकाता। मौसम विभाग ने रविवार को उत्तर बंगाल में 5 अगस्त तक भारी बारिश और दक्षिण बंगाल में अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है।

मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया, राजस्थान के दक्षिण-पूर्व हिस्से में एक निम्न दबाव का क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) और सक्रिय दक्षिण-पश्चिम मानसून अक्ष (स्वास्थ्य रेखा) बना हुआ है, जिसके कारण बंगाल की खाड़ी से राज्य में लगातार नमी प्रवेश कर रही है। इसी वजह से बुधवार (5 अगस्त) तक उत्तर बंगाल के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में 7 से 20 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर दिनाजपुर जिले में भी अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। गुरुवार (6 अगस्त) को जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में भी भारी बारिश का अनुमान है। शुक्रवार (7 अगस्त) को उत्तर बंगाल के सभी जिलों में छिटपुट बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है।

नरसिंहपुर अस्पताल में इलाज और एम्बुलेंस में कथित देरी से युवक की मौत

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के करेली सरकारी अस्पताल में एक युवक की मौत के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मृतक के दोस्तों का आरोप है कि समय पर एम्बुलेंस और बेहतर इलाज नहीं मिलने के कारण युवक की जान चली गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में लोगों ने नाराजगी जताई और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को लेकर प्रशासन पर सवाल उठाए। मृतक की पहचान अंशु पटेल के रूप में हुई है। उसके दोस्तों के मुताबिक, अंशु ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। उसने खुद अपने दोस्त रोहित को फोन कर इसकी जानकारी दी और अपनी लोकेशन भी बताई। इसके बाद उसका दोस्त रोहित अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा। कच्चे रास्ते के कारण वाहन सीधे वहां तक नहीं जा सका, इसलिए सभी लोग करीब 200 मीटर पैदल दौड़कर अंशु तक पहुंचे और उसे किसी तरह करेली सरकारी अस्पताल लेकर आए।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. 33951 / न.पा.नि/जोन क्र. - 9/2026 रायपुर दिनांक 01-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33951
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR227P0251A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RMILA DEWANGAN पिता/पति श्री श्रीमती VINOD KUMAR DEWANGAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती वंदना यटु पिता/पति श्री श्रीमती नरेन्द्र यटु ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

' सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone~@gmail.com

पत्र क्र. 33847 / न.पा.नि/जोन क्र. - 9/2026 रायपुर दिनांक 01-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33847
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RP R22700076 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SHAKEELA BAGHEL पिता / पति श्री श्रीमती SIDHARTH BAGHEL के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू पिता/पति श्री श्रीमती लुकेश कुमार साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

' सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. 33849 / न.पा.नि/जोन क्र. - 9/2026 रायपुर दिनांक 01-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33949
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RP R227500013 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SHIVESH THAKUR, VISHESH THAKUR S/O पिता/पति श्री श्रीमती G.L THAKUR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती आलोक अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती स्व. शिव कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

' सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. 33950 / न.पा.नि/जोन क्र. - 9/2026 रायपुर दिनांक 01-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33950
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RP R227R00378 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती T. RAMKRISHNAN पिता/पति श्री श्रीमती T. VENKAT RAO के नाम से दर्ज है जिसको श्री । श्रीमती तृप्ति जैन पिता / पति श्री श्रीमती सुधांशु जैन ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

' सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. 33940 / न.पा.नि/जोन क्र. - 9/2026 रायपुर दिनांक 01-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33940
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RP R328N0271A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DIKSH BHATT पिता/पति श्री/श्रीमती PRAMOD BHATT के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती राखी नागवंशी पिता / पति श्री/श्रीमती अनिल कुमार सोनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

' सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. 33928 / न.पा.नि/जोन क्र. - 9/2026 रायपुर दिनांक 01-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33928
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR328M00118 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SATISH BHUTANI, KRISHNA BHUTANUI पिता/पति श्री श्रीमती TARA CHAND BHUTANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती ज्योति महोबे पिता/पति श्री श्रीमती विश्वदीप महोबे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

' सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. 33848 / न.पा.नि/जोन क्र. - 9/2026 रायपुर दिनांक 01-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33848
वार्ड का नाम 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RP R328R00335 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती ASHISH KUMAR SAV पिता/पति श्री श्रीमती DEVENDRA KUMAR SAV के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती अंजली तरनेशन कैवत्रा पिता/पति श्री श्रीमती तरनेशन कैवत्रा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

' सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

राष्ट्रपति भवन में गूंजी बस्तर की जनजातीय संस्कृति

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर, बस्तर के घने जंगलों, अनूठी सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध जनजातीय विरासत की गूंज अब देश के सर्वोच्च मंच राष्ट्रपति भवन तक जा पहुंची है। नारायणपुर जिले के पारंपरिक मांझी–चालकी और 'बस्तर पंडुम' प्रतियोगिता के विजेताओं का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल हाल ही में नई दिल्ली पहुंचा, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति से सौजन्य मुलाकात की। इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कलाओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 30 जुलाई 2026 में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया, जिसमें बस्तर पंडुम के विजेता, मांझी–चालकी और पद्मश्री सम्मानित कलाकार शामिल थे।

इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को नारायणपुर से हुई थी, जब नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को दिल्ली के लिए रवाना किया था। पूरे जिले के लिए यह एक अत्यंत गर्व का क्षण था। इसके बाद 30 जुलाई को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने का यह सुनहरा अवसर आया।

मुलाकात के दौरान बस्तर की कला और परंपरा के प्रमुख ध्वजवाहकों ने अपनी माटी का प्रतिनिधित्व किया। इनमें 'बस्तर पंडुम' के जनजातीय आभूषण विधा की विजेता मुंगड़ी कोर्राम और सुदनी दुग्गा शामिल थीं, जिन्होंने पारंपरिक आभूषणों के सौंदर्य और उनके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी साझा की। वहीं, बस्तर की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का नेतृत्व करते हुए एड़का परगना के मांझी राजाराम, करंगाल परगना के मांझी सुधवाराम करंगा, गोटाली परगना के मांझी मंगतू राम ध्रुव, नूरदेश परगना के मांझी गुड्डू पोटाई तथा करंगाल परगना के चालकी सोमारू राम ने बस्तर की पारंपरिक सामाजिक संरचना और रीति–रिवाजों का परिचय दिया।

प्रतिनिधिमंडल की इस मुलाकात से न केवल नारायणपुर और समूचा बस्तर संभाग गौरवान्वित महसूस कर रहा है, बल्कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को एक नई पहचान मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मंचों से जनजातीय कला, परंपराओं और लोक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिलेगा।

नए आपराधिक कानूनों ने न्याय व्यवस्था में लाया ऐतिहासिक परिवर्तन : सीएम साय

विश्व केसरी

रायपुर। वर्तमान समय की आवश्यकताओं और बदलती चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए नए आपराधिक कानून भारत की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन के वाहक बने हैं। इन कानूनों का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि आम नागरिक को त्वरित, पारदर्शी, सुलभ और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना है। आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रणालियों और वैज्ञानिक साक्ष्यों को न्याय प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाकर न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, विश्वसनीय और जवाबदेह बनाया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित 'स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस' राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुराने औपनिवेशिक कानूनों के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं। इन कानूनों की मूल भावना नागरिक–केंद्रित न्याय व्यवस्था की स्थापना है, जिसमें पीड़ित को शीघ्र न्याय मिले और अपराधी कानून के शिकंजे से बच न सके। उन्होंने कहा कि पुराने कानून ऐसे समय में बने थे, जब डिजिटल तकनीक, सीसीटीवी, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और आधुनिक फॉरेंसिक विज्ञान का अस्तित्व नहीं था। आज अपराधों की प्रकृति बदल चुकी है और तकनीक न्याय व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बन गई है। नए कानूनों ने डिजिटल साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल चैट, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तथा वैज्ञानिक फॉरेंसिक जांच को विधिक मान्यता देकर अपराध अनुसंधान और अभियोजन को नई मजबूती प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की शाखा प्रारंभ होने से अपराध अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी। ई–साक्ष्य जैसी व्यवस्था इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित संरक्षण और उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से न्याय प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और प्रभावी हुई है। पहले समन की तामील में कई दिन लग जाते थे, जबकि अब ई–समन के माध्यम से सूचना तत्काल संबंधित व्यक्ति तक पहुंच रही है और उसकी डिजिटल ट्रैकिंग भी संभव हो गई है।

बिलासपुर-सरगुजा में तेज बारिश का अलर्ट

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से जारी भारी बारिश के बाद पिछले दो दिनों से रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में सूरज की तेज गर्मी पड़ी। मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के अनुसार आज यानी 2 अगस्त से प्रदेश में मानसून की गतिविधियां एक बार फिर तेजी पकड़ेंगी। बंगाल की खाड़ी और मध्य भारत में बने मौसमी सिस्टम के प्रभाव से राज्य के उत्तरी हिस्सों में मानसून दोबारा सक्रिय हो रहा है।

बता दे कि छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार तेज बारिश के बाद अब प्रदेश में मानसून की रफ्तार कुछ धीमी पड़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम बंगाल के ऊपर बना गहरा अवदाब अब आगे बढ़ रहा है, जिसके चलते प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश की तीव्रता कम हो सकती है। हालांकि कुछ जिलों में अभी भी मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना बनी हुई है। वहीं लगातार बारिश हो रही के कारण बस्तर, रायपुर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के कई इलाकों में नदी–नाले उफान पर आ गए और जनजीवन प्रभावित रहा।

तापमान: राजधानी रायपुर और आसपास के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 33एष्ट और न्यूनतम तापमान 25°C से 27°C के बीच रहने का अनुमान है।

बारिश और उमस: दिन के समय अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और 35% तक बारिश की संभावना है। हवा में आर्द्रता 67% के आसपास रहने के कारण उमस का प्रभाव बना रहेगा।

हवा की रफ्तार: दक्षिण–पश्चिम दिशा से 10 मील प्रति घंटे की गति से ठंडी हवाएं चल सकती हैं।

संभागवार वेदर रिपोर्ट

बिलासपुर और सरगुजा संभाग (हाई अलर्ट): मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 2 अगस्त से शुरू होने वाले नए मानसूनी स्पेल का सबसे ज्यादा असर उत्तर छत्तीसगढ़ में दिखेगा। बिलासपुर, सरगुजा, सूरजपुर और जशपुर के एक–दो स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश और गरज–चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है।

एनआईटी रायपुर ने किया 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान का आयोजन

विश्व केसरी

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) क्लबों ने संयुक्त रूप से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की एक पहल है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य मादक पदार्थों के हानिकारक प्रभावों और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नशा मुक्त समाज की परिकल्पना को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों के साथ–साथ 250 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने वर्चुअली माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना, जिसमें उन्होंने एक स्वस्थ, नशा मुक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। संबोधन के बाद संस्थान परिसर के भीतर एक जागरूकता रैली निकाली गई, जहाँ प्रतिभागियों ने स्वस्थ और व्यसन–मुक्त जीवन शैली को प्रोत्साहित करने वाले नारों के साथ मार्च किया। यह कार्यक्रम एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रो. एन. वी. रमणा राव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एनआईटी रायपुर के कुलसचिव प्रो. नरेंद्र डी. लोंढे के साथ–साथ प्रो. जी. डी. रामटेककर, प्रो. शिरीष वर्मा, प्रो. समीर बाजपेई, प्रो. शुभाशीष सान्याल, प्रो. जी. पी. एस. सी. मिश्रा, प्रो. सुधाकर पांडे, प्रो. मीना मुर्मू, डॉ. पवन मिश्रा, प्रो. डी. सी. झारिया और अन्य संकाय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भनपुरी में परेशान विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र स्थित भनपुरी में रविवार सुबह 26 वर्षीय विवाहिता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना की सूचना मिलते ही खमतराई थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान दुर्गा साहू (26 वर्ष) के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब पांच वर्ष पहले कार्तिक साहू (28 वर्ष) से हुई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विवाह के पांच वर्ष बाद भी दंपती की कोई संतान नहीं थी। इसी बात को लेकर परिवार में आए दिन विवाद की स्थिति बनती थी और मृतका मानसिक रूप से काफी परेशान रहती थी। रविवार सुबह दुर्गा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। जानकारी मिलने पर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। आत्महत्या के पीछे वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों और अन्य संबंधित लोगों के बयान लिए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भिलाई स्टील प्लांट लोहा चोरी कांड : कारोबारी भास्कर मुदलियार गिरफ्तार

विश्व केसरी

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में हुए करोड़ों रुपये के बहुचर्चित लोहा चोरी कांड में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में संलिप्तता पाए जाने पर कारोबारी भास्कर मुदलियार को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस संगठित गिरोह में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या अब 17 हो गई है।

जांच में खुली गाड़ियों की संलिप्तता

भिलाई नगर CSP सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि जांच के दौरान मिले सबूतों के आधार पर वैशाली नगर निवासी भास्कर मुदलियार की भूमिका उजागर हुई। आरोपी की गाड़ियां लंबे समय से प्लांट के भीतर संचालित हो रही थीं। चोरी में इस्तेमाल किए गए वाहनों से उसके सीधे संबंध मिलने और पूछताछ के बाद पुलिस ने शनिवार को उसे गिरफ्तार

CSP तिवारी ने स्पष्ट किया कि यह केवल लोहा चोरी का सामान्य मामला नहीं है, बल्कि प्लांट के भीतर और बाहर फैला एक संगठित नेटवर्क है।

पुलिस जांच में पहले ही खुलासा हो चुका है कि BSP के तत्कालीन जनरल मैनेजर हिमांशु भूषण मलिक और असिस्टेंट जनरल मैनेजर मनोज कुमार देवांगन इस गिरोह के संपर्क में थे। वे प्लांट के अंदर से गिरोह की मदद करते थे। आरोपी फ्लू डस्ट (Flu Dust) में आयरन स्क्रैप मिलाकर गाड़ियों को बाहर भेजते थे, जिसे बाद में 'एके ट्रेडर्स' में डंप किया जाता था।

3.22 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

उल्लेखनीय है कि 6 मई 2026 को भिलाई–3 पुलिस ने अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स और हथखोज में दबिश दी थी। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 250 टन लौह स्क्रैप, कई ट्रक, हाईवा, जेसीबी और हाईड्रा वाहन जब्त किए गए थे, जिनकी कुल कीमत करीब 3 करोड़ 22 लाख रुपये आंकी गई है।

अभनपुर में अवैध मुरूम खनन में माफिया सक्रिय, कार्रवाई पर उठे सवाल

विश्व केसरी

अभनपुर। अभनपुर क्षेत्र में अवैध मुरूम खनन का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। आरोप है कि रात के अंधेरे में लगातार मुरूम का अवैध उत्खनन किया जा रहा है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, फिल्टर प्लांट के आसपास लगातार अवैध खनन हो रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस पर नाराजगी जताई है और कार्रवाई की मांग की है। नगर पालिका परिषद अभनपुर के उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी भी इस मामले में कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से वे भी शिकायत करते–करते थक चुके हैं। इसके बावजूद अवैध खनन का सिलसिला लगातार जारी है।

बताया जा रहा है कि कई बार पुलिस और खनिज विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से मुरूम माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

अवैध खनन के कारण अभनपुर नगरपालिका क्षेत्र और ग्राम बेलभाटा का बड़ा हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। क्षेत्र में 30 फीट से भी अधिक गहरे कई गड्ढे बन गए हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रहे उत्खनन से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि शिकायतों, जनप्रतिनिधियों की मांग और विभागीय निरीक्षणों के बावजूद अवैध मुरूम खनन पर लगाम कौन लगाएगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई कब होगी?

पं. विद्याचरण शुक्ल को दी गई श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद द्वारा अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पं। रविशंकर शुक्ल एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शहीद विद्याचरण शुक्ल जी की जयंती विद्याचरण शुक्ल उद्यान एवम् शुक्ल भवन बूढ़ापारा में उनके चित्र एवं प्रतिमा में पुष्पांजलि अर्पित कर तथा अमर रहें का घोष कर मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अमितेष शुक्ल, रमेशचंद शुक्ल, महामंत्री रामअवतार देवांगन, प्रवक्ता नितिन कुमार झा, एमआईसी पार्षद अमर गिदवानी, डॉ। उदयभान सिंह चौहान, सतीश जग्गी, संजय मिश्रा, आभा मरकाम, संतोष शर्मा, शिरीष अवस्थी, विकास गुप्ता, राहुल शुक्ला, सुनील बाजारी, किशन बाजारी, सुरेन्द्र चौधरी, रवि शर्मा, राघवेन्द्र पाठक, डॉ। अजय शर्मा, विजय साहू आदि काफी संख्या में शुक्ल समर्थक उपस्थित थे।

चिरमिरी क्षेत्र को नई रेल सौगात, 602 करोड़ रुपए की नई ब्रॉडगेज लाइन के लिए टेंडर जारी

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी क्षेत्र को जल्द ही बेहतर रेल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने पाराडोल से नागपुर रोड स्टेशन तक नई ब्रॉडगेज सिंगल रेल लाइन बिछाने तथा मौजूदा बोरीडांड–चिरमिरी लाइन के स्लूइंग कार्य के लिए ई–निविदा (ई–टेंडर) आमंत्रित कर दी है। ईपीसी मोड पर होने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 601.90 करोड़ रुपए है, और इसे दो वर्ष (730 दिन) में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह परियोजना उस मनेंद्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (एमसीबी) जिले से जुड़ी है, जो प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का गृह क्षेत्र है। लंबे समय से इस अंचल के लोग बेहतर रेल सुविधा की मांग करते रहे हैं। नई लाइन बनने से चिरमिरी और आसपास के क्षेत्रों की रेल पहुंच और सुगम होगी, जिससे यात्रियों के साथ–साथ इस कोयला–समृद्ध क्षेत्र के औद्योगिक और व्यापारिक आवागमन को भी नई गति मिलेगी।

क्या है परियोजना

यह कार्य पाराडोल टेकऑफ पॉइंट (किलोमीटर 947.257) से नागपुर रोड स्टेशन (किलोमीटर 964.820) तक नई ब्रॉडगेज सिंगल लाइन के निर्माण से संबंधित है। इसके साथ ही मौजूदा बोरीडांड–चिरमिरी लाइन का किलोमीटर 946.640 से 947.257 के बीच स्लूइंग (लाइन को नई दिशा में जोड़ने) का कार्य भी शामिल है।

नई लाइन की कुल लंबाई करीब साढ़े सत्रह किलोमीटर होगी।

परियोजना के दायरे में केवल पटरी बिछाना ही नहीं, बल्कि बड़े पुल, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), एक वायाडक्ट पुल, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली, ऑप्टिकल फाइबर केबल और विद्युतीकरण जैसे अनेक आधुनिक कार्य भी शामिल हैं। नई चिरमिरी स्टेशन, पारादोल जंक्शन तथा नागपुर रोड स्टेशन से जुड़े निर्माण कार्य भी इसी परियोजना का हिस्सा हैं, जिससे पूरा रेल खंड आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

क्षेत्र के विकास को मिलेगी रफ्तार

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के अनुसार, इस नई लाइन के बनने से चिरमिरी और एमसीबी जिले की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी काफी मजबूत होगी। कोयला और खनिज परिवहन को नई राह मिलेगी, जिससे स्थानीय उद्योगों और व्यापार को बल मिलेगा। निर्माण कार्य के दौरान क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और यातायात सुगम होने से आम लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। बेहतर रेल सुविधा क्षेत्र में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन देगी। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस परियोजना को क्षेत्र के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है और क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया गया है कि रेल कनेक्टिविटी बेहतर करने की दिशा में आगे भी प्रयास जारी रहेंगे।

स्थानीय जनता में हर्ष, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जताई प्रतिबद्धता

क्षेत्र के लोगों में इस परियोजना को लेकर खासा उत्साह है। लंबे समय से लंबित रेल विस्तार की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जो आने वाले वर्षों में चिरमिरी अंचल की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाएगा।

पद्मश्री डॉ. वली ने बताए अन्न के फायदे, श्री मिलेट्स खेती पर हुई कार्यशाला

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। जिले में श्री अन्न (मिलेट्स) के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने तथा किसानों को इसके पोषण, स्वास्थ्य और आर्थिक महत्व की जानकारी देने के उद्देश्य से रविवार को जिला पंचायत महासमुंद के सभाकक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला सह संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय 'स्वास्थ्य और टिकाऊ कृषि के लिए श्री अन्न (मिलेट्स) एक वरदान हैं' था।

कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड, जिला प्रशासन और कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। देश के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एवं मिलेट्स मैन ऑफ इंडिया पद्मश्री डॉ. खादर वली मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

डॉ. खादर वली ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री अन्न भविष्य की खेती और स्वस्थ भारत की मजबूत नींव है। बढ़ती जीवनशैली संबंधी बीमारियों, घटते जल संसाधनों और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच मिलेट्स एक बेहतर और टिकाऊ फसल विकल्प के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार और बाजरा जैसे मिलेट्स में फाइबर, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, जिंक और मैग्नीशियम सहित कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनके नियमित सेवन से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, हृदय रोग और पाचन संबंधी समस्याओं के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने लोगों से पारंपरिक अनाज को दोबारा भोजन में शामिल करने की अपील करते हुए कहा कि 'भोजन ही औषधि' की भारतीय परंपरा में श्री अन्न का महत्वपूर्ण स्थान है। किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि मिलेट्स की खेती कम पानी, कम लागत और सीमित संसाधनों में भी की जा सकती है।

संपादकीय

अवैध प्रवासी बनेंगे यूरोप के महाविनाश का कारण?

डॉ. शैलेश शुक्ला

पिछले एक दशक में यूरोप जिस चुनौती से सबसे अधिक जूझ रहा है, वह केवल आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध या जनसंख्या की वृद्धावस्था नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक जटिल और दूरगामी प्रभाव रखने वाला प्रश्न है—अवैध प्रवासन। यह समस्या अब केवल सीमाओं को पार करने वाले लोगों की संख्या तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक स्थिरता, सामाजिक विश्वास, कानून के शासन, राजनीतिक व्यवस्था और यूरोप की सांस्कृतिक पहचान तक पहुँच चुकी है।

यूरोप की उदार लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ लंबे समय तक मानवाधिकारों और शरणार्थियों के संरक्षण की वैश्विक प्रतीक रही हैं, किंतु जब मानवीय संवेदनाएँ और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बिगड़ने लगता है, तब सबसे विकसित लोकतंत्र भी कठिन निर्णय लेने के लिए विवश हो जाते हैं। आज यूरोप का वास्तविक संकट यही है कि वह मानवीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी सीमाओं, अपने नागरिकों और अपनी संस्थाओं की सुरक्षा किस प्रकार सुनिश्चित करे। यदि इस प्रश्न का व्यावहारिक और प्रभावी समाधान समय रहते नहीं निकाला गया, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या यूरोप की राजनीतिक, सामाजिक और सुरक्षा संरचना को गहराई से प्रभावित कर सकती है।

यूरोप की सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बाहरी देशों से लोग वहाँ पहुँच रहे हैं; वास्तविक चिंता यह है कि बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी प्रवेश कर रहे हैं जिनकी पहचान, पृष्ठभूमि, यात्रा मार्ग और उद्देश्य का तत्काल सत्यापन संभव नहीं हो पाता। किसी भी आधुनिक राष्ट्र-राज्य की सुरक्षा इस सिद्धांत पर आधारित होती है कि सरकार को यह ज्ञात हो कि उसके क्षेत्र में कौन प्रवेश कर रहा है, कहाँ रह रहा है और किस उद्देश्य से रह रहा है। जब हजारों लोग एक साथ बिना वैध दस्तावेजों के सीमा पार करते हैं, तब यह पूरी व्यवस्था दबाव में आ जाती है। पहचान सत्यापन की प्रक्रिया लंबी हो जाती है, प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ता है, न्यायिक प्रणाली धीमी पड़ती है और सुरक्षा एजेंसियों को सीमित संसाधनों में अधिक जटिल कार्य करना पड़ता है। यह स्थिति किसी भी विकसित राष्ट्र के लिए गंभीर चुनौती है, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि प्रभावी सीमा प्रबंधन और विश्वसनीय पहचान प्रणाली से भी सुनिश्चित होती है।

यूरोप के सुरक्षा विशेषज्ञ वर्षों से इस संभावना की ओर ध्यान आकर्षित करते रहे हैं कि अनियंत्रित और अवैध प्रवासन का लाभ संगठित अपराधी नेटवर्क, मानव तस्कर अथवा हिंसक उग्रवादी तत्व उठाने का प्रयास कर सकते हैं। सुरक्षा नीति का आधार संभावित जोखिमों का पूर्वानुमान होता है, न कि केवल घटित घटनाओं का विश्लेषण। यदि किसी व्यक्ति की पहचान, उसके पूर्ववृत्त या उसके दस्तावेजों का सत्यापन समय पर नहीं हो पाता, तो सुरक्षा एजेंसियों के लिए जोखिम का आकलन कठिन हो जाता है। आधुनिक आतंकवाद और संगठित अपराध अक्सर खुले युद्ध के बजाय प्रशासनिक कमजोरियों का लाभ उठाते हैं। इसलिए अनियमित प्रवासन का सबसे बड़ा खतरा उसकी संख्या नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपे उन सीमित किंतु संभावित सुरक्षा जोखिमों में निहित है, जिन्हें समय रहते पहचानना आवश्यक होता है।

अवैध प्रवासन के साथ मानव तस्करी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी तेजी से विकसित हुआ है। भूमध्यसागर और अन्य मार्गों से लोगों को यूरोप पहुँचाने वाले गिरोह अरबों डॉलर के अवैध नेटवर्क का हिस्सा बन चुके हैं। ये गिरोह केवल लोगों को सीमा पार नहीं कराते, बल्कि नकली दस्तावेज, धन शोधन, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों के परिवहन और अन्य संगठित अपराधों से भी जुड़े पाए जाते हैं। इस प्रकार अवैध प्रवासन केवल मानवीय संकट नहीं रह जाता, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत की आर्थिक शक्ति को भी बढ़ावा देता है। जब तक इन नेटवर्कों को समाप्त नहीं किया जाएगा, तब तक सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ाने के बावजूद नए मार्ग खोज लिए जाएँगे। यही कारण है कि यूरोप की अनेक सुरक्षा एजेंसियाँ अब अवैध प्रवासन को केवल आव्रजन नीति का विषय न मानकर संगठित अपराध और राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक ढाँचे में देख रही हैं।

इस समस्या का एक अन्य गंभीर आयाम सामाजिक विश्वास का क्षरण है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज की स्थिरता इस भावना पर आधारित होती है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है। यदि आम नागरिकों को यह प्रतीत होने लगे कि सीमाओं का उल्लंघन करने वालों को भी अंततः वही सुविधाएँ प्राप्त हो जाती हैं जो वैध प्रक्रियाओं का पालन करने वालों को मिलती हैं, तो कानून के प्रति सम्मान कमजोर पड़ सकता है। यही कारण है कि यूरोप के अनेक देशों में प्रवासन का मुद्दा राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ गया है। कई देशों में राष्ट्रवादी और सीमा-सुरक्षा पर बल देने वाले राजनीतिक दलों का प्रभाव बढ़ा है, जबकि दूसरी ओर उदारवादी दल मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों की रक्षा पर जोर देते हैं।

मध्य पूर्व में उथल-पुथल से भारत-खाड़ी संबंधों के लिए चुनौतियां

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) एक समूह के तौर पर, विकासशील भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जीसीसी के सदस्य देशों के भारत के साथ सांस्कृतिक, आर्थिक और सभ्यतागत संबंध बहुत पुराने हैं। हाल के वर्षों में, यह संबंध पारंपरिक खरीदार-विक्रेता रिश्ते से आगे बढ़कर एक रणनीतिक गठबंधन में बदल गया है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, रक्षा सहयोग और वहां रहने वाले भारतीयों का कल्याण शामिल है। इस क्षेत्र में मौजूद तेल और गैस के बड़े भंडार भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम हैं।

भौगोलिकसंदर्भ

जीसीसी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलती है। साथ ही, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी भारत के साथ व्यापार पर काफी हद तक निर्भर हैं। यह जीसीसी और भारत की संयुक्त कोशिश है, जिससे इस क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली में मदद मिलेगी। कई संयुक्त परियोजनाओं के माध्यम से इसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता और समृद्धि को बढ़ाने की क्षमता है। आपसी संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क में सहयोग बढ़ाना कारगर साबित हुआ है।

प्रवासी और रेमिटेंस (विदेश से भेजा गया पैसा): दक्षिण एशियाई व्यापार और व्यापक आर्थिक स्थिरता को प्रवासी कामगारों से काफी समर्थन मिलता है। जीसीसी देशों में लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) भारतीय रहते हैं। जीसीसी देशों ने इस क्षेत्र के विकास में भारतीय समुदाय की भूमिका को माना है। यह पश्चिमी एशिया (मुख्य रूप से जीसीसी) और दक्षिण एशिया के बीच व्यापार और रेमिटेंस की स्थिति है, जो हाल के आंकड़ों पर आधारित है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत को दुनिया भर से रिकॉर्ड 135.46 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को सबसे ज़्यादा रेमिटेंस मिला है। 2024 में मेक्सिको दूसरे स्थान पर रहा, जहां 68 अरब डॉलर आने का अनुमान है। तीसरे स्थान पर चीन रहा, जहां अनुमानित 48 अरब डॉलर आए।

भारत को मिलने वाले कुल रेमिटेंस में जीसीसी देशों की हिस्सेदारी लगभग 38% है, जो इस क्षेत्र में बड़ी आर्थिक आमद का जरिया है। भारत में रेमिटेंस पर निर्भरता कुछ खास इलाकों तक सीमित है; अकेले यूएई से भारत को कुल रेमिटेंस का लगभग 19.2% हिस्सा मिलता है। इसके बाद सऊदी अरब का स्थान है, जहां से 6.7% रेमिटेंस आता है। भारत में आने वाले कुल रेमिटेंस (हर साल लगभग 27-28 बिलियन) में महाराष्ट्र का हिस्सा करीब 20.5% है, और केरल का हिस्सा करीब 19.7% (लगभग 26-27 बिलियन) है। इसलिए, खाड़ी देशों (गल्फ) में मंदी का इन दोनों राज्यों पर बहुत ज़्यादा असर पड़ता है।

भारत-जीसीसी व्यापार

जीसीसी की कुल आबादी 6.15 करोड़ (61.5 मिलियन) है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.3 ट्रिलियन है। कुल द्विपक्षीय व्यापार (वित्त वर्ष 2024-25) .178.56 बिलियन का है। सितंबर 2025 तक भारत में जीसीसी का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 31.14 बिलियन से ज़्यादा हो गया है। भारत इंजीनियरिंग का सामान, चावल, कपड़ा, मशीनरी, रत्न और आभूषण एक्सपोर्ट करता है; और कच्चा तेल, द्रवरूप प्राकृतिक गैस (एलएनजी), पेट्रोकेमिकल्स और सोना जैसी कीमती धातुएं इंपोर्ट करता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-खाड़ी व्यापार रिकॉर्ड .178.56 बिलियन तक पहुँच गया, जो भारत के कुल ग्लोबल व्यापार का 15.42% है। इसमें 56.87 बिलियन का एक्सपोर्ट और .121.68 बिलियन का इंपोर्ट शामिल है — जिससे जीसीसी भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर ब्लॉक बन गया है, जो भारत के ग्लोबल व्यापार का 15.42% है। पाँच साल का ट्रेंड: द्विपक्षीय व्यापार सालाना औसतन 15.3% की दर से बढ़ा है। भारत और जीसीसी ने फरवरी 2026 में औपचारिक रूप से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बातचीत शुरू की। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, 2030 तक इस कॉरिडोर में कुल व्यापार 250 बिलियन से ज़्यादा हो सकता है।

यूएई के साथ व्यापार .100 बिलियन से ज़्यादा (सीईपीए) के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग .101.25 बिलियन) रहा, जिसमें भारत का व्यापार घाटा 26.53 बिलियन था; भारत ने 37.36 बिलियन का एक्सपोर्ट किया और 63.89 बिलियन का इंपोर्ट किया। सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत और बहरीन के साथ व्यापार क्रमशः .41.87 बिलियन (भारत का दूसरा सबसे बड़ा जीसीसी पार्टनर), .14.14 बिलियन, .10.61 बिलियन, .1.64 बिलियन का रहा। भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटना अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति में तेज़ी से हो रहे बदलावों के कारण भारत-जीसीसी सहयोग के सामने चुनौतियां हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच, सबसे बड़ी चुनौती जीसीसी देशों और भारत के लिए संतुलन बनाए रखने की है। पारंपरिक रूप से, भारत और खाड़ी देशों के बीच हाइड्रोकार्बन को लेकर आर्थिक निर्भरता रही है, लेकिन अब रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) की ओर वैश्विक झुकाव के कारण यह संबंध खतरे में है। भारत एक मुश्किल कूटनीतिक स्थिति में है, जहाँ उसे ईरान, इज़राइल और सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय दुश्मनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करना पड़ रहा है, खासकर तब जब खाड़ी देश पारंपरिक पश्चिमी सहयोगियों से आगे बढ़कर उभरते एशियाई देशों के साथ नए रणनीतिक गठबंधन बना रहे हैं। इस क्षेत्र का सुरक्षा ढांचा भी बदल रहा है।

चुनौतियों से निपटने के उपाय

इन भू-राजनीतिक बाधाओं के बावजूद, भारत-जीसीसी सहयोग को नया रूप देने और उसे बेहतर बनाने के लिए कई रणनीतिक कदम उठाए जा सकते हैं। आर्थिक एकीकरण को बढ़ाने और व्यापारिक जोखिमों को कम करने की दिशा में पहला कदम भारत-जीसीसी एफटीए को जल्द से जल्द पूरा करना है। दूसरा कदम यह है कि सहयोग केवल ऊर्जा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए...इसमें रिन्यूएबल एनर्जी, रिन्यूएबल हाइड्रोजन, खाद्य सुरक्षा, अहम टेक्नोलॉजी और मिलिट्री मैन्युफैक्चरिंग जैसे भविष्य से जुड़े क्षेत्रों को शामिल किया जाना चाहिए। कई बुनियादी रणनीतियां द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत कर सकती हैं और उन्हें भू-राजनीतिक तनावों से बचा सकती हैं: द्विपक्षीय जुड़ाव के ढांचे को क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर पर ले जाना: मध्य पूर्व की क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थाओं की नाजुकता और बहु-ध्रुवीय प्रकृति के कारण, भारत एक व्यापक क्षेत्रीय नीति से हटकर अधिक लक्षित द्विपक्षीय जुड़ाव के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है। जीसीसी सदस्यों के साथ अलग-अलग बातचीत करके भारत भू-राजनीतिक तनाव वाले मुद्दों से बच सकता है। इससे उसे खाड़ी देशों के आपसी मुद्दों, जैसे राजनयिक संकट और ऐतिहासिक नाकेबंदी, को सुलझाने में मदद मिलेगी।

आर्थिक और गैर-तेल संबंधित विविधीकरण के लिए मजबूत गठबंधन: गैर-तेल आर्थिक विविधीकरण में एक दीर्घकालिक बाजार और सहयोगी के रूप में, भारत खाड़ी देशों को सऊदी अरब के 'विज़न 2030' जैसी तेल-बाद की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद कर सकता है। बाधाओं को दूर करने के लिए व्यापार समझौतों और व्यापक आर्थिक ढांचे पर तेजी से बातचीत होनी चाहिए। यदि भारत के निवेश-अनुकूल माहौल और नौकरशाही प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाया जाए, तो खाड़ी देशों के समृद्ध सॉवरेन वेल्थ फंड भारत के बुनियादी ढांचे, परिवहन और टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में भारी निवेश कर सकते हैं।

कामगारों की आवाजाही में सुधार और मानव पूंजी पर सहयोग: जीसीसी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों द्वारा समर्थित पारस्परिक रूप से लाभकारी श्रम संबंध को बदलती आर्थिक स्थितियों के अनुसार ढलना चाहिए। जानबूझकर उच्च-मूल्य वाली सेवाओं, तकनीकी शिक्षा और पेशेवर आदान-प्रदान की ओर बढ़ने से दोनों देशों को जीसीसी अर्थव्यवस्थाओं की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने में मदद मिल सकती है, जो पारंपरिक रूप से कम-कुशल निर्माण श्रमिकों का समर्थन करती रही हैं।

धर्म,आस्था,अनुशासन और आत्मशुद्धि का महापर्व है कांवड़ यात्रा

डॉ. घनश्याम बादल

भारतीय परंपराओं में कुछ यात्राएँ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होतीं, बल्कि वे समाज, संस्कृति, अनुशासन और लोकजीवन की जीवंत पाठशाला भी बन जाती हैं। श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा ऐसी ही एक अनूठी परंपरा है, जो हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के सूत्र में बाँध देती है। कांवड़ यात्रा केवल गंगाजल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करने की यात्रा नहीं है, बल्कि यह मन, वचन और कर्म की पवित्रता का सामूहिक संकल्प है।

इतिहास व मिथ

कांवड़ यात्रा का इतिहास भारतीय पुराणों और लोकमान्यताओं में गहराई से जुड़ा हुआ है। एक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की। विष की ज्वाला को शांत करने के लिए देवताओं ने विभिन्न पवित्र नदियों का जल लाकर उनका अभिषेक किया। तभी से शिव पर जल चढ़ाने की परंपरा का आरंभ माना जाता है।

एक अन्य पौराणिक कथा रावण से जुड़ी है। कहा जाता है कि उसने गंगाजल कांवड़ में भरकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। परशुराम और भगवान श्रीराम से संबंधित लोककथाएँ भी इस परंपरा को और अधिक प्राचीन बनाती हैं। यद्यपि इन कथाओं का ऐतिहासिक सत्यापन कठिन है, किंतु भारतीय समाज की सांस्कृतिक स्मृति में इनका विशेष स्थान है।

कैसी थी आरंभिक यात्रा

आरंभ में कांवड़ यात्रा अत्यंत सरल और तपस्वी स्वरूप की होती थी। श्रद्धालु नंगे पाँव लंबी दूरी तय करते, मार्ग में भजन-कीर्तन करते, संयमित जीवन जीते और किसी प्रकार का प्रदर्शन नहीं करते थे। उनके लिए यह यात्रा शरीर की नहीं, आत्मा की परीक्षा होती थी। कांवड़ केवल बाँस की एक साधारण डंडी और दोनों ओर लटके जलपात्रों का नाम नहीं थी, बल्कि जीवन के संतुलन का प्रतीक थी। जिस प्रकार कांवड़ दोनों ओर समान भार से संतुलित रहती है, उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में भी धर्म और कर्म, भक्ति और सेवा, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन आवश्यक माना गया।

भोले हैं शिव

भगवान शिव को अत्यंत सरल और सहज देवता हैं। वे आडंबर नहीं, बल्कि निष्कपट भाव से प्रसन्न होते हैं। इसलिए शिव पूजा में जल, बेलपत्र, धतूरा, आक और भस्म जैसी सहज उपलब्ध वस्तुओं का महत्व है। कांवड़ यात्रा का मूल संदेश भी यही है कि कठिन तप, संयम और सेवा के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के विकारों का परित्याग करे। स्कंद पुराण, शिव पुराण और विभिन्न आगम ग्रंथों में श्रावण मास के दौरान शिवोपासना के महत्व का उल्लेख मिलता है, जिसमें श्रद्धा, सात्विकता और आत्मसंयम को सर्वोपरि माना गया है।

यूं बदलती गई

समय के साथ कांवड़ यात्रा का स्वरूप भी बदला है। पहले जहाँ इसमें सीमित संख्या में साधक सम्मिलित होते थे, वहीं आज यह विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में गिनी जाती है। उत्तराखंड के हरिद्वार, गंगोत्री और गौमुख से लेकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, झारखंड और देश के अनेक भागों तक लाखों-करोड़ों श्रद्धालु कांवड़ लेकर पहुँचते हैं। आधुनिक परिवहन, बेहतर सड़कें, चिकित्सा सुविधाएँ, स्वयंसेवी संगठनों की सक्रियता तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने यात्रा को अधिक सुगम बनाया है।

सकारात्मक पहलू

इस यात्रा के अनेक सकारात्मक पक्ष हैं। यह समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करती है। रास्ते भर लगने वाले निःशुल्क शिविर, भोजन, चिकित्सा, जल और विश्राम की व्यवस्थाएँ भारतीय समाज की अतिथि-सेवा और परोपकार की परंपरा का सुंदर उदाहरण हैं। अनेक युवा नशामुक्ति, स्वच्छता, रक्तदान और पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक संदेश भी कांवड़ यात्रा के माध्यम से प्रसारित करते हैं।

बोध कथा

हर बुराई में अच्छाई खोज सकते हैं

एक शिष्य अपने गुरु से सप्ताह भर की छुट्टी लेकर अपने गांव जा रहा था। तब गांव पैदल ही जाना पड़ता था। जाते समय रास्ते में उसे एक कुआं दिखाई दिया। शिष्य प्यासा था, इसलिए उसने कुएं से पानी निकाला और अपना गला तर किया। शिष्य को अद्भुत तृप्ति मिली, क्योंकि कुएं का जल बेहद मीठा और ठंडा था। शिष्य ने सोचा - क्यों ना यहां का जल गुरुजी के लिए भी ले चलूं। उसने अपनी मशक भरी और वापस आश्रम की ओर चल पड़ा। वह आश्रम पहुंचा और गुरुजी को सारी बात बताई। गुरुजी ने शिष्य से मशक लेकर जल पिया और संतुष्टि महसूस की। उन्होंने शिष्य से कहा- वाकई जल तो गंगाजल के समान है। शिष्य को खुशी हुई। गुरुजी से इस तरह की प्रशंसा सुनकर शिष्य आज्ञा लेकर अपने गांव चला गया। कुछ ही देर में आश्रम में रहने वाला एक दूसरा शिष्य गुरुजी के पास पहुंचा और उसने भी वह जल पीने की इच्छा जताई। गुरुजी ने मशक शिष्य को दी। शिष्य ने जैसे ही घूंट भरा, उसने पानी बाहर कुल्ला कर दिया। शिष्य बोला- गुरुजी इस पानी में तो कड़वापन है और न ही यह जल शीतल है। आपने बेकार ही उस शिष्य की इतनी प्रशंसा की। गुरुजी बोले- बेटा, मिठास और शीतलता इस जल में नहीं है तो क्या हुआ। इसे लाने वाले के मन में तो है। जब उस शिष्य ने जल पिया होगा तो उसके मन में मेरे लिए प्रेम उमड़ा। यही बात महत्वपूर्ण है। मुझे भी इस मशक का जल तुम्हारी तरह ठीक नहीं लगा। पर मैं यह कहकर उसका मन दुखी करना नहीं चाहता था। हो सकता है जब जल मशक में भरा गया, तब वह शीतल हो और मशक के साफ न होने पर यहां तक आते-आते यह जल वैसा नहीं रहा, पर इससे लाने वाले के मन का प्रेम तो कम नहीं होता है ना।

संदेश: दूसरों के मन को दुखी करने वाली बातों को टाला जा सकता है और हर बुराई में अच्छाई खोजी जा सकती है।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

जो आया, वो जाएगा...

बेबाक केसरी

कुछ बच्चे आग में जलकर मर गए.पत्रकार ने एक जिम्मेदार किस्म के दिखने वाले नेता छदामीराम से बात की. वह बोले, 'ऐसा है भोले,ज्यादा चिंता की बात नहीं. कल को कुछ और बच्चे पैदा हो जाएंगे. '

पत्रकार ने कहा, ''बच्चे देश का भविष्य होते हैं. बच्चे देश का भविष्य होते हैं. हो सकता है इन्हीं में से कोई देश का बड़ा नेता या वैज्ञानिक बनता.''

छदामीराम ने हाथ लहराते हुए कहा, ''कुछ बच्चों के मर जाने से भविष्य नहीं मरता. डोंट वरी. यह तो सतत प्रक्रिया है. कल को कुछ और बच्चे पैदा होंगे. '

पत्रकार ने गहरी सांस ली, 'अपना रिकॉर्डर छदामीराम के और नजदीक किया और पूछा, 'पर नेता जी, उन मां-बाप का क्या? जिनकी गोद सूनी हो गई? उनके आंसू तो रुक नहीं रहे. '

छदामीराम ने अपनी खादी के कुर्ते की आस्तीन ऊपर चढ़ाई, चेहरे पर एक दार्शनिक मुस्कान लाई और बोले, 'देखो भोले, तुम पत्रकार लोग न भावुक बहुत जल्दी हो जाते हो. डेटा पर बात करो. देश की आबादी कितनी है? एक अरब चालीस करोड़ से ऊपर! अब उसमें से चार-छह बच्चे कम हो गए, तो प्रतिशत में नुकसान कितना हुआ? पॉइंट जीरो-जीरो-जीरो... कुछ आएगा. गणित समझो भाई! रही बात मां-बाप के आँसुओं की, तो समय सबसे बड़ा मरहम है. अगले चुनाव तक सब भूल जाएंगे।'

'लेकिन नेता जी!' पत्रकार ज्वाला सिंह ने बात काटते हुए कहा, 'आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट और फायर एनओसी का न होना बताई जा रही है। इस लापरवाही की जिम्मेदारी किसकी है?'

छदामीराम ने इस बार पत्रकार को ऐसे देखा,जैसे वह किसी दूसरे ग्रह से आया जीव हो । उन्होंने अपने सहायक से काजू कतली की प्लेट आगे बढ़वाई, एक पीस उठाया और चबाते हुए बोले, ' तुम भी बच्चों जैसी बातें करते हो। आग का काम क्या है, जलना। अब वो शॉर्ट सर्किट से जले या माचिस से, जलना तो उसका नेचर है न? इसमें सिस्टम की क्या गलती? और ये एनओसी-वैनओसी तो पश्चिमी देशों के चोचले हैं। हमारे देश में तो सदियों से सब 'भगवान भरोसे' चल रहा है। वैसे भी, जो आया है वो जाएगा, गीता में लिखा है।'

'यानी आप कोई कड़ा एक्शन नहीं लेंगे?' पत्रकार ने आखिरी दांव खेला।

बिल्कुल लेंगे!' छदामीराम ने मेज पर हाथ मारते हुए कहा, 'हमने तुरंत प्रभाव से एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन कर दिया है। वो अगले छह महीने में रिपोर्ट देगी कि आग ठंडी थी या गर्म।बच्चों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा भी घोषित कर दिया है।'

'दो लाख रुपये में एक जिंदगी का सौदा, नेता जी?' पत्रकार का लहजा तीखा हो गया।

छदामीराम हँस पड़े, जैसे उन्होंने कोई बहुत बड़ा जोक सुना हो। वे उठ खड़े हुए, पत्रकार के कंधे पर हाथ रखा और बोले, 'तुम लोग हमेशा आधा गिलास खाली देखते हो।

अरे भाई, दो लाख रुपये में आज के जमाने में कितने नए बच्चे प्लान किए जा सकते हैं, इसका अंदाजा है तुम्हें? ये सरकारी मदद है, इसे स्टार्टअप फंड समझो!

चलो, अब मैं चलता हूं, दूसरी जगह एक नए अस्पताल का फीता काटने जाना है।

इतिहास

2 अगस्त को इतिहास में दर्ज सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण घटना 1990 में इराक द्वारा कुवैत पर आक्रमण (Iraqi invasion of Kuwait) है, जिसके कारण खाड़ी युद्ध (Gulf War) की शुरुआत हुई थी।

इसके अलावा, दुनिया भर में इस दिन कई अन्य ऐतिहासिक और प्रसिद्ध घटनाएं घटीं:

1934: जर्मनी के राष्ट्रपति पॉल वॉन हिंडनबर्ग के निधन के बाद, एडोल्फ हिटलर जर्मनी के तानाशाह बन गए थे।

1922: टेलीफोन का आविष्कार करने वाले महान वैज्ञानिक अलेक्जेंडर ग्राहम बेल का निधन हुआ था।

1776: अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा (United States Declaration of Independence) पर 56 लोगों द्वारा औपचारिक हस्ताक्षर किए गए थे।

हेमचंद विवि के कुलसचिव के खिलाफ कुलपति की शिकायत

महिला स्टाफ का 84% वेतन बेटे के खाते में ट्रांसफर का आरोप

विश्व केसरी

दुर्ग। हेमचंद विश्वविद्यालय में वित्तीय अनियमितता और महिला कर्मचारी के शोषण का मामला सामने आया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने खुद ही कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप के खिलाफ पुलिस में शिकायत कर दी है।

कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने दुर्ग ढ्ढत्र अभिषेक शांडिल्य और स्स्क्क विजय अग्रवाल को पत्र लिखकर कहा है कि फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। इसलिए कुलसचिव के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

सरकारी काम छोड़कर बंगले में काम कराने का आरोप

दरअसल शुभांगी मराठे, जो विश्वविद्यालय में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी हैं, ने कुलपति को दिए आवेदन और शपथपत्र में आरोप लगाया था कि कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप ने उन्हें विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के बजाय अपने सरकारी बंगले पर घरेलू कामों जैसे खाना बनाना और अन्य निजी कार्यों के लिए लगा रखा था। महिला का आरोप है कि विश्वविद्यालय से मिलने वाला उसका पूरा वेतन भी उसे नहीं दिया जाता था। हर महीने करीब 11 हजार रुपए वेतन खाते में आने के बाद लगभग 2,200 रुपए ही उसके पास रहने दिए जाते थे, जबकि शेष राशि नौकरी से हटाने के डर और दबाव में कुलसचिव के बेटे उदय प्रताप कुलदीप के खाते में फोन पे के माध्यम से ट्रांसफर कराई जाती थी। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि उसे दबाव डालकर रकम ट्रांसफर कराए जाते थे। बता दें कि कुलसचिव का बेटा उदय प्रताप कुलदीप डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा है।

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की जांच: 17 महीने का पूरा हिसाब मिला

शिकायत मिलने के बाद विश्वविद्यालय ने 29 जुलाई 2026 को 3 सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की। कमेटी ने महिला के आवेदन, शपथपत्र, बैंक पासबुक और फोन पे के पूरे रिकॉर्ड को खंगाला।

जांच में जो सामने आया उसका विस्तार

कमेटी ने पाया कि फरवरी 2025 से जुलाई 2026 तक 17 महीने की अवधि में विश्वविद्यालय ने शुभांगी मराठे के खाते में कुल 1 लाख 77 हजार रुपये का भुगतान किया था। इस पूरी राशि में से 1 लाख 49 हजार रुपये की राशि सीधे उदय प्रताप कुलदीप के खाते में ट्रांसफर की गई। यानी कुल वेतन का 84.3 प्रतिशत हिस्सा दूसरे व्यक्ति के खाते में चला गया।

84% रकम कटने के बाद शुभांगी के पास हर महीने औसतन सिर्फ 1,632 रुपये ही बचते थे। कमेटी ने इसे आर्थिक शोषण की श्रेणी में रखा।

ट्रांसफर का पैटर्न : सुनियोजित प्रक्रिया

जांच में यह भी पाया गया कि वेतन खाते में जमा होने के बाद 1 से 3 दिन के भीतर नियमित रूप से रकम ट्रांसफर कर दी जाती थी। यह पैटर्न 17 में से 17 महीने तक लगातार दोहराया गया। कमेटी ने इसे पूर्व-नियोजित और सुनियोजित प्रक्रिया करार दिया।

सबूतों का मिलान

कमेटी ने बैंक स्टेटमेंट और फोन पे के ट्रांजेक्शन डिटेल का मिलान किया। सभी 17 ट्रांजेक्शन पूरी तरह सत्यापित पाए गए। हर ट्रांजेक्शन में रिसीवर के रूप में उदय प्रताप कुलदीप का नाम आया।

नवा रायपुर में DG कान्फ्रेंस का आयोजन! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और NSA अजीत डोभाल होंगे शामिल... विवि ने पुलिस से की FIR की मांग की गई।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान मोदी की अपील का हिस्सा : मंत्री टंकराम वर्मा

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा,विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया । उन्होंने वर्चुअल रूप से जुडर देश के 28000 से अधिक स्थानों से जुड़े युवाओं को सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम के सीधा प्रसारण का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। इस अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा,जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर कुलदीप.शर्मा,जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री ने उपस्थित युवा समूहों को नशा मुक्ति,नशा से दूर रहने तथा परिवार व समाज को नशा के दुष्परिणामो से जागरूक करने की शपथ दिलाई। इस दौरान युवाओं ने नशा मुक्ति से सम्बंधित आकर्षक नाटिका की भी प्रस्तुति दी।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा क़ि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिये लगातार युवाओ से आह्वान कर रहे है, नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान भी उसी की एक कड़ी है जिसके माध्यम से युवाओ को नशे के चंगुल में न पड़कर देश के बारे में सोचने की प्रेरणा देना है। उन्होंने कहा क़ि आज के युवा पीढ़ी नशे से दूर रहकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने कहा क़ि नशा एक दीमक की तरह मनुष्य के जीवन को खोखला कर देता है जिससे न केवल उसका जीवन बर्बाद होता है बल्कि परिवार भी टूटकर बिखर जाता है, माता- पिता के सपने व उम्मीद समाप्त हो जाते है। उन्होंने कहा क़ि इतिहास गवाह है देश की आजादी से लेकर अब तक जितने भी आंदोलन हुए उसमें युवाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है, युवा परिवर्तन लाने में सक्षम हैं।नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत 100 सप्ताह तक लगातार अनेक कार्यक्रम होंगे जिसमें युवा बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करें। जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल ने कहा क़ि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा के लिये लगातार अभियान चला रहे हैं ताकि युवा जागरूक रहे और भविष्य सुरक्षित रहे।उन्होंने कहा क़ि नशा एक मनुष्य के परिवार को भी नाश कर देता है। युवा नशा से दूर रहे,अच्छे विचारों और संस्कारों को ग्रहण करें।

संक्षिप्त खबरें

संभू ईशर-गवरा शौर्य सृजन की लोक गाथा पुस्तक का विमोचन

विश्व केसरी

रायपुर। गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति के युवा सदस्य तिरुमाल धर्मपाल ने समाज के एक लोक संस्कृति पर आधारित पुस्तक का लेखन किया है। इस पुस्तक का शीर्षक संभू ईश्वर-गवरा शौर्य सृजन की लोक गाथा है, जिसमें लेखक ने शोध आधारित कार्य करते हुए लोग जीवन और सांस्कृतिक विरासत को उतारने का प्रयास किया है। चित्रों के माध्यम से भी पुस्तक में विश्लेषण को सत्यापित करने की बेहतर कोशिश की गई है रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभान ध्रुव एवं तिरुमाल धर्मपाल ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताया कि यह पुस्तक इतिहास की साक्षी है। करोड़ वर्ष पहले इस धरती को गोंडवाना के नाम से जाना जाता था। इसके परिपेक्ष में यह पुस्तक में कई चर्चाएं रेखांकित की गई है। प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभान ने कहा कि 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस है। इसके परिपेक्ष में बृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी की जा रही है इसके अलावा 28 अगस्त को भोजली महोत्सव 2026 मनाया जाएगा। इस त्यौहार को लेकर के भी व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है।

डीसीपी के गनमैन ने जहर पीकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस -

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी के अमलीडीह स्थित पुलिस कॉलोनी में पदस्थ एक आरक्षक (कांस्टेबल) ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान कुलदीप मिश्रा के रूप में हुई है, जो पुलिस लाइन रायपुर में तैनात थे और DCP के गनमैन के रूप में कार्यरत थे। घटना के बाद न्यू राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। न्यू राजेंद्र नगर एसीपी नवनीत पाटिल के अनुसार, 1 अगस्त की देर रात आरक्षक कुलदीप मिश्रा द्वारा कथित रूप से सल्फास का सेवन करने की सूचना मिली थी। जहर का सेवन करने के बाद जब तबीयत बिगड़ने लगी, तब कुलदीप ने फोन कर अपने एक साथी आरक्षक को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजनों और पुलिस की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। फिलहाल आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामले में मर्ग क्रमांक 38/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खाना नहीं मिला तो टावर पर चढ़ा युवक

विश्व केसरी

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां अंडा खाने को नहीं मिलने से नाराज एक युवक गांव में लगे एयरटेल के मोबाइल टावर पर चढ़ गया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

यह पूरा मामला लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमगला का है। इसी गांव में रहने रहने वाले शिव शंकर (पिता शुकुल) को रोज अंडा खाने की आदत है। घटना के दिन जब उसे अंडा नहीं मिला, तो वह गुस्से में आकर टावर पर चढ़ गया। इस हाई वोल्टेज ड्रामे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

समझाइश के बाद उतरा नीचे

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीण और पुलिस पहुंची। काफी देर तक चली समझाइश और मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। परिजनों के अनुसार, युवक मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है।

भोरमदेव पदयात्रा आज से, 18 किलोमीटर आस्था पथ पर उमड़ेगा शिवभक्तों का जनसैलाब

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। सावन मास के प्रथम सोमवार 3 अगस्त को कबीरधाम जिले की ऐतिहासिक और जनआस्था से जुड़ी भोरमदेव पदयात्रा सुबह 7 बजे बूढ़ा महादेव मंदिर से प्रारंभ होगी। 18 किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में हजारों शिवभक्त भगवान भोरमदेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पैदल यात्रा करेंगे। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिले के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों, गणमान्य नागरिकों तथा जिले में पूर्व में सेवाएं दे चुके वरिष्ठ अधिकारियों को भी पदयात्रा में शामिल होने का आमंत्रण दिया है। प्रशासन का उद्देश्य इस धार्मिक आयोजन को जनसहभागिता और सुव्यवस्थित प्रबंधन के साथ संपन्न कराना है।

वर्ष 2008 से प्रशासन और आमजन के सहयोग से आयोजित हो रही यह पदयात्रा अब जिले की पहचान बन चुकी है। हर वर्ष सावन के प्रथम सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर-हर महादेव और बोलबम के जयघोष के साथ बूढ़ा महादेव मंदिर से भोरमदेव मंदिर तक पदयात्रा करते हैं। इस वर्ष भी पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह का माहौल रहेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पदयात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों—समनापुर, बरपेलाटोला, कोडार, राजानवागांव, बाघुटोला, छपरी (गौशाला) तथा भोरमदेव मंदिर परिसर में शीतल पेयजल और जलपान की विशेष व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग की चलित एम्बुलेंस पूरी पदयात्रा के दौरान साथ चलेगी, जबकि मेडिकल बूथों में स्वास्थ्य परीक्षण और प्राथमिक उपचार की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। मंदिर परिसर के आसपास कांवरियों के ठहरने के लिए विश्रामालय तैयार किए गए हैं, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पदयात्रा पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं की वापसी के लिए भोरमदेव से कवर्धा तक निःशुल्क बस सेवा संचालित की जाएगी। सुरक्षा की दृष्टि से समनापुर से चौरा मार्ग होते हुए भोरमदेव तक सुबह से दोपहर तक चारपहिया वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ई. राघवेंद्र राव की 137वीं जयंती पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार, बिलासपुर द्वारा महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ई. राघवेंद्र राव की 137वीं जयंती के शुभ अवसर पर जनसेवा के भाव से एक दिवसीय विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 'सखी निवास', सरस्वती होम्स, सीपत रोड बिलासपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी गणेश शंकर मिश्रा उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में बिलासपुर विधायक सुशांत शुक्ला, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संगठन के अध्यक्ष मुरली मनोहर खंडेलवाल, पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश वाजपेयी, वरिष्ठ नेता श्री शिवा मिश्रा, कवर्धा जिला अध्यक्ष डॉ. नरेश यदु एवं कार्यक्रम की आयोजक पूर्व महापौर वाणी राव मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

महान सेनानी के आदर्शों को याद किया गया

मुख्य अतिथि गणेश शंकर मिश्रा ने ई. राघवेंद्र राव जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। अपने संबोधन में मिश्रा ने कहा, 'ई. राघवेंद्र राव जी का जीवन राष्ट्रसेवा, स्वाभिमान और जन-कल्याण का एक अनुपम उदाहरण है। उनकी जयंती पर इस प्रकार का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे आयोजनों से समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचती हैं।

इन विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी नि:शुल्क परामर्श व सेवाएं

शिविर में नेत्र रोग, अस्थि रोग, जनरल सर्जरी, मानसिक रोग, मेडिसिन, स्त्री रोग, शिशु रोग, नाक-कान-गला एवं डाइटिशियन विशेषज्ञों सहित आयुष विभाग के डॉक्टरों (डॉ. एल.सी. मढ़ारिया, डॉ. विनोद तिवारी, डॉ. आर.ए. शर्मा, डॉ. आशुतोष तिवारी, डॉ. चंद्र किरण तिवारी, डॉ. राजेश्वरी उद्देश, डॉ. घनश्याम गंगवानी, डॉ. कासिम खान, डॉ. कुसुम राजपूत, डॉ. यशवंत सिंह आदि) ने सैकड़ों मरीजों की नि:शुल्क जांच कर उन्हें उचित परामर्श एवं दवाइयां वितरित कीं।

3 साल से गैरहाजिर प्रधान पाठक बर्खास्त, 11 साल गायब कर्मचारी को डीईओ ने दी ज्वाइनिंग

विश्व केसरी

सारंगढ़ (राकेश सोनी। छत्तीसगढ़ के शिक्षा विभाग में जिलों के हिसाब से अलग-अलग नियम चल रहे हैं। सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 3 साल से गैरहाजिर प्रधान पाठक को बर्खास्त कर दिया गया, वहीं कोरबा में 11 साल से गायब रहे भृत्य को छ्वश्वह्र ने खुद ज्वाइनिंग दे दी। इतिहास

एक ही तरह के मामलों में पूरी तरह उलट कार्रवाई से विभाग के अफसरों का मनमाना रवैया और नियमों की अनदेखी साफ दिख रही है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ - 3 साल गायब प्रधान पाठक बर्खास्त

शासकीय प्राथमिक शाला बेंदरापारा के प्रधान पाठक आत्माराम चौहान को लगातार तीन वर्षों तक बिना अनुमति अनुपस्थित रहने के मामले में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देशन और लोक शिक्षण संचालनालय, रायपुर के निर्देशों के तहत की गई। जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर. डहरिया द्वारा कराई गई विभागीय जांच में आरोपों की पुष्टि हुई।

नोटिस के बाद भी नहीं मिला संतोषजनक जवाब

जांच के दौरान सामने आया कि संबंधित प्रधान पाठक बिना अनुमति लंबे समय से अनुपस्थित थे, जिससे स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के बाद भी उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद नियमानुसार उनकी सेवा समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया गया। छ्वश्वह्र ने कहा है कि शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर आगे भी कठोर कार्रवाई होगी।

अचानकमार टाइगर के गांवों में मलेरिया का संक्रमण स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमें पहुंची

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) क्षेत्र के कई गांवों में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों में मलेरिया नियंत्रण, समय पर उपचार और संक्रमण की रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमें लगातार गांवों का दौरा कर हालात का जायजा ले रही हैं। वहीं डोर-टू-डोर सर्वे और स्वास्थ्य टीम के माध्यम से मरीजों को तत्काल राहत एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

एडीएम निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तिलईडबरा, बहाउड़, सारसडोल, जमुनाही, अतरियाखार और राजक गांवों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सर्वे कार्य और उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए कि प्रत्येक मरीज तक समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार पहुंचे और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सभी मलेरिया पीड़ित मरीजों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। गंभीर मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है, जबकि अन्य मरीजों की नियमित स्वास्थ्य जांच और निगरानी की जा रही है, ताकि उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिल सके। प्रभावित गांवों में विशेष स्वास्थ्य प्रबंधन और निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों और मितानिनों द्वारा घर-घर पहुंचकर बुखार से पीड़ित लोगों की पहचान की जा रही है। संदिग्ध मरीजों की तत्काल जांच कर उपचार शुरू किया जा रहा है।

सभी प्रभावित गांवों में रैपिड डायग्नोस्टिक (आरडी) किट और आवश्यक मलेरिया रोधी दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है। यह सामग्री मितानिनों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के पास मौजूद है, जिससे मौके पर ही जांच कर मरीजों का उपचार शुरू किया जा सके। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि हर मरीज तक समय पर उपचार पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने उद्योगों के लिए आवश्यक कोयला, माल राजस्व में दर्ज की सतत वृद्धि

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने जुलाई 2026 के दौरान माल लदान एवं माल राजस्व दोनों में सतत वृद्धि दर्ज करते हुए उत्कृष्ट माल परिवहन प्रदर्शन जारी रखा है। साथ ही, रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं उनकी बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए विभिन्न अवसरों पर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन भी किया जा रहा है। इस प्रकार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे माल परिवहन के साथ-साथ यात्री सेवाओं को भी निरंतर सुदृढ़ करते हुए देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जुलाई 2026 के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 21.53 मिलियन टन माल का लदान किया। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में मासिक माल लदान में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो परिचालन दक्षता, ग्राहक-केंद्रित माल सेवाओं तथा विश्वसनीय लॉजिस्टिक व्यवस्था का परिचायक है। 31 जुलाई 2026 तक संचयी आधार पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 87.56 मिलियन टन माल का लदान किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2.66 प्रतिशत अधिक है। जुलाई 2026 के दौरान माल राजस्व ?2,636.58 करोड़ रहा, जिसमें 4.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं 31 जुलाई 2026 तक संचयी माल राजस्व ?10,490.77 करोड़ रहा, जो रेलवे के निरंतर सुदृढ़ माल परिवहन प्रदर्शन को दर्शाता है।

मार्केट आउटलुकः आरबीआई एमपीसी, तिमाही नतीजे और अमेरिका-ईरान युद्ध से तय होगा शेयर बाजार का रुझान

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई-एमपीसी) की बैठक, अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता पर नई अपडेट, विदेशी निवेशकों की खरीदारी और तिमाही नतीजों से शेयर बाजार की चाल तय होगी।

आरबीआई-एमपीसी की बैठक 3-5 अगस्त, 2026 के बीच प्रस्तावित है। इसके फैसलों का ऐलान बैठक के अंतिम दिन आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की ओर से किया जाएगा। इसमें रेपो रेट की समीक्षा की जाएगी, जो कि फिलहाल 5.25 प्रतिशत पर है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता भी बाजार के लिए अहम होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान और अन्य मध्य पूर्व देशों की ओर से अपील के बाद अमेरिकी सेना अपने हमलों को रोक रही है।

साथ ही कहा कि वे ईरान पर नया हमला करने से तब तक रुकेंगे, जब तक ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को रोकने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए कोई समझौता जल्दी नहीं हो जाता।

3-7 अगस्त के कारोबारी सत्र में बिरलाकेबल, ब्लूजेट, सीएएमएस, इरडा, मोबीक्विक, पीएनसी, एसबीआईफंड्स, भारती एयरटेल, कल्याण ज्वेलर्स, मैपमायइंडिया, ओएनजीसी, नायका, पीएनबी हाउसिंग, यूबीएल, टाटा इन्वेस्ट, बीकाजी, बायकॉन, एचटी मीडिया और जेके लक्ष्मी सीमेंट जैसी कंपनियां वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी करेंगी।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता काफी मुनाफे वाला रहा। सेंसेक्स 2,034.87 अंक या 2.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,094.64 और निफ्टी 616.15 अंक या 2.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,383.60 पर था।

इस दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप का प्रदर्शन भी मजबूत रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,292.95 अंक या 2.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 62,915.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 464.70 अंक या 2.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,339.65 पर था। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 6.75 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर पहली तिमाही में 7 प्रतिशत रह सकती है, बेहतर व्यापक आर्थिक स्थिति का मिलेगा फायदा : रिपोर्ट

नई दिल्ली। बेहतर होते व्यापक आर्थिक हालात के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7 प्रतिशत रह सकती है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी पिछली तीन मौद्रिक नीति समीक्षाओं में पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति को देखते हुए वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था। एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'अब हमारा मानना है कि परिस्थितियां बदल चुकी हैं और पहली तिमाही की वृद्धि दर अनुमान से कहीं बेहतर रह सकती है।

दूसरी ओर, अप्रैल 2026 तक आयातित महंगाई नियंत्रित रही, क्योंकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर पेट्रोल और डीजल की कीमतों के माध्यम से भारतीय उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा।

रिपोर्ट में कहा गया, 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई की दिशा अगले दो तिमाहियों में 5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। हालांकि, पहली तिमाही में महंगाई दर 3.9 प्रतिशत रही। पूरे वित्त वर्ष 27 के लिए महंगाई का अनुमान फिलहाल 5 प्रतिशत है, जो आरबीआई के निर्धारित लक्ष्य दायरे के भीतर है।'

जून में धीमी शुरुआत और 40 प्रतिशत वर्षा की कमी के बावजूद जुलाई में हुई अच्छी बारिश से देशभर में कुल वर्षा की कमी घटकर लगभग 13 प्रतिशत रह गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे कुछ खाद्यान्न उत्पादक राज्यों को छोड़कर जुलाई में लगभग सभी राज्यों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। जुलाई खरीफ बुवाई का सबसे महत्वपूर्ण महीना माना जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दूसरे चरण (अगस्त-सितंबर) के दौरान देश में सामान्य से कम (दीर्घकालिक औसत का 94 प्रतिशत से कम) वर्षा होने का अनुमान जताया है।'

इसके अतिरिक्त, जून के मध्य से एल नीनो प्रभाव शुरू हो चुका है और यह लगातार मजबूत हो रहा है। आने वाले महीनों में इसके और तीव्र होने की संभावना है।

भारत का कोयला उत्पादन जुलाई में 7.5 प्रतिशत बढ़कर 69.75 मिलियन टन रहा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का कोयला उत्पादन जुलाई 2026 में सालाना आधार पर 7.51 प्रतिशत बढ़कर 69.75 मिलियन टन (प्रोविजनल) हो गया। इस वृद्धि में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अधिक उत्पादन और पूरे क्षेत्र में लगातार दर्ज की गई बढ़ोतरी का अहम योगदान रहा। यह जानकारी केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने रविवार को दी।

मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, जुलाई 2025 में देश का कोयला उत्पादन 64.88 मिलियन टन था।

जुलाई के दौरान कोयले का डिस्पैच भी बेहतर रहा और यह सालाना आधार पर 17.34 प्रतिशत बढ़कर 86.33 मिलियन टन (प्रोविजनल) पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 73.57 मिलियन टन था।

मंत्रालय ने कहा कि उत्पादन और डिस्पैच में लगातार हो रही वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि वह देश में कोयले की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने और पूरे क्षेत्र में परिचालन दक्षता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में देश का संचयी कोयला उत्पादन 302.24 मिलियन टन (प्रोविजनल) रहा, जबकि संचयी कोयला डिस्पैच 354.70 मिलियन टन (प्रोविजनल) दर्ज किया गया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 5.87 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। देश के कुल उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का रहा। कंपनी ने जुलाई में 50.35 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.42 प्रतिशत अधिक है। वहीं, कंपनी ने जुलाई के दौरान 63.67 मिलियन टन कोयले का डिस्पैच किया, जो जुलाई 2025 की तुलना में 17.43 प्रतिशत ज्यादा रहा। वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जुलाई अवधि में सीआईएल का संचयी कोयला डिस्पैच भी पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 6.81 प्रतिशत बढ़ा।

कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र में विकास की गति बनाए रखने, कोयले की उपलब्धता बढ़ाने और आयात पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्पादन और डिस्पैच में लगातार हो रही वृद्धि देश की आर्थिक प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में कोयला क्षेत्र की अहम भूमिका को और सुदृढ़ करती है।

रिन्यूएबल एनर्जी बढ़ने से देश के पावर मिक्स में कोयले की घटी हिस्सेदारी, जुलाई में एक साल के निचले स्तर पर पहुंची

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के बिजली उत्पादन में जुलाई में कोयले की हिस्सेदारी गिरकर एक साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई। इसकी वजह रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचना है। यह देश की बढ़ती क्लीन-एनर्जी क्षमता को दिखाता है।

सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि जुलाई में भारत के बिजली उत्पादन में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत थी। इस दौरान देश की बिजली खपत भी मजबूत बनी हुई थी।

जुलाई में रिन्यूएबल बिजली का उत्पादन सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 36.25 अरब किलोवाट-घंटे हो गया है, जो अब तक का सबसे अधिक मासिक उत्पादन है।

वहीं, ग्रिड-इंडिया के प्रतिदिन डेटा के आधार पर जुलाई में देश के पावर मिक्स में कोयले का योगदान जून के 69 प्रतिशत से घटकर 65.7 प्रतिशत रह गया।

रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन में यह बढ़ोतरी सोलर और विंड पावर के तेजी से विस्तार के बीच हुई है।

सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि 13 जुलाई को सोलर और विंड एनर्जी से कुल बिजली उत्पादन पहली बार 100-गीगावाट के आंकड़े को पार कर गया और भारत की कुल बिजली जरूरत का रिकॉर्ड 42.8 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं स्रोतों से पूरा हुआ।

जानकारों का कहना है कि सोलर पावर की बढ़ती भूमिका दिन के समय बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद कर रही है।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के विश्लेषक मनोज कुमार ने कहा, 'बिजली की सबसे अधिक मांग दिन के समय होती है, जब सोलर पावर का योगदान अधिक होता है। '

कुल बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी कम होने के बावजूद, जुलाई में कोयले से चलने वाले प्लांट से बिजली उत्पादन सालाना आधार पर 12.8 प्रतिशत बढ़कर 119.40 बिलियन किलोवाट प्रति घंटा हो गया। इसकी वजह बिजली की मजबूत मांग और हाइड्रोपावर की कम उपलब्धता थी।

जानकारों का मानना ??है कि कोयले से बिजली का अधिक उत्पादन इसलिए हुआ क्योंकि हाइड्रोपावर (जल-विद्युत) का उत्पादन कम रहा और 'अल नीनो' का असर दिखा। अल नीनो की वजह से तापमान सामान्य से ज्यादा रहा और कूलिंग के लिए बिजली की मांग बढ़ गई, खासकर रात के समय जब सोलर पावर उपलब्ध नहीं होती है।

अल नीनो की वजह से बारिश कम हुई, जिससे पानी की उपलब्धता पर असर पड़ा और लगातार दूसरे महीने हाइड्रोपावर उत्पादन में गिरावट आई।

आंकड़ों के मुताबिक, बिजली उत्पादन में हाइड्रोपावर का हिस्सा घटकर 22.1 प्रतिशत रह गया।

देश की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का मार्केटकैप 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

विश्व केसरी ■

मुंबई । देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का बाजार मूल्यांकन बीते हफ्ते 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसकी वजह इक्विटी बाजार में मजबूत रैली थी।

27-31 जुलाई के कारोबारी सत्र में जिन कंपनियों के मार्केटकैप में बढ़ोतरी हुई है उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, लाइफ कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का नाम शामिल है।

इस दौरान केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर के ही मार्केट कैप में ही गिरावट आई।

बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी का मार्केट कैप 80,345.97 करोड़ रुपए बढ़कर 7,10,817.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

यह तेजी कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 की जून तिमाही में समेकित कर-पश्चात लाभ में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करने के बाद आई। इसके चलते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 8 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए।

भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 44,959.50 करोड़ रुपए बढ़कर 12,30,005.63 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, टीसीएस के मार्केट कैप में 40,414.03 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 8,55,894.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी मजबूत बढ़त दर्ज की। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 39,447.35 करोड़ रुपए बढ़कर 17,69,108.79 करोड़ रुपए हो गया।

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 21,096.80 करोड़ रुपए बढ़कर 5,41,844.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 10,845.97 करोड़ रुपए बढ़कर 9,47,799.81 करोड़ रुपए हो गया।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,164.73 करोड़ रुपए बढ़कर 11,52,150.63 करोड़ रुपए हो गया।

एलआईसी का मार्केट कैप 4,427.49 करोड़ रुपए बढ़कर 5,37,435.05 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 1,660.37 करोड़ रुपए बढ़कर 10,29,878.30 करोड़ रुपए हो गया।

इसके विपरीत, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 10,326.46 करोड़ रुपए घटकर 4,93,602.13 करोड़ रुपए रह गया। यह बीते हफ्ते शीर्ष 10 में एकमात्र कंपनी थी।

क्या आपको 31 जुलाई तक आईटीआर दाखिल करना जरूरी था? जानिए किन टैक्सपेयर्स पर लागू नहीं होती यह डेडलाइन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की 31 जुलाई की समयसीमा खत्म हो चुकी है और अंतिम दिन बड़ी संख्या में करदाताओं ने रिटर्न दाखिल किया। हालांकि, हर टैक्सपेयर के लिए 31 जुलाई आखिरी तारीख नहीं थी। आयकर विभाग के नियमों के अनुसार, आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि इस बात पर निर्भर करती है कि करदाता की आय का स्रोत क्या है और उसे कौन-सा आईटीआर फॉर्म भरना है।

आयकर विभाग ने बताया कि आकलन वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए 31 जुलाई तक 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। इनमें से 40 लाख से ज्यादा रिटर्न केवल अंतिम दिन दाखिल हुए। विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर करदाताओं का समय पर टैक्स अनुपालन करने के लिए आभार जताते हुए कहा कि उनका सहयोग देश की आर्थिक प्रगति को गति देता है।

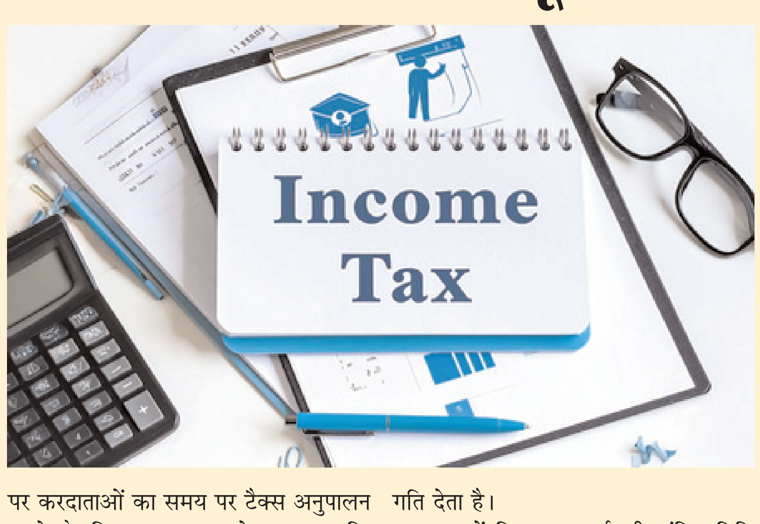

बता दें कि 31 जुलाई की अंतिम तिथि मुख्य रूप से वेतनभोगी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उन व्यक्तियों के लिए थी, जिनकी आय वेतन, मकान, ब्याज या कैपिटल गेन जैसे स्रोतों से होती है। ऐसे करदाता आमतौर पर आईटीआर-1 या आईटीआर-2 फॉर्म के तहत रिटर्न दाखिल करते हैं। समय पर रिटर्न दाखिल करने से पेनल्टी से बचाव होता है और रिफंड मिलने की प्रक्रिया भी तेज रहती है।

लेकिन जिन व्यक्तियों की आय व्यवसाय (बिजनेस) या पेशे से होती है और जिनके खातों का टैक्स ऑडिट आवश्यक नहीं है, उन्हें रिटर्न दाखिल करने के लिए 31 अगस्त तक का समय दिया गया है। इस श्रेणी में फ्रीलांसर, कंसल्टेंट, छोटे कारोबारी और कई प्रोफेशनल्स शामिल हैं, जो सामान्यतः आईटीआर-3 या आईटीआर-4 फॉर्म भरते हैं।

भारत अमेरिका को पछाड़ दुनिया का दूसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला सोलर एनर्जी मार्केट बना

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में स्थापित सोलर एनर्जी क्षमता 2014 में सिर्फ 3 गीगावाट से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 162.15 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई है, जो देश में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दिखाता है। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई।

सरकारी फैक्टशीट में कहा गया है कि देश ने 2025 में 37 गीगावाट सोलर क्षमता जोड़ी, जिससे सालाना क्षमता बढ़ोतरी के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर ग्रोथ मार्केट बन गया।

सोलर सेक्टर में सबसे अहम बदलावों में से एक पिछले दशक में बिजली की दरों में आई कमी है। यह 'ई-रिवर्स ऑक्शन' सिस्टम के जरिए हुई बोली की वजह से हुआ, जिसमें कंपनियां सबसे कम दर पर बिजली आपूर्ति करने के लिए मुकाबला करती हैं। जैसे-जैसे अधिक डेवलपर्स ने हिस्सा लिया, दरें 2010 में लगभग 18 रुपए प्रति यूनिट से घटकर 2.44 रुपए प्रति यूनिट के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गईं।

दरों में कमी ने सोलर पावर को काफी सस्ता बना दिया है। इसके चलते, भारत दुनिया के सबसे कम लागत वाले सोलर पावर मार्केट में से एक बनकर उभरा है। 2025 में, यूटिलिटी-स्केल सोलर पीवी से बिजली की 'लेवेलाइज्ड कॉस्ट ऑफ इलेक्ट्रिसिटी' (एलसीओई) 35 डॉलर प्रति मेगावाट थी, जो 44 डॉलर प्रति मेगावाट के ग्लोबल औसत से काफी कम है।

31 जुलाई, 2026 को 'प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना' (पीएम-एसएसवाई) को मंजूरी मिलने से भारत के सोलर सेक्टर को बड़ा बढ़ावा मिला है। इस योजना का मकसद 'एनर्जी स्टोरेज सिस्टम' (ईएसएस) के साथ 5,000 मेगावाट के 'फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक' (एफएसपीवी) प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करना है। कम से कम दो घंटे (10,000 मेगावाट) की स्टोरेज क्षमता वाला ईएसएस राज्यों को पीक डिमांड को मैनेज करने में और मदद करेगा। मौजूदा जलाशयों और इंडस्ट्रियल तालाबों का इस्तेमाल करके, यह योजना जमीन जैसे सीमित संसाधनों पर दबाव कम करेगी। यह इंटीग्रेटेड एनर्जी स्टोरेज के जरिए ग्रिड की विश्वसनीयता को भी बेहतर बनाएगी। 5,070 करोड़ रुपए के बजट के साथ, यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू की जाएगी। भारत में बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स की स्थापित क्षमता 118.79 गीगावाट है। कुछ बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स में भादला सोलर पार्क (राजस्थान), पावगाडा सोलर पार्क (कर्नाटक) और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क (मध्य प्रदेश) शामिल हैं। इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर सिस्टम से 27.88 गीगावाट की क्षमता मिलती है। बाकी क्षमता हाइब्रिड सोलर प्रोजेक्ट्स और ऑफ-ग्रिड सोलर सिस्टम से आती है। हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स में सोलर पावर के साथ बैटरी स्टोरेज या दूसरे पावर सोर्स का इस्तेमाल होता है।

सावन में शिव मंदिर की फोटो चाहिए सबसे खूबसूरत? ये आसान टिप्स आएंगे आपके बहुत काम, सोशल मीडिया पर छा जाएंगे आप

सावन में शिव मंदिर की शानदार फोटो के लिए सही एंगल, सुबह की प्राकृतिक रोशनी, सादगी भरा लुक और साफ कैमरा लेंस सबसे जरूरी हैं. तस्वीर लेते समय मंदिर की मर्यादा और दूसरे श्रद्धालुओं की सुविधा का सम्मान करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है.

सावन का महीना आते ही देशभर के शिव मंदिर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठते हैं. इस पवित्र माह में लाखों श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं और इस खास पल को तस्वीरों में भी सहेजना चाहते हैं. सोशल मीडिया के दौर में Instagram, Facebook और WhatsApp स्टेटस पर सावन की फोटो शेयर करना भी लोगों की पसंद बन चुका है. हालांकि, अच्छी तस्वीर लेने की चाह में कई बार लोग मंदिर की मर्यादा और दूसरे श्रद्धालुओं की सुविधा भूल जाते हैं.

अगर आप भी इस सावन शिव मंदिर में ऐसी फोटो क्लिक करना चाहते हैं, जो देखने में खूबसूरत हो, स्वाभाविक लगे और सोशल मीडिया पर भी तारीफ बटोरे, तो कुछ आसान बातों का ध्यान रखना काफी है. सही एंगल, बेहतर रोशनी और सादगी आपकी तस्वीर को खास बना सकती है.

शिव मंदिर में फोटो लेते समय रखें संतुलन

शिव मंदिर सिर्फ घूमने या फोटोशूट की जगह नहीं, बल्कि आस्था का केंद्र है. इसलिए तस्वीर लेते समय सबसे पहले मंदिर के नियमों और वहां मौजूद श्रद्धालुओं का सम्मान करें।

यदि किसी मंदिर में फोटोग्राफी की अनुमति नहीं है, तो नियमों का पालन करना ही सही रहेगा. वहीं जहां फोटो लेना संभव हो, वहां भी भीड़ या पूजा में बाधा न डालें.

अच्छी फोटो के लिए कैमरे का एंगल सबसे ज्यादा मायने रखता है. कोशिश करें कि भगवान शिव की प्रतिमा, मंदिर का शिखर या घंटियां बैकग्राउंड में साफ नजर आएं. कैमरे को थोड़ा साइड एंगल से रखने पर फोटो अधिक संतुलित और नेचुरल दिखाई देती है. बहुत ज्यादा क्लोज सेल्फी लेने के बजाय आसपास का आध्यात्मिक माहौल भी फ्रेम में शामिल करें.

सुबह की रोशनी बनाएगी तस्वीर को खास

नेचुरल लाइट देती है बेहतर रिजल्ट

फोटोग्राफी के शौकीन भी मानते हैं कि सुबह की हल्की धूप सबसे बेहतरीन रोशनी देती है. अगर आप सुबह दर्शन के लिए जाते हैं, तो बिना ज्यादा फिल्टर के भी तस्वीर साफ और आकर्षक आती है. दोपहर की तेज धूप या बहुत कम रोशनी में फोटो लेने से चेहरे पर शैडो आ सकती है, जिससे तस्वीर का असर कम हो जाता है.

सिंपल लुक से बढ़ेगी तस्वीर की खूबसूरती

सावन का माहौल सादगी और भक्ति से जुड़ा होता है. ऐसे में हल्के रंग के कपड़े, पारंपरिक पहनावा या साधारण लुक तस्वीर को ज्यादा सुंदर बनाते हैं. जरूरत से ज्यादा स्टाइलिश पोज देने के बजाय सामान्य मुस्कान और सहज भाव रखें. ऐसी तस्वीरें अधिक वास्तविक और आकर्षक लगती हैं.

कैमरे की छोटी तैयारी बदल सकती है पूरी फोटो

लेंस साफ करें और सही मोड चुनें

अक्सर लोग फोटो लेने से पहले मोबाइल कैमरे का लेंस साफ करना भूल जाते हैं. इससे तस्वीर धुंधली दिखाई दे सकती है. फोटो क्लिक करने से पहले मुलायम कपड़े से लेंस साफ कर लें. यदि आपके स्मार्टफोन में HDR या Portrait Mode का विकल्प है, तो जरूरत के अनुसार उसका इस्तेमाल करें. इससे फोटो की डिटेल और क्वालिटी बेहतर नजर आती है।

मसूरी में है असली 'मुसाफिर कैफे', Photos देखकर तुरंत बना लेंगे घूमने का प्लान

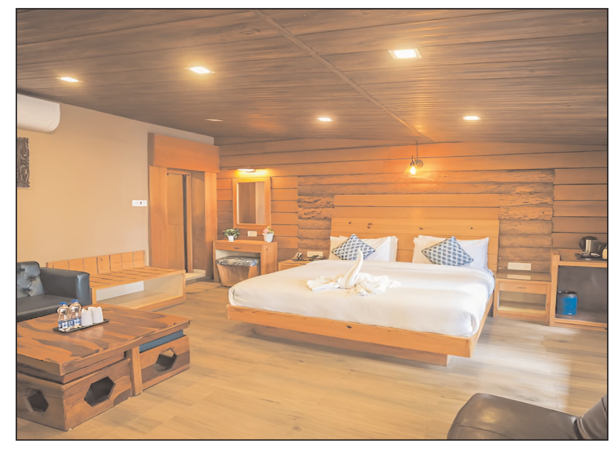

हाल ही में नेटफ्लिक्स पर 'मुसाफिर कैफे' नामक वेबसीरीज रिलीज हुई है. इसमें नजर आया 'मुसाफिर कैफे' कोई नकली सेट नहीं, बल्कि मसूरी की हसीन वादियों में बसा असली होमस्टे है! इसका नाम 'झरीपानी कैसल' है. ब्रिटिश दौर के इस हेरिटेज रिजॉर्ट में स्टे करने का ऑप्शन भी उपलब्ध है. जानिए इसकी सही लोकेशन, एक रात का किराया और 6 सबसे शानदार हाईलाइट्स.

इन दिनों 'मुसाफिर कैफे' नामक वेबसीरीज काफी चर्चा में है. अगर इसे देखकर आपके मन में भी यह ख्याल आया था कि काश ऐसी किसी खूबसूरत जगह पर जाने और रुकने का मौका मिलता तो आपके लिए खुशखबरी है! स्क्रीन पर नजर आने वाला 'मुसाफिर कैफे' कोई आर्टिफिशियल स्टूडियो सेट नहीं, बल्कि मसूरी की हसीन वादियों में स्थित असली 'झरीपानी कैसल' है. ब्रिटिश काल का यह ऐतिहासिक और हेरिटेज रिजॉर्ट देवदार के घने जंगलों और पहाड़ों के शांत वातावरण के बीच बसा हुआ है. यह 1932 में बनाया गया था.

अगर आप भी अपनी रोजमर्रा की भागदौड़ से ब्रेक लेकर पहाड़ों में सुकून के कुछ पल बिताना चाहते हैं तो 'झरीपानी कैसल' परफेक्ट डेस्टिनेशन है. खास बात है कि यहां जाकर न केवल 'मुसाफिर कैफे' वाले माहौल में चाय-कॉफी का लुत्फ उठा सकते हैं, बल्कि रात में स्टे भी कर सकते हैं. ब्रिटिश आर्किटेक्चर, पुराने स्टाइल का फर्नीचर और चारों तरफ फैली हरियाली इसे बेहद खास बनाती है. जानिए मसूरी के 'झरीपानी कैसल' की खासियतें और यहां रुकने का एक रात का खर्च कितना आता है.

परदे पर दिखने वाला 'मुसाफिर कैफे' असल में उत्तराखंड के मसूरी का ऐतिहासिक Jharipani Castle है. यह 150 साल से भी ज्यादा पुराना रॉयल हेरिटेज रिजॉर्ट है. शूटिंग के लिए किसी नकली सेट के बजाय इसी असली और खूबसूरत प्रॉपर्टी का इस्तेमाल किया गया था. आज भी पर्यटक आसानी से यहां जाकर ठहर सकते हैं.

झरीपानी कैसल मसूरी के मुख्य मॉल रोड की भीड़भाड़ से लगभग 6-7 किलोमीटर पहले 'झरीपानी' नाम की बेहद शांत और हरी-भरी पहाड़ी पर स्थित है. यहां से दून वैली (देहरादून घाटी) और ऊंचे पहाड़ों का बेहद शानदार नजारा दिखता है. शाम के वक्त यहां से दिखने वाला सनसेट आपका दिल जीत लेगा.

झरीपानी कैसल का इंटीरियर और एक्सटीरियर आज भी ब्रिटिश जमाने की याद दिलाता है. लकड़ी की बनी ऊंची छतें, विंटेज फायरप्लेस, पुरानी पेंटिंग्स और नक्काशीदार एंटीक फर्नीचर इस जगह को बेहद रॉयल और कोजी लुक देते हैं. यही वजह है कि यह कैमरा-फ्रेंडली होने के साथ-साथ परफेक्ट शूटिंग लोकेशन भी है.

रिजॉर्ट के अंदर ही इन-हाउस रेस्टोरेंट और कैफे एरिया है, जहां बैठकर ताजा बनी पहाड़ी चाय, कॉफी और कॉन्टिनेंटल डिशेज का मजा ले सकते हैं. यहां का खाना एकदम होम-स्टाइल और फ्रेश होता है. खुले गार्डन में बैठकर चाय पीना आपको बिल्कुल 'मुसाफिर कैफे' की याद दिलाता है।

घर के गमले में उगाएं अजवाइन का पौधा, पेट दर्द से लेकर गैस तक में आएगा काम, जानें आसान तरीका

घर में अजवाइन का पौधा आसानी से उगाने का सही तरीका जानिए. मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव और उद्यान विशेषज्ञ पवन सिंह के अनुसार अजवाइन न केवल रसोई का मसाला है, बल्कि औषधीय गुणों से भरपूर पौधा भी है. जानिए गमले में मिट्टी तैयार करने की सही विधि, बीजों की बुवाई, सिंचाई और धूप का प्रबंधन. इसके साथ ही समझें पाचन तंत्र सुधारने, गैस, अपच और सर्दी-जुकाम से राहत पाने के लिए अजवाइन की पत्तियों और बीजों के बेहतरीन इस्तेमाल के घरेलू नुस्खे.

मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर में कार्यरत आयुर्वेद चिकित्सक डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव लोकल 18 को बताते हैं कि अजवाइन केवल मसाले के रूप में ही नहीं बल्कि औषधीय गुणों से भरपूर पौधा भी है. इसे घर के गमले में आसानी से उगाया जा सकता है. इसकी पत्तियां और बीज दोनों उपयोगी होते हैं. यह पाचन सुधारने, गैस और पेट दर्द में राहत देता है. घर में लगाने का फायदा यह होता है कि अजवाइन का पौधा होने से जरूरत पड़ने पर ताजी पत्तियां तुरंत मिल जाती हैं.

उद्यान विशेषज्ञ पवन सिंह बताते हैं कि अजवाइन लगाने के लिए आठ से दस इंच गहरा गमला लेना चाहिए. जिसमें पानी निकलने का सही प्रबंध होना चाहिए. इसमें जो भी मिट्टी डालें उसमें दो भाग बगीचे की मिट्टी, एक भाग गोबर की सड़ी खाद और एक भाग रेत मिलाना चाहिए।

रोज एक जैसी सब्जी खाकर हो गए हैं बोर, बनाइए राजस्थान की खास रेसिपी सेव भाजी, जानिये बनाने का तरीका

राजस्थान की पारंपरिक रेसिपियों में सेव की सब्जी का विशेष स्थान है. यह एक ऐसी स्वादिष्ट और झटपट बनने वाली डिश है, जिसे खासतौर पर तब बनाया जाता है जब घर में हरी सब्जियां उपलब्ध न हों. बेसन से बनी कुरकुरी सेव और मसालेदार ग्रेवी का मेल इस व्यंजन को बेहद खास बनाता है. इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि कम सामग्री में भी यह शानदार स्वाद देती है. आइए जानते हैं राजस्थानी स्टाइल सेव सब्जी बनाने की आसान रेसिपी.

आवश्यक सामग्री

मोटी सेव – 2 कप
दही – 1 कप
टमाटर – 2 (बारीक कटे हुए)
हरी मिर्च – 2 (कटी हुई)
अदरक – 1 इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)
तेल – 2 बड़े चम्मच
जीरा – 1 छोटा चम्मच
हींग – 1 चुटकी
हल्दी पाउडर – ड्ट छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर – 1 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर – 1 छोटा चम्मच
गरम मसाला – ड्ट छोटा चम्मच
नमक – स्वादानुसार
हरा धनिया – सजावट के लिए
पानी – आवश्यकतानुसार

बनाने की विधि

सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म करें. तेल गर्म होने पर उसमें जीरा और हींग डालें. जब जीरा चटकने लगे तो अदरक और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकंड तक भून लें.

अब कटे हुए टमाटर डालें और उन्हें नरम होने तक पकाएं. इसके बाद हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर मसालों को अच्छी तरह भून लें. जब मसाले से तेल अलग होने लगे, तब समझिए मसाला तैयार है.

एक कटोरे में दही को अच्छी तरह फेंट लें. दही में थोड़ा पानी मिलाकर उसे चिकना कर लें ताकि ग्रेवी में गांठें न बनें. अब गैस की आंच धीमी कर दें और दही को धीरे-धीरे मसाले में मिलाएं. लगातार चलाते रहें ताकि दही फटे नहीं.

इसके बाद आवश्यकतानुसार पानी डालें और ग्रेवी को 5 से 7 मिनट तक उबलने दें. जब ग्रेवी अच्छी तरह पक जाए और उसमें मसालों का स्वाद आ जाए, तब उसमें गरम मसाला डालें.

अब गैस बंद करने से ठीक पहले सेव डालें और हल्के हाथ से मिला दें. यदि आपको सेव थोड़ी कुरकुरी पसंद है तो परोसते समय ही सेव डालें. वहीं, नरम और ग्रेवी में घुली हुई सेव पसंद हो तो 2 से 3 मिनट पहले डालकर ढक दें.

स्वाद बढ़ाने के खास टिप्स

राजस्थानी सेव सब्जी का असली स्वाद हल्की खट्टी दही और मसालेदार ग्रेवी में छिपा होता है. आप चाहें तो इसमें थोड़ा सा कसूरी मेथी भी डाल सकते हैं, जिससे इसकी खुशबू और स्वाद दोनों बढ़ जाते हैं।

बार-बार खराब हो जाता है घर का अचार? जानिए लंबे समय तक सुरक्षित रखने के 5 आसान तरीके

घर के बने अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए साफ और सूखा जार, एयरटाइट ढक्कन, पर्याप्त तेल, धूप से दूरी और नमी से बचाव बेहद जरूरी है. इन आसान उपायों से अचार का स्वाद और गुणवत्ता लंबे समय तक बनी रहती है.

भारतीय रसोई में अचार सिर्फ एक साइड डिश नहीं, बल्कि खाने का स्वाद बढ़ाने वाली खास चीज माना जाता है. आम, नींबू, मिर्च, गाजर या मिक्स वेजिटेबल का अचार लगभग हर घर में बनाया जाता है. कई परिवार आज भी सालभर के लिए अचार तैयार करते हैं, लेकिन अक्सर कुछ छोटी-छोटी गलतियों की वजह से मेहनत बेकार हो जाती है. कभी अचार में फफूंदी लग जाती है, कभी उसका रंग बदलने लगता है और कई बार स्वाद भी बिगड़ जाता है.

अच्छी बात यह है कि अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए किसी महंगे उपाय की जरूरत नहीं होती. सिर्फ सही स्टोरेज, साफ-सफाई और कुछ जरूरी सावधानियां अपनाकर आप अपने घर के बने अचार को महीनों तक ताजा और स्वादिष्ट बनाए रख सकते हैं, अगर आप भी चाहते हैं कि आपका अचार लंबे समय तक खराब न हो और उसका असली स्वाद बना रहे, तो ये 5 आसान टिप्स आपके बहुत काम आने वाले हैं.

अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

घर का बना अचार स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिहाज से भी बेहतर माना जाता है. हालांकि इसकी शेल्फ लाइफ काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि उसे किस तरह स्टोर किया गया है. आइए जानते हैं वे जरूरी टिप्स जो अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद कर सकती हैं।

क्या वजन घटाने के लिए रात में चावल खाना छोड़ देना चाहिए? एक्सपर्ट ने बताया, जानिए डिनर में कितना चावल खाना है सही

रात में चावल खाने से अपने आप वजन नहीं बढ़ता. विशेषज्ञों के अनुसार भोजन की मात्रा और कुल कैलोरी ज्यादा महत्वपूर्ण होती है. चावल के साथ दाल, पनीर, चिकन या सब्जियां खाने से भोजन संतुलित बनता है. डिनर और सोने के बीच लगभग दो घंटे का अंतर रखना बेहतर माना जाता है. वजन घटाने के लिए सिर्फ चावल छोड़ने की बजाय पूरी लाइफस्टाइल सुधारना ज्यादा जरूरी है.

जब भी वजन घटाने की बात होती है तो सबसे पहले लोगों की नजर चावल पर जाती है. बहुत से लोग मानते हैं कि अगर रात के खाने में चावल खाए जाएंगे तो वजन तेजी से बढ़ेगा. इसी वजह से कई लोग डाइट शुरू करते ही डिनर से चावल पूरी तरह हटा देते हैं और उसकी जगह सिर्फ रोटी, सलाद या सूप खाने लगते हैं. लेकिन क्या सच में रात में चावल खाना वजन बढ़ाने की वजह बनता है? या यह सिर्फ एक आम धारणा है? पोषण विशेषज्ञों का कहना है कि वजन बढ़ने या घटने का सबसे बड़ा कारण सिर्फ चावल नहीं, बल्कि पूरे दिन की डाइट, कुल कैलोरी, शारीरिक गतिविधि और आपकी लाइफस्टाइल होती है.

अगर चावल सही मात्रा में, सही चीजों के साथ और संतुलित भोजन का हिस्सा बनकर खाया जाए तो इसे रात में खाने से भी वजन घटाने की कोशिश पर जरूरी नहीं कि कोई बुरा असर पड़े. आइए जानते हैं एक्सपर्ट इस बारे में क्या कहते हैं और रात में चावल खाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

क्या रात में चावल खाने से वजन बढ़ता है?

पोषण विशेषज्ञों के अनुसार केवल रात में चावल खाने से वजन नहीं बढ़ता. वजन तब बढ़ता है जब शरीर जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेता है और उन्हें खर्च नहीं कर पाता. अगर पूरे दिन आपकी कैलोरी संतुलित है और आप नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि करते हैं, तो रात में सीमित मात्रा में चावल खाना वजन घटाने में रुकावट नहीं बनता.

समय नहीं, मात्रा ज्यादा जरूरी है

विशेषज्ञों का मानना है कि चावल कब खाया जा रहा है, इससे ज्यादा जरूरी यह है कि कितना खाया जा रहा है. अगर डिनर में जरूरत से ज्यादा चावल खाए जाएंगे तो अतिरिक्त कैलोरी शरीर में जमा हो सकती है. इसलिए एक बार के भोजन में लगभग आधा से एक कप पके हुए चावल पर्याप्त माने जाते हैं. इससे भोजन संतुलित रहता है और जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेने से बचा जा सकता है.

चावल के साथ क्या खा रहे हैं, इस पर भी दें ध्यान

अगर आप सिर्फ चावल खाकर खाना खत्म कर देते हैं तो जल्दी भूख लग सकती है. बेहतर होगा कि चावल के साथ दाल, पनीर, चिकन, राजमा, छोले या अन्य प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ शामिल करें. साथ में मौसमी सब्जियां और सलाद भी रखें. इससे भोजन ज्यादा संतुलित बनेगा और पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस हो सकता है।

‘अनुपमा’ की राही बोलीं, शोबिज की दुनिया में सच्चे रिश्ते बनाना आसान नहीं

लोकप्रिय सीरियल ‘अनुपमा’ में निभा रही हैं राही का किरदार

टीवी अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने दोस्ती और रिश्तों को लेकर साझा किए अपने अनुभव

मुंबई। टीवी अभिनेत्री अद्रिजा रॉय इन दिनों लोकप्रिय सीरियल ‘अनुपमा’ में राही के किरदार से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने दोस्ती और रिश्तों को लेकर अपने अनुभव साझा किए। अद्रिजा का कहना है कि शोबिज की दुनिया में सच्चे रिश्ते बनाना आसान नहीं होता। इस इंडस्ट्री में हर कोई अपने काम और सफलता के लिए लगातार मेहनत करता है, जिसकी वजह से भरोसे और गहरी दोस्ती के लिए समय निकालना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

मीडिया से बात करते हुए अद्रिजा ने कहा, ‘ ’इंडस्ट्री में मेरे ज्यादा दोस्त नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि यहां अच्छे और सच्चे लोग नहीं मिलते, लेकिन ऐसे लोगों को ढूंढना थोड़ा मुश्किल जरूर है। यहां का माहौल काफी प्रतिस्पर्धी है और किसी भी इंसान पर भरोसा करने में समय लगता है। असली दोस्ती के लिए ईमानदारी, लगातार साथ और आपसी सम्मान बहुत जरूरी होता है।

अद्रिजा ने कहा, ‘मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि मेरे कितने दोस्त हैं, बल्कि यह मायने रखता है कि वे कितने अच्छे और खास हैं। मेरा फ्रेंड सर्कल छोटा है। मेरे ज्यादातर करीबी दोस्त कोलकाता में हैं और वे मेरे बचपन के दोस्त हैं। वे सभी मुझे उस समय से जानते हैं, जब एक्टिंग मेरी जिंदगी का हिस्सा नहीं थी। उनके साथ मैं पूरी तरह खुद जैसी रह सकती हूं।

फ्रेंडशिप डे के मौके पर अद्रिजा ने अपनी खास दोस्त रिम्पा के बारे में भी बात की, जो उनके जीवन के हर मुश्किल दौर में उनके साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि कुछ रिश्ते समय के साथ दोस्ती से आगे बढ़कर परिवार जैसे बन जाते हैं। रिम्पा के साथ उनका रिश्ता भी कुछ ऐसा ही है।

अद्रिजा ने कहा, ‘ ’वह मेरी दोस्त से ज्यादा मेरी बहन जैसी है। हम साथ बड़े हुए हैं और मेरी जिंदगी के कुछ सबसे कठिन समय में उसने मेरा साथ कभी नहीं छोड़ा। उसे हमेशा सही शब्द कहने या मेरी परेशानियां दूर करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन वह हमेशा मेरे साथ रही। उसका प्यार, समर्थन और मुझ पर विश्वास मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

अभिनेत्री ने बताया, ‘ ’व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बीच दोस्ती को बनाए रखने के लिए लगातार कोशिश करनी पड़ती है। रिश्तों को मजबूत रखने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाने की जरूरत नहीं होती। कई बार एक छोटा फोन कॉल, वीडियो चैट या एक प्यारा सा मैसेज भी दोस्त को यह एहसास दिलाने के लिए काफी होता है कि वह आपकी जिंदगी में खास जगह रखता है।

दोस्ती से बढ़कर है बहन जैसा रिश्ता

“ वह मेरी दोस्त से ज्यादा मेरी बहन जैसी है। हम साथ बड़े हुए हैं और मेरी जिंदगी के कुछ सबसे कठिन समय में उसने मेरा साथ कभी नहीं छोड़ा। उसका प्यार, समर्थन और मुझ पर विश्वास मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

दोस्ती निभाने का राज क्या है?

- व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बीच दोस्ती को बनाए रखने के लिए लगातार कोशिश करनी पड़ती है।
- रिश्तों को मजबूत रखने के लिए हमेशा बड़े कदम उठांने की जरूरत नहीं होती।
- एक छोटा फोन कॉल, वीडियो चैट या एक प्यारा सा मैसेज भी दोस्त को खास महसूस कराने के लिए काफी होता है।

फ्रेंडशिप डे पर छलके शेफाली शाह के जज्बात, बोलीं-सच्चे दोस्त हर हाल में साथ निभाते हैं

विश्व केसरी

मुंबई । ‘दिल्ली क्राइम’, ‘जलसा’ और ‘थ्री ऑफ अस’ जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी निजी जिंदगी से जुड़े खास पल साझा करती रहती हैं। फ्रेंडशिप डे के मौके पर उन्होंने अपने दोस्तों के लिए एक खास पोस्ट शेयर किया।

दरअसल, शेफाली शाह ने अपने इंस्टाग्राम पर दोस्तों के साथ बिताए गए कई यादगार पलों की तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह अपनी गर्ल गैंग के साथ हंसती, मुस्कुराती और जिंदगी के खुशनुमा पल बिताती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने एक दिल को छू लेने वाला नोट लिखा, जिसमें उन्होंने सच्ची दोस्ती का मतलब अपने शब्दों में बयां किया।

शेफाली ने अपने पोस्ट में लिखा, ‘ ’सच्चे दोस्त वही होते हैं, जो इंसान को उसके हर रूप में स्वीकार करते हैं। अच्छे दोस्त इस बात की परवाह नहीं करते कि आप पहले कैसे थे, आज कैसे हैं या भविष्य में कैसे बनेंगे। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने आपके रिश्ते और भरोसे के होते हैं। ऐसे दोस्त हर सुख-दुख में आपके साथ खड़े रहते हैं और जिंदगी के हर मोड़ पर आपका हौसला बढ़ाते हैं। उन्होंने लिखा, ‘ ’वे आपकी जिंदगी के हर अच्छे और बुरे दौर में आपके साथ खड़े रहते हैं। चाहे आपकी कमर का साइज बदल जाए, जेब खाली हो जाए या जिंदगी में कुछ भी बदल जाए, उनका साथ नहीं बदलता।’’

उन्होंने आगे कहा, ‘ ’सच्चे दोस्त अपनी गलतियों से भी आपको सीख देते हैं और आपकी हर छोटी-बड़ी अजीब आदत को भी खुशी-खुशी स्वीकार करते हैं। अगर कभी मुश्किल वक्त आ जाए तो वही सबसे पहले आपका हाथ पकड़ते हैं। यहां तक कि अगर आपने उनके नाम का सहारा लेकर कोई झूठ भी बोल दिया हो, तब भी वे आपका साथ नहीं छोड़ते।’’

शेफाली शाह ने आगे लिखा, ‘ ’वे आपकी हर जीत का सबसे ज्यादा जश्न मनाते हैं। वे खुशी, दुख, शरारत और मुश्किल हर पल में आपके साथी बनते हैं। जब आप डर, असफलता या निराशा से घिर जाते हैं, तब वही आपको संभालते हैं और फिर से खड़ा होने की ताकत देते हैं। अगर कभी दूसरा आपका साथ छोड़ दे, तब भी सच्चे दोस्त आपका हाथ नहीं छोड़ते।

निम्स दाई को अभिनेता वीरा ने दी भावुक श्रद्धांजलि, बोले- ‘लेजेंड्स कभी पहाड़ों से विदा नहीं होते’

चेन्नई। पर्वतों की ऊंची चोटियों को छूने का सपना देखने वाले लाखों लोगों के लिए दुनिया के महान पर्वतारोही निर्मल पुर्जा, जिन्हें पूरी दुनिया प्यार से निम्स दाई के नाम से जानती थी, एक मिसाल थे। उन्होंने अपने अद्भुत साहस से पर्वतारोहण की दुनिया में ऐसे रिकॉर्ड बनाए, जिन्हें तोड़ना आसान नहीं होगा।

ब्रॉड पीक पर हुए हिमस्खलन में उनकी मौत की खबर से पूरी दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई है। इस कड़ी में तमिल फिल्मों के मशहूर अभिनेता वीरा ने उनके निधन पर भावुक श्रद्धांजलि दी।

निम्स दाई पाकिस्तान की ब्रॉड पीक चोटी पर एक कैंपेन पर थे। 30 जुलाई 2026 को उनकी टीम भीषण हिमस्खलन की चपेट में आ गई, जिसमें उनकी जान चली गई है। बता दें कि ब्रॉड पीक 8,051 मीटर ऊंचा पर्वत है, जो काराकोरम पर्वत श्रृंखला में स्थित है।

अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए महान पर्वतारोही को याद किया और उनके योगदान को सलाम किया। वीरा ने लिखा, ‘आज दुनिया सिर्फ एक पर्वतारोही को खोने का शोक नहीं मना रही है बल्कि उस इंसान को याद कर रही है जिसने लाखों लोगों को सिखाया कि साहस हमें असंभव से भी आगे ले जा सकता है। उन्होंने आगे लिखा, ‘ ’निम्स दाई ने सिर्फ चोटियों पर विजय नहीं पाई बल्कि उन्होंने सपने देखने वालों को उम्मीद दी, पर्वतारोहियों को ताकत दी और पूरी एक पीढ़ी को ऊंचाइयों की ओर देखने के लिए प्रेरित किया। भले ही उनकी यात्रा समाप्त हो गई हो लेकिन उनकी आत्मा हमेशा हर पर्वत, हर शिखर और हर उस दिल में जीवित रहेगी।

सुरभि ज्योति ने बताया मां बनने का अनुभव, बताया नॉर्मल डिलीवरी के लिए कैसे की थी तैयारी

विश्व केसरी

मुंबई। ‘कुबूल है’ और ‘नागिन’ जैसे लोकप्रिय शोज से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुरभि ज्योति हाल ही में मां बनी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी और डिलीवरी से जुड़े अनुभवों को फैंस के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान खुद को एक्टिव रखा और नॉर्मल डिलीवरी के लिए तैयारी की।

सुरभि ज्योति ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ बातचीत के लिए एक ‘आस्क मी एनीथिंग’ सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे उनकी प्रेग्नेंसी, मां बनने के अनुभव और डिलीवरी को लेकर कई सवाल पूछे। इसी दौरान एक सात महीने की प्रेग्नेंट महिला ने सुरभि से पूछा कि नॉर्मल डिलीवरी के लिए किस तरह की तैयारी करनी चाहिए। इसके जवाब में अभिनेत्री ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उनके लिए कौन-सी चीजें मददगार साबित हुईं।

सुरभि ने कहा, ‘ ’प्रेग्नेंसी के दौरान खुद को सक्रिय रखना काफी जरूरी होता है। नियमित रूप से टहलना, स्ट्रेचिंग करना और हल्की एक्सरसाइज करना मेरे लिए फायदेमंद रहा। मैंने इस दौरान कोई मुश्किल वर्कआउट या भारी वजन उठाने वाली एक्सरसाइज नहीं की थी, बल्कि अपनी क्षमता के हिसाब से आसान गतिविधियों पर ध्यान दिया।’’

वहीं एक अन्य फैन ने उनसे पूछा कि आज के समय में नॉर्मल डिलीवरी कैसे हो सकती है?

इस पर अभिनेत्री ने कहा, ‘ ’नॉर्मल डिलीवरी आज भी पूरी तरह संभव है और इसे लेकर किसी तरह का डर रखने की जरूरत नहीं है। इसका समय या आज की जिंदगी से कोई संबंध नहीं होता। मेरे आसपास भी कई ऐसी महिलाएं हैं, जिनकी नॉर्मल डिलीवरी हुई है।’’

बता दें कि सुरभि ज्योति ने 13 जून 2026 को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। अभिनेत्री और उनके पति सुमित सूरी के घर एक बेटी का जन्म हुआ। सुरभि ने सोशल मीडिया के जरिए इस खुशखबरी को अपने फैंस के साथ साझा किया था। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा था, ‘ ’हमारी बेटी आ गई है। हमारे दिल प्यार और आभार से भरे हुए हैं।’’

जेन जी पर फिर बोलीं कंगना रनौत, कहा- ‘आजादी जरूरी है, लेकिन उसके साथ जिम्मेदारी भी होनी चाहिए’

मुंबई। अपने बेबाक बयानों के लिए मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सामाजिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखने वाली कंगना ने इस बार जेन जी यानी नई पीढ़ी और आजादी के मायने पर अपनी बात रखी है।

उन्होंने जिम में हुई एक दिलचस्प बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि हर इंसान को अपनी पसंद के मुताबिक जिंदगी जीने की आजादी है, लेकिन उसकी आजादी किसी दूसरे की जिंदगी या सुरक्षा के लिए खतरा नहीं बननी चाहिए।

कंगना रनौत ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा, ‘ ’आज जिम में मेरी मुलाकात दो जेन जी लड़कियों से हुई। उन्होंने मुझसे कहा कि उनका जन्म डिजिटल युग में हुआ है और सोशल मीडिया, इंस्टाग्राम, डेटिंग ऐप्स, एआई जैसी चीजें उनकी जिंदगी का हिस्सा हैं। मैंने उनसे कहा कि आपको अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की पूरी आजादी है, लेकिन यह आजादी तब तक ही सही है, जब तक उससे किसी दूसरे व्यक्ति को नुकसान न पहुंचे।’’

अपनी बात को समझाते हुए कंगना ने हाल के कुछ चर्चित अपराधों का जिक्र किया। उन्होंने केतन अग्रवाल मामले और ‘ब्लू ड्रम’ केस का उदाहरण देते हुए कहा, ‘ ’यह आजादी तब तक ही सही है, जब तक आप किसी दूसरे के बच्चे को चट्टान से नीचे नहीं फेंकते या उसके टुकड़े-टुकड़े नहीं करते।

आज कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां उदार और पारंपरिक जीवनशैली के बीच टकराव देखने को मिल रहा है और कई मासूम बच्चों की जान जा रही है। यह हम सभी के लिए चिंता की बात है। वे भी इस बात से सहमत थीं कि आजादी के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी है। मेरे जेन जी दोस्तों को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं। शांति बनाए रखें।’’

कंगना का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब वह पहले से ही जेन जी को लेकर दिए गए अपने एक बयान की वजह से विवादों में हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने जेन जी को ‘गटर जेनरेशन’ कहा था। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनकी काफी आलोचना हुई थी।

दरअसल, यह पूरा विवाद कंगना रनौत के उन सोशल मीडिया पोस्ट के बाद शुरू हुआ, जिनमें उन्होंने नई पीढ़ी और कुछ भारतीय महिलाओं पर तीखी टिप्पणी की थी। पोस्ट में कंगना ने जेन जी की परवरिश पर भी सवाल उठाए थे।

बंटवारा 1947 के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे सनी देओल और बेटे करण देओल, फिल्म को लेकर कही खास बात

विश्व केसरी

मुंबई । बॉलीवुड के दमदार अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘बंटवारा 1947’ को लेकर लगातार चर्चा में हैं। फिल्म देश के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सनी देओल अपने बेटे करण देओल के साथ फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए है। फिल्म प्रमोशन की शुरुआत दोनों ने बिहार की राजधानी पटना से की।

रविवार को सनी देओल और करण देओल पटना पहुंचे। दोनों को पटना एयरपोर्ट पर कैजुअल लुक में देखा गया। जैसे ही पिता-पुत्र की यह जोड़ी एयरपोर्ट से बाहर निकली, मीडिया और फैंस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। दोनों ने मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान सनी देओल ने मीडिया से बातचीत भी की।

जब पत्रकारों ने सनी देओल से पूछा कि फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत के लिए पटना को ही क्यों चुना गया, तो उन्होंने कहा, ‘ ’पटना फिल्म के प्रमोशनल सिटी टूर का पहला पड़ाव है। हमारी टीम अलग-अलग शहरों में जाकर दर्शकों से जुड़ेगी। पटना से इस सफर की शुरुआत की गई है।’’

बातचीत के दौरान सनी देओल ने बताया कि ‘बंटवारा 1947’ पहली ऐसी फिल्म है, जिसमें वह अपने बेटे करण देओल के साथ काम कर रहे हैं। हम दोनों का एक साथ किसी फिल्म का हिस्सा बनना यादगार पल रहा। वहीं करण देओल भी इस मौके पर काफी उत्साहित नजर आए।

हाल ही में फिल्म ‘बंटवारा 1947’ का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म उस दौर की कहानी कहती है, जब देश आजादी की ओर बढ़ रहा था, लेकिन दूसरी ओर लाखों लोग हिंसा, डर और विस्थापन जैसी त्रासदी का सामना कर रहे थे। ट्रेलर में उस दौर की पीड़ा को दर्शाने की कोशिश की गई।

फिल्म में सनी देओल और करण देओल के अलावा शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान हुई हिंसा और जबरन पलायन की वजह से पूरी तरह बदल जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म असगर वजाहत के चर्चित नाटक ‘जिस लाहौर नहीं वेख्या, ओ जम्याई नई’’ पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है, वहीं प्रोड्यूसर आमिर खान हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर हमले रोकने को लेकर जताई सहमती, होर्मुज को फिर से खोलने का दिया हवाला

विश्व केसरी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि तेहरान और कई मिडिल ईस्ट देशों की तरफ से हमले रोकने की अपील के बाद, अमेरिका ईरान के खिलाफ प्लान किए गए सैन्य कार्रवाई को रोकने पर सहमत हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि एक संभावित समझौते का फ्रेमवर्क बन गया है।

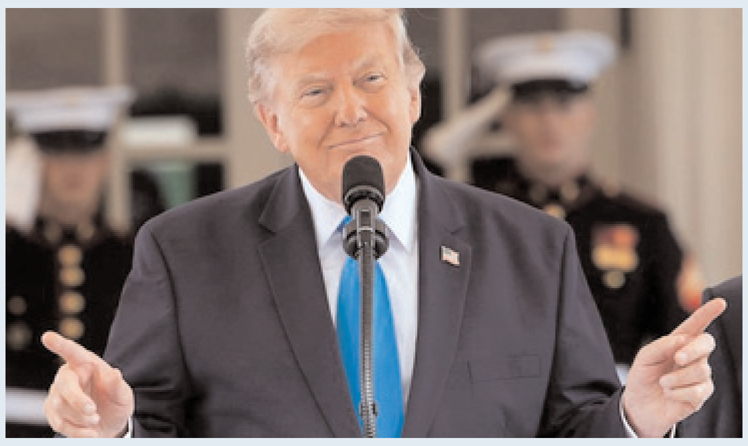

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन डिप्लोमेसी को आगे बढ़ने देने के लिए प्लान किए गए स्ट्राइक को रोकने का फैसला किया है। ट्रंप ने लिखा, 'अमेरिका पूरी तरह तैयार तथा हमला करने की स्थिति में है और पूरी ताकत के साथ इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ जाने के लिए तैयार है।' ट्रंप ने आगे कहा कि हालांकि ईरान और मिडिल ईस्ट के दूसरे देशों ने वाशिंगटन से सैन्य कार्रवाई में देरी करने की अपील की है। ट्रंप के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत, पूरी तरह से खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'इस अपील के आधार पर, मैं दुनिया के भविष्य के लिए और इसी तरह, एक सफल और खुशहाल ईरान के बने रहने के लिए, हमला रोकने पर सहमत हो गया हूं, बशर्ते हम जल्दी से कोई डील कर सकें।'

उन्होंने यह भी दावा किया कि इजरायल ने डिप्लोमैटिक रास्ता अपनाने के फैसले का समर्थन किया और कहा, 'इजरायल इस कमिटमेंट में मेरे साथ है। सब लोग काम पर लग जाओ और इसे पूरा करो।' ट्रंप ने प्रस्तावित समझौते, उसकी टाइमलाइन या ईरान या इजरायल ने उनके पोस्ट में किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि की है या नहीं, इस बारे में और जानकारी नहीं दी।

इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि जब तक ईरान अमेरिकी सेना को धमकी देना बंद नहीं करता और परमाणु हथियार बनाने की कोशिशें नहीं रोकता, तब तक अमेरिका उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता रहेगा। उन्होंने ईरानी नेतृत्व के साथ बातचीत के सफल होने की संभावना पर भी संदेह जताया। कैंप डेविड में हुई पहली लाइव टेलीविजन कैबिनेट मीटिंग की अध्यक्षता करने के बाद रिपोर्टरों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि सरकार ईरान पर दबाव बनाए रखेगी, भले ही डिप्लोमैटिक बातचीत चल रहे हों। जब राष्ट्रपति से पूछा गया कि आने वाले हफ्तों में क्या उम्मीद करें, तो उन्होंने कहा, 'हम उन पर हमला करेंगे और आप जानते हैं किसी समय वे कहेंगे, हम अब और बर्दाश्त नहीं कर सकते।'

अमेरिका के इडाहो में रेस्टोरेंट में हुई गोलीबारी अंधाधुंध फायरिंग में तीन की मौत और कई घायल

विश्व केसरी

सैन फ्रांसिस्को। उत्तर-पश्चिमी अमेरिकी राज्य इडाहो के ट्विन फॉल्स में एक इन-एन-आउट रेस्टोरेंट के इलाके में शनिवार को गोलीबारी की घटना सामने आई। इस गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम दो अन्य घायल हो गए।

दोपहर 2:30 बजे से पहले रेस्तरां के अंदर गोलीबारी शुरू हो गई। स्थानीय समय (2030 जीएमटी), सीबीएस न्यूज ने ट्विन फॉल्स शहर के सार्वजनिक सूचना समन्वयक जोशुआ पामर का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी। घटना से संबंधित अधिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

इस बीच, अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि पुलिस अमेरिकी राज्य इडाहो में ट्विन फॉल्स में एक इन-एन-आउट बर्गर रेस्तरां के पास एक सक्रिय गोलीबारी की घटना का जवाब दे रही थी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्विन फॉल्स पुलिस विभाग ने एक पब्लिक सेफ्टी अलर्ट में कहा कि अधिकारी उस इलाके में काम कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को घटनास्थल से दूर रहने को कहा है, ताकि कानून लागू करने वाले अधिकारी और फर्स्ट रेस्पॉन्डर सुरक्षित रूप से काम कर सकें।

शनिवार रात एक न्यूज कॉन्फ्रेंस में, ट्विन फॉल्स पुलिस चीफ मैथ्यू हिक्स ने रिपोर्टरों को बताया कि मौतें हुई हैं। हालांकि, उन्होंने मृतकों की सही संख्या की पुष्टि नहीं की। हिक्स ने कहा कि एक स्थानीय अस्पताल में कई घायल लोगों का इलाज चल रहा है। संदिग्ध बंदूकधारी मर चुका है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वह व्यक्ति कैसे मारा गया। ट्विन फॉल्स पुलिस डिपार्टमेंट के चीफ ने कहा, 'हम उसकी पहचान और उसके पीछे के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।' पुलिस ने कहा कि इलाके की सड़कें, जिसमें पास का पुल भी शामिल है, बंद कर दी गई हैं और गाड़ी चलाने वालों से कहा गया है कि वे दूसरे रास्ते इस्तेमाल करें और रोके गए इलाके में जाने की कोशिश न करें।

संक्षिप्त खबर

ईरान की अमेरिका को चेतावनी : कोई भी बड़ी कार्रवाई की तो भुगतने होंगे नतीजे

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान की अर्धसरकारी मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका को कोई भी बड़ी कार्रवाई करने के खिलाफ चेतावनी दी है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। मेहर ने एक रिपोर्ट में कहा कि अराघची ने पाकिस्तान के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ असीम मुनीर, तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान और सऊदी के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ अलग-अलग फोन पर बातचीत के दौरान यह बात कही। इस दौरान उन्होंने इलाके के नए घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने मुनीर और फिदान से कहा कि ईरान अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी हमले का कड़ा जवाब देगा। अपने सऊदी समकक्ष के साथ बातचीत में, अराघची ने चेतावनी दी कि अमेरिका या इजरायल की कोई भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई, साथ ही इसके लिए, किसी भी क्षेत्रीय सहयोग पर, ईरान की सेना की तरफ से कड़ा और उसी हिसाब से जवाब दिया जाएगा। शनिवार को भी, ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका पर जून के बीच में हुए शांति समझौते के उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति पहुंचे फ्रैंकफर्ट, कोरियन कम्युनिटी से करेंगे मुलाकात

विश्व केसरी

फ्रैंकफर्ट। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यूंग रविवार को फ्रैंकफर्ट पहुंचे। ये दौरा काफी खास है। इस दौरान वो जर्मनी में रह रहे प्रवासी कोरियाई लोगों से मुलाकात भी करेंगे। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रैंकफर्ट उनके पांच देशों के दौरे का आखिरी पड़ाव है। ये दौरा 24 जुलाई को सैन फ्रांसिस्को से शुरू हुआ था। जहां उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेमीकंडक्टर्स के लिए साउथ कोरिया को ग्लोबल हब बनाने के विजन को प्रमोट करने के लिए ग्लोबल टेक कंपनियों के प्रमुखों से मुलाकात की थी। इसके बाद ली ब्राजील, चिली और अर्जेंटीना पहुंचे थे। यहां उन्होंने जरूरी मिनरल सप्लाई और दूसरे द्विपक्षीय मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने लिए, इन देशों के शीर्ष नेतृत्व संग शिखर वार्ता की। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, ली रविवार को सोल लौटने से पहले जर्मनी में रह रहे कोरियन कम्युनिटी के सदस्यों से मिलेंगे। अर्जेंटीना का अपना दौरा संपन्न कर ली फ्रैंकफर्ट पहुंचे हैं। ब्यूनस आयर्स में, ली ने अर्जेंटीना के अपने समकक्ष राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ विशेष बातचीत की। इस दौरान दोनों नेता जरूरी मिनरल पर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए, जिसमें पूरी लिथियम वैल्यू चेन में जॉइंट प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाना भी शामिल है। इस दौरान अर्जेंटीना से कच्चे तेल के आयात को लेकर भी सहमति बनी, साथ ही साउथ कोरिया और साउथ अमेरिकन ट्रेड ब्लॉक मर्कोसुर के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत को जल्दी फिर से शुरू करने की दिशा में काम करने का वादा किया।

जापान में आए भूकंप के बाद लगभग 80 हजार घरों में पानी की किल्लत, मृतकों की संख्या बढ़कर 38 हुई

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान के कुमामोटो प्रांत में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। प्रांत सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार सुबह हुई आपदा प्रबंधन मुख्यालय की मीटिंग में, कुमामोटो प्रांत के अधिकारियों ने बताया कि 38 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिनकी मौत की जांच अभी भी चल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनकी मौत 7.1 तीव्रता के भूकंप की वजह से हुई थी या नहीं।

यात्सुशिरो शहर में निप्पॉन पेपर फैक्ट्री में, जहां भूकंप की वजह से धुएं का गुबार गिर गया था, रेस्क्यू टीम ने 10 लोगों को वहां से निकाला। उनमें से आठ की मौत की पुष्टि हो गई, जबकि दो घायल हो गए। एक और व्यक्ति जो लापता था, गुरुवार को दोपहर के बाद मलबे में मिला। हालांकि उस व्यक्ति की हालत अभी तक पता नहीं चली है। काशिमा टाउन के एऑन मॉल कुमामोटो में, जहां भूकंप के बाद एक बड़ा धमाका हुआ था, 12 लोगों को बचाया गया। उनमें से सात की मौत की पुष्टि हो गई है और पांच घायल हैं। पुलिस और फायरफाइटर्स यह पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं कि बिल्डिंग के अंदर कोई और फंसा हुआ है या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि अभी पूरे इलाके में 406 इवैक्यूएशन शेल्टर में 9,400 से ज्यादा लोग रह रहे हैं। भूकंप की वजह से करीब 79,700 घरों में पानी नहीं है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि अभी किसी भी प्रभावित नगर पालिका में पानी की सर्विस ठीक करने का कोई टाइमटेबल नहीं है।

इस बीच, गुरुवार दोपहर तक करीब 19,000 घरों में बिजली नहीं थी। क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर के मुताबिक, अगर रिपेयर का काम प्लान के अनुसार हुआ तो शुक्रवार शाम तक बिजली ठीक होने की उम्मीद है। बुधवार को जापान की प्रधानमंत्री साने तकाइची ने कुमामोटो भूकंप को लेकर दूसरी आपदा नियंत्रण मुख्यालय बैठक की।

अमेरिका का एक स्कूल जहां स्टील की वॉटर बॉटल ले जाने पर रोक!

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका के केंटकी स्थित हार्डिन काउंटी स्कूल प्रशासन ने बच्चों को स्टील वॉटर बॉटल न लाने का आदेश सुनाया है। जिला प्रशासन के अनुसार, छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ये अहम फैसला लिया है। नए शैक्षणिक सत्र से छात्रों को स्कूल और स्कूल बसों में धातु (स्टील या एल्यूमीनियम) और कांच की पानी की बोतलें लाने की अनुमति नहीं होगी। अब केवल प्लास्टिक के पानी की बोतलें ही परिसर में ले जाई जा सकेंगी।

स्कूल प्रशासन का कहना है कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी कई घटनाएं सामने आईं, जिनमें छात्रों ने भारी स्टील की पानी की बोतलों का इस्तेमाल दूसरे छात्रों पर हमला करने के लिए किया। कई मामलों में बच्चों के सिर, चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। कुछ छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जबकि कुछ को सिर में गंभीर चोट (कंकशन) का सामना करना पड़ा। अधिकारियों के अनुसार, जब स्टील की बोतल पूरी तरह पानी से भरी होती है, तो उसका वजन इतना अधिक हो जाता है कि वह किसी कठोर वस्तु की तरह गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। इन्हीं घटनाओं को देखते हुए स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने सुरक्षा विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा के बाद यह निर्णय लिया कि संभावित खतरे को पहले ही रोकना बेहतर होगा। प्रशासन का मानना है कि यदि स्कूल परिसर में ऐसी भारी वस्तुएं ही नहीं होंगी, तो हिंसक घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। यह नया नियम 6 अगस्त से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र के साथ लागू होगा।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी दूतावासों की चेतावनी, नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह

विश्व केसरी

काहिरा। अमेरिका के लगभग 10 मध्य-पूर्वी देशों में स्थित दूतावासों ने शनिवार को अमेरिकी नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी और कहा कि यदि क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो वे वहां से प्रस्थान करने पर विचार करें या जरूरत पड़ने पर जाने के लिए तैयार रहें।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल, जॉर्डन, इराक, मिस्र, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों में अमेरिकी दूतावासों ने अपनी वेबसाइटों पर इसी तरह के सुरक्षा अलर्ट जारी किए हैं।

मध्य-पूर्व में स्थित अमेरिकी दूतावासों ने अमेरिकी नागरिकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी है। दूतावासों ने कहा कि लोग उड़ानों के रद्द होने, समय-समय पर हवाई क्षेत्र बंद होने और यात्रा में संभावित व्यवधानों के लिए तैयार रहें।

इसके साथ ही, क्षेत्र के बाहर रह रहे अमेरिकी नागरिकों को भी मध्य-पूर्व की यात्रा करने या वहां से होकर गुजरने की अपनी योजनाओं पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की सलाह दी गई है। शनिवार को ईरान की अर्द्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने रिपोर्ट दी कि ईरान ने अपने बुनियादी ढांचे पर संभावित हमलों के जवाब के लिए एक व्यापक योजना तैयार कर ली है। तस्नीम के अनुसार, एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी मीडिया में ईरान के बुनियादी ढांचे पर अमेरिका और इजरायल द्वारा संभावित हमलों के दावों के मद्देनजर यह योजना बनाई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस रणनीति में इजरायल के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और मध्य-पूर्व में अमेरिकी ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की तैयारी शामिल है।

ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं, जब कुछ दिनों के विराम के बाद अमेरिका और ईरान के बीच हवाई हमलों का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है। साथ ही, यमन के हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब से जुड़े घटनाक्रमों के बीच लाल सागर क्षेत्र में तनाव का एक नया मोर्चा भी उभरता दिखाई दे रहा है।

स्प्यूटा संकट पर मंगलवार को बुलाई गई ईयू के गृह मंत्रियों की आपात बैठक

विश्व केसरी

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज की अपील पर स्यूटा प्रवासी संकट को लेकर यूरोपीय संघ (ईयू) के गृह मंत्रियों की आपात बैठक मंगलवार को बुलाई गई है। स्पेन के पीएम ने शनिवार को एक खत लिख इसकी मांग की थी। ईयू और अन्य यूरोपीय संस्थाओं से उन्होंने कहा था कि यह केवल स्पेन का नहीं, बल्कि पूरे यूरोपीय संघ की बाहरी सीमा और साझा सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

बैठक बुलाने का फैसला ईयू सदस्यों और फ्रॉन्टेक्स बॉर्डर एजेंसी विशेषज्ञों की टीम ने संयुक्त रूप से लिया। गुरुवार से शुक्रवार के बीच (महज 24 घंटों में) उत्तर मोरक्को से स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में 50 हजार से ज्यादा प्रवासी अचानक प्रवेश कर गए थे। स्पेन के गृह मंत्रालय के अनुसार इस दौरान 67 लोगों की मौत हो गई। कुछ समुद्र में डूब गए तो कुछ अफरा-तफरी में मारे गए। मंत्रियों की मीटिंग बुलाने का निर्णय सबकी सहमति से लिया गया, क्योंकि ईयू सदस्य ग्रुप में इस मुद्दे को लेकर व्याप्त मतभेद को दूर करने और माइग्रेशन के लिए एक जैसा तरीका अपनाने की कोशिश को लेकर गंभीर हैं। वहीं, स्पेन ने कहा कि स्यूटा में प्रवासियों का प्रवेश रात को बंद हो गया, क्योंकि पुलिस ने मोरक्को के साथ अपने बॉर्डर पर 500 मीटर (1,640 फीट) का एक फ्लोटिंग बैरियर लगाना शुरू कर दिया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने शनिवार को कहा, 'मैं स्पेनिश पीएम के संपर्क में हूं और हम जो मदद कर सकते हैं, वह कर रहे हैं।' वहीं, इटली, डेनमार्क, पोलैंड और स्वीडन ने शनिवार को एक बैठक कर स्पेन के रवैए की आलोचना की। सांचेज ने कुछ यूरोपीय देशों की प्रतिक्रिया पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में एकजुटता दिखाने के बजाय कुछ देशों ने राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को तरजीह दी, जिससे यूरोपीय एकता कमजोर हुई। उनके अनुसार, स्यूटा में पहुंचे लगभग सभी प्रवासियों को 48 घंटे के भीतर मोरक्को वापस भेज दिया गया और 'कोई भी स्पेन के मुख्य भूभाग या यूरोप के अन्य हिस्सों तक नहीं पहुंच सका।'

स्यूटा माइग्रेशन संकट : इटली ने समुद्र और हवाई मार्ग के जरिये स्पेन से आने वालों की शुरू की जांच

विश्व केसरी

रोम। स्पेन के शहर स्यूटा में अवैध प्रवासन के संकट ने इटली और स्पेन के बीच राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। हजारों प्रवासियों के स्पेनिश इलाके में पहुंचने की खबर के बाद इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्पेन से समुद्र और हवाई रास्ते से आने वालों पर बॉर्डर पर और कड़ी जांच की घोषणा की। इससे पहले पीएम मेलोनी ने शेंगेन क्षेत्र को सस्पेंड करने की चेतावनी जारी की थी।

दरअसल स्यूटा अफ्रीकी देश मोरक्को की सीमा पर स्थित है। यह यूरोप में दाखिल होने वाले लोगों में लिए प्रमुख रास्ता है। इटली सरकार का मानना है कि यदि प्रवासी स्पेन पहुंच जाते हैं तो शेंगेन क्षेत्र के कारण वे बाद में दूसरे यूरोपीय देशों, जैसे इटली, फ्रांस या जर्मनी तक भी पहुंच सकते हैं।

यूरो न्यूज के अनुसार, इटली ने स्यूटा संकट के बाद स्पेन से आने वाले यात्रियों की फिर से जांच शुरू कर दी है। इटली के बंदरगाहों और एयरपोर्टों पर गैर-ईयू नागरिकों के लिए आईडी चेक किए जाते हैं।

इटली की पीएम मेलोनी की चेतावनी के बाद शेंगेन एरिया को रद्द करने का ऐलान किया। इस कदम को इटली के गृह मंत्री माटेओ पियांटेडोसी ने जरूरी लेकिन ऐहतियाती बताया। कोई भी देश किसी दूसरे देश को फ्री-मूवमेंट एरिया से एकतरफा तौर पर सस्पेंड नहीं कर सकता। ऐसे में इटली ने शेंगेन नियमों के अपवाद के तौर पर स्पेन के साथ बॉर्डर चेकिंग फिर से शुरू कर दी है। इटली के गृह मंत्री ने बताया कि यह एक महीने के लिए स्पेन के साथ समुद्र और हवाई सीमाओं पर सीमा नियंत्रण को फिर से लागू करना है।

रूस के रेस्टोरेंट में हुआ बम धमाका, अब तक तीन की मौत और 21 घायल; जांच में जुटी पुलिस

विश्व केसरी

मॉस्को। मॉस्को के बाल्जी रॉसी रेस्टोरेंट में शनिवार शाम को हुए बम धमाके में तीन लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हुए। रूस की राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी कमेटी ने घटना की पुष्टि की। मॉस्को पुलिस ने रिया नोवोस्ती न्यूज एजेंसी को पहले दिए एक बयान में कहा था कि इन्वेस्टिगेटर और पुलिस फोरेंसिक स्पेशलिस्ट मौके पर मौजूद थे। टास स्टेट न्यूज एजेंसी के हवाले से कमेटी ने कहा, 'मॉस्को के कुद्रिन्स्काया स्क्वायर में एक रेस्टोरेंट में घर में बना एक्सप्लोसिव डिवाइस फट गया, जिसमें तीन लोग मारे गए।'

मारे गए तीन लोगों में एक महिला थी जो रेस्टोरेंट में डिवाइस ले जा रही थी, एक सिक्योरिटी एजेंट जिसने उसे रोका और एक कस्टमर शामिल है। रूसी सुरक्षा बलों से संबंधित टेलीग्राम चैनल बाजा ने शुरुआती जांच में इस धमाके को गैस विस्फोट से जोड़कर देखा। उन्होंने कहा कि रेस्टोरेंट के किचन में धमाका हुआ होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, रेस्टोरेंट को एक प्राइवेट बर्थडे पार्टी के लिए बुक किया गया था और रूसी एयरफोर्स के कमांडर एलेक्जेंडर चाइको वहां मौजूद थे। रूसी टेलीग्राम चैनलों पर पोस्ट की गई तस्वीरों में इमारत के बाहर फायर इंजन और एम्बुलेंस दिखाई दे रही थीं। एजेंसी रिया नोवोस्ती ने बताया कि एक महिला ने बम को दुकान में स्मगल करने की कोशिश की, लेकिन सिक्योरिटी गार्ड ने बम फटने से पहले उसे अंदर जाने से मना कर दिया। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि उनके हिसाब से टारगेट कौन था, लेकिन मॉस्को के लोगों को शक है कि इसका यूक्रेन में चल रहे युद्ध से कोई लिंक है। यह रेस्टोरेंट मॉस्को की मशहूर स्टालिन-युग की ऊंची इमारतों में से एक में है और चौक के आसपास की सड़कें कुछ समय के लिए बंद कर दी गई थीं।

मायावती का बड़ा एक्शन, अशोक सिद्धार्थ फिर बसपा से निष्कासित, रणधीर सिंह बेनीवाल भी बाहर

विश्व केसरी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने संगठन में अनुशासनहीनता पर एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ को दोबारा पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता रणधीर सिंह बेनीवाल को भी तत्काल प्रभाव से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। बसपा ने दोनों नेताओं पर पार्टी के दिशा-निर्देशों की अवहेलना और अनुशासनहीनता के गंभीर आरोप लगाए हैं।

बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि सर्वविदित है कि अशोक सिद्धार्थ, पूर्व सांसद को महाराष्ट्र के चुनाव में खासकर पार्टी टिकट के बंटवारे को लेकर बी.एस.पी. महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष आदि के साथ सही से तालमेल करके नहीं चलने की वजह से अनुशासनहीनता व दिशा-निर्देश का उल्लंघन करने पर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था तथा उन्हें दोबारा पार्टी में इस शर्त के साथ वापस लिया गया था कि वे दोबारा ऐसी ग़लती नहीं करेंगे और साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश में कहीं पर भी नहीं, बल्कि केवल दूसरे राज्यों में ही पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की ज़िम्मेदारी दी जायेगी।

उन्होंने आगे लिखा कि लेकिन उसके बाद जिन भी राज्यों की ज़िम्मेदारी बी.एस.पी. कोआर्डिनेटर के रूप में उन्हें दी गई, वहां इन्होंने अपनी ज़िम्मेदारी को सही से नहीं निभाया। केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि उड़ीसा व पश्चिम बंगाल इन राज्यों से भी इनकी अनुशासनहीनता

अर्थात् पार्टी के दिशा-निर्देश के उल्लंघन की ख़बरें लगातार आते रहने के फलस्वरूप इनको बार-बार चेतावनी देने के बावजूद भी इनमें सुधार नहीं आने की वजह से कल अशोक सिद्धार्थ को पार्टी की सभी ज़िम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था।

मायावती ने लिखा कि इसके बाद यूपी में इनके वापस लौटने की ख़बरें जानबूझकर पार्टी में भ्रम की स्थिति फैलाकर आगामी यूपी विधानसभा आमचुनाव के सघन अभियान को प्रभावित करने का षड्यंत्र है। अतः पार्टी व मूवमेन्ट के हित में अशोक सिद्धार्थ को आज तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है और अब इन्हें पार्टी में आगे कतई भी वापिस नहीं लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार रणधीर सिंह बेनीवाल (निवासी ज़िला सहारनपुर) को बी.एस.पी. कोआर्डिनेटर के रूप में पंजाब सहित हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर की भी कुछ ज़िम्मेदारी दी गयी थी। उनके विरुद्ध भी अनुशासनहीनता व पार्टी दिशा-निर्देश का उल्लंघन करने की ख़बरें लगातार आती रहीं हैं और अब रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी व मूवमेन्ट के हित के मद्देनज़र आज इनको भी तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यहां यह भी अवगत कराना है कि कल पार्टी संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर किए गये फेरबदल में रामजी गौतम, राज्यसभा सांसद को अन्य राज्यों के साथ ही पंजाब स्टेट का भी पुनः प्रभारी बनाया गया है जो पंजाब के आगामी विधानसभा आमचुनाव तक ही नहीं, बल्कि आगामी लोकसभा आमचुनाव तक भी अपनी इस ज़िम्मेदारी को निभाते रहेंगे। मायावती ने कहा कि इतना ही नहीं, बल्कि बी.एस.पी. नेतृत्व का वर्तमान में यह नीतिगत फैसला है कि यूपी निवासी जो भी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व कोआर्डिनेटर आदि के रूप में यूपी के बाहर के राज्यों की अपनी ज़िम्मेदारी को निभा रहे हैं, उनमें से किसी को भी यूपी में पार्टी की किसी भी ज़िम्मेदारी पर नहीं लगाया जायेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति के आगमन से पहले राज्य प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम चरण पूरा कर लिया है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मु 3 अगस्त को कटक स्थित जगदगुरु कृपालु विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगी। वहीं, 4 अगस्त को राष्ट्रपति रेल मार्ग से भुवनेश्वर से बरहमपुर पहुंचेंगी और तप्तपानी में मां कंधुनी देवी मंदिर और शिव मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी।

राष्ट्रपति की इस महत्वपूर्ण यात्रा से पहले, जिला प्रशासन, ओडिशा पुलिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था और लॉजिस्टिकल तैयारियों का जायजा लेने के लिए व्यापक निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि यात्रा का हर पहलू

सुचारू रूप से और बिना किसी बाधा के संपन्न हो। ओडिशा की मुख्य सचिव अनु गर्ग की अध्यक्षता में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में तैयारियों का जायजा लिया गया। उन्होंने कटक, खुर्दा और गंजाम जिलों में राष्ट्रपति के दौरे के लिए राज्य की तैयारियों का आकलन किया। मीटिंग के दौरान गर्ग ने संबंधित सभी विभागों को तय समय-सीमा के भीतर जरूरी इंतजाम पूरे करने और दौरे में शामिल सभी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पत्रकारों से बात करते हुए के पुलिस अधीक्षक श्रवण विवेक एम. ने कहा, 'हम राष्ट्रपति के दौरे के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम कर रहे हैं। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के अनुसार, हम उनके दौरे को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए इंतजाम कर रहे हैं। राष्ट्रपति के दौरे से पहले हम रिहर्सल भी करेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'जिन जगहों पर राष्ट्रपति का दौरा होगा, वहां के लिए हमारे आईजी ने निर्देश दिए थे और हमने टीम के साथ उन जगहों का दौरा किया। राष्ट्रपति की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हम सभी जरूरी इंतजाम कर रहे हैं।' मुख्य सचिव ने राष्ट्रपति की स्पेशल ट्रेन के साथ-साथ भुवनेश्वर और बेरहामपुर रेलवे स्टेशनों पर साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्टेशन परिसर में सुरक्षा मजबूत करने और राष्ट्रपति की ट्रेन यात्रा के लिए सुचारू इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त खबर

मानसून सत्र में विपक्ष का जवाब देने के लिए सरकार तैयार, सदन में होनी चाहिए सार्थक चर्चा : केशव मौर्य

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विधानसभा के मानसून सत्र, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव से जुड़े विवाद और परिसीमन के मुद्दे पर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार सदन में हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सार्थक बहस करनी चाहिए। मानसून सत्र को लेकर यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विधानसभा का सत्र सभी जनप्रतिनिधियों के लिए महत्वपूर्ण होता है। विपक्ष जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाएगा और सरकार उनका जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। सदन का समय हंगामे में बर्बाद होने के बजाय जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने सभी दलों से लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के खिलाफ दर्ज शिकायत के मामले में उपमुख्यमंत्री ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संतों, रामभक्तों और हिंदू समाज का अपमान करने जैसा कृत्य बेहद निंदनीय, घिनौना और आपराधिक है। ऐसे मामलों में कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव समेत कुछ अन्य विपक्षी नेताओं ने पप्पू यादव के कथित कृत्य का समर्थन किया।

मध्य प्रदेश में 4 अगस्त से फिर सक्रिय होगा मानसून, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक बार फिर दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय होने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के भोपाल केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक 4-5 अगस्त के आसपास राज्य में बारिश का नया दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा अगले 48 घंटों के लिए भारी बारिश की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन अगले दो दिनों में राज्य के कई हिस्सों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। हल्की से मध्यम बारिश के इस दौर के बाद 4-5 अगस्त से जोरदार बारिश की उम्मीद है। 4 अगस्त को छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, सीधी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 5 अगस्त को निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा और मऊगंज के लिए भी ऐसी ही चेतावनी दी गई है। रविवार के मौसम के आंकड़ों के अनुसार, इंदौर, नर्मदापुरम, उज्जैन और ग्वालियर डिवीजनों में कई जगहों- भोपाल डिवीजन में कुछ जगहों और चंबल, रीवा, जबलपुर, शहडोल और सागर डिवीजनों में इक्का-दुक्का जगहों पर बारिश हुई। राज्य का बाकी हिस्सा सूखा रहा। उज्जैन डिवीजन के जिलों में अधिकतम तापमान में 2.8 डिग्री सेल्सियस तक की काफी गिरावट आई, जबकि पूरे राज्य में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। सबसे अधिक अधिकतम तापमान खजुराहो (छतरपुर) में 36.0 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम न्यूनतम तापमान खरगोन में 17.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सुरक्षा बलों ने 9 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया, हथियार बरामद किए और छह आईईडी नष्ट किए

विश्व केसरी

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है और उनसे हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी साझा की।

पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के जॉइंट ऑपरेशन में थोउबल, तामेंगलोंग, काकचिंग, चंदेल, इम्फाल वेस्ट और इम्फाल ईस्ट जिलों से नौ उग्रवादियों को पकड़ा गया।

पकड़े गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों में कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके पॉलिटिकल विंग रिवोल्यूशनरी पीपल्स फ्रंट (आरपीएफ) नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-खापलांग और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक से

जुड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए उग्रवादी कई तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें अपहरण और जबरदस्ती चंदा वसूलना शामिल है। उग्रवादी संगठन रंगदारी के लिए अक्सर चंदा शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

सुरक्षाकर्मियों ने पकड़े गए उग्रवादियों के पास से कई आपत्तिजनक दस्तावेज, चंदे की रसीदें, कैश, प्रतिबंधित संगठनों की मुहरें और लेटरहेड, बाओफेंग कम्युनिकेशन हैंडसेट और कई अन्य चीजें बरामद की। एक और जॉइंट ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले एक जंगल इलाके से हथियार और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। इस इलाके की सीमा म्यांमार से लगती है और यहां कोई बाड़ नहीं लगी है।

बरामद चीजों में एक 9 एमएम की पिस्टल, एक डबल-बैरल बंदूक, छह रेडियो सेट, दो हैंड ग्रेनेड और छह शक्तिशाली इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन करते हुए मौके पर ही आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। इस बीच, पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने कानून-व्यवस्था और खुफिया विभाग के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के साथ इम्फाल में मणिपुर राइफल्स की ऐतिहासिक पहली बटालियन का दौरा किया। यह राज्य की सबसे पुरानी बटालियनों में से एक है और इसका 134 साल पुराना इतिहास है।

जैश के संदिग्ध आतंकी हमीम मंडल की पश्चिम बंगाल में सिलाई की दुकान मिली

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रविवार को पूर्वी बर्धमान जिले के बर्धमान शहर की एक पॉश हाउसिंग कॉलोनी से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) सदस्य हमीम मंडल की एक सिलाई की दुकान का पता लगाया।

सूत्रों ने बताया कि यह दुकान कोलकाता से सटे हावड़ा जिले के पिलखाना इलाके में है, जहां मुख्य रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के लोग रहते हैं। ऐसा लगता है कि यह दुकान मुख्य रूप से कपड़ों के टैग बनाने और सिलने जैसे छोटे-मोटे दर्जी के काम करती थी।

सूत्रों के अनुसार जांच अधिकारियों को संदेह है कि यह दुकान हमीम मंडल के अपने सहयोगियों से संपर्क का एक अहम ठिकाना हो सकती थी और सिलाई का काम केवल सिर्फ दिखावे के लिए किया जा रहा था।

राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि पश्चिम बंगाल में शुरुआती दिनों में आरोपी मंडल पिलखाना में रहता था और शायद उसी दौरान उसने दर्जी की दुकान खोली थी। पुलिस ने बताया कि दुकान खोलने के बाद वह पहले कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में न्यू टाउन चला गया और बाद में बर्धमान शहर चला गया।

पता चला है कि दुकान पिलखाना इलाके में आलम मिस्त्री लेन की एक संकरी गली में है। जांच अधिकारियों को पता चला है कि पश्चिम बंगाल में शुरुआती दिनों में मंडल वहां एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में किराए के एक कमरे वाले फ्लैट में रहता था।

दिल्ली अक्षरधाम में 'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' कार्यक्रम का आयोजन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर में रविवार को 'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' नामक एक विशिष्ट सभा का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से हजारों युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे भगवान की मंगलकारी धुन और प्रार्थना के साथ हुई।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यह विशिष्ट सभा देशभर में मौजूद बीएपीएस के सभी प्रमुख केंद्रों पर आयोजित की गई। कार्यक्रम के पूर्वभाग में संस्था के वरिष्ठ संत ईश्वरचरणदास स्वामी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, 'भगवान स्वामिनारायण ने हमें व्यसनमुक्त जीवन जीने का आदेश दिया है। जो व्यसनमुक्त होता है, वही सच्चा सत्संगी बनता है।' उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस अभियान के लिए युवाओं को प्रेरणा दे रहे हैं, तो सभी को उत्साह और प्रेम के साथ आगे आना चाहिए। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री शेखावत ने बीएपीएस द्वारा चल रही युवा प्रवृत्ति को सराहा और नवयुवाओं को सर्जनात्मक कार्य के लिए प्रेरणा दी। प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने विकसित भारत के स्वप्न को साकार होने में युवाओं को भूमिका पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने सभी को प्रेरणा देते हुए कहा कि नशामुक्त भारत के इस अभियान में युवाओं को आगे आना चाहिए। आपको बता दें कि देश भर में 10,000 जगहों से युवाओं, 'माय भारत' के वॉलंटियर्स, एनएसएस वॉलंटियर्स, स्कूलों, कॉलेजों, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स और 125 से ज्यादा स्पिरिचुअल इंस्टीट्यूशन्स ने इस प्रोग्राम में वर्चुअली हिस्सा लिया।

हम सिर्फ अपने हक और इज्जत वापस पाने की मांग कर रहे हैं : फारूक अब्दुल्ला

विश्व केसरी

अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की प्रतिक्रिया सामने आई। उन्होंने सरकार पर निशाना साधा है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा, 'हाल ही में एक पुलिस कॉन्स्टेबल को गोली मारी गई, और दो प्रवासी श्रमिकों को भी गोली मारी गई। मैं पूछना चाहता हूं, इन हत्याओं के लिए कौन जिम्मेदार है? आप कहते हैं कि आतंकवाद खत्म हो गया है, लेकिन अगर यह खत्म हो गया है, तो ये लोग कौन हैं जो ऐसे हमले कर रहे हैं? अगर पूरा बॉर्डर कंट्रोल में है, तो ये हमलावर कहां से आ रहे हैं?'

फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा, '2019 के बाद, हमें बताया गया था कि हालात बदल जाएंगे, लेकिन क्या आतंकवाद सच में खत्म हो गया है? हम सिर्फ अपने

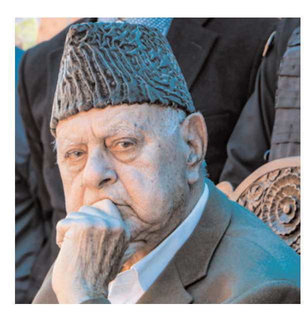

हक और इज्जत वापस पाने की मांग कर रहे हैं।' पीओके को लेकर उन्होंने कहा, 'वे भी हमारे भाई हैं। अगर उन पर जुल्म हो रहा है, तो हमने बार-बार कहा है कि इस मामले पर ध्यान देना चाहिए। यूनाइटेड नेशंस इतना बड़ा संगठन है और उसकी ह्यूमन राइट्स विंग भी बहुत बड़ी है। उन्हें जाकर देखना चाहिए कि उनकी हालत क्या है। लेकिन वहां सब चुप हैं; कोई भी देश कोई एक्शन नहीं ले रहा है।'

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा, 'मैं महबूबा जी को जवाब नहीं दूंगा। वह जो कहती हैं, कहती हैं।' बता दें कि जम्मू-कश्मीर में 10 दिनों के भीतर दो आतंकी हमले हुए हैं। अधिकारियों को पता चला है कि अनंतनाग में हुआ पहला हमला और कुलगाम में हुआ दूसरा हमला, दोनों ही लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' की साजिश हैं। एजेंसियों का मानना है कि लश्कर कश्मीर में नागरिकों को निशाना बनाने के लिए अपने सहयोगी संगठनों का इस्तेमाल करने की पुरानी रणनीति को फिर से अपना रहा है।

एजेंसियां इन हमलों में लश्कर-ए-तैयबा के एक सदस्य की भूमिका की जांच कर रही हैं। हमले में उसकी भूमिका से स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि यह हमला लश्कर-ए-तैयबा की ओर से ही अंजाम दिया गया था।

कावेरी जल विवाद पर नेताओं की चुप्पी पर डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने उठाए सवाल

विश्व केसरी

चेन्नई। डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने कावेरी जल विवाद, प्रस्तावित मेकेदातु बांध, नीट और कथित राजनीतिक खरीद-फरोख्त को लेकर अपनी राय रखी है। उन्होंने तमिलनाडु से जुड़े मुद्दों पर चुप रहने वाले नेताओं पर राज्य के हितों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है।

डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि जो नेता पद और सत्ता के बदले अपने सिद्धांतों से समझौता कर लेते हैं, वे ऐसे जहरीले सांप हैं जो पदों के लिए अपनी वफादारी बेच देते हैं। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब तमिलनाडु में कावेरी मुद्दे को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है और प्रतिद्वंद्वी दल एक-दूसरे पर विश्वासघात के आरोप लगा रहे हैं।

मारन ने कहा कि जो राजनीतिक नेता तमिलनाडु आते हैं लेकिन कावेरी जल विवाद पर राज्य के अधिकारों के बारे में कुछ नहीं बोलते, उनकी तमिलनाडु के प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया जाना चाहिए। उन्होंने उन लोगों को भी निशाने पर लिया जो कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय परियोजना का विरोध नहीं करते।

सुल्तानगंज स्टेशन पर आरपीएफ सिपाही की सतर्कता से दो कांवड़ियों की जान बची

विश्व केसरी

सुल्तानगंज। श्रावणी मेले के दौरान बिहार के भागलपुर में सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ सिपाही की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से दो कांवड़ियों की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर ट्रेन संख्या 12368 विक्रमशिला एक्सप्रेस स्टेशन से रवाना हुई। इसी दौरान दो कांवड़िये चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास कर रहे थे। पहला श्रद्धालु के उतरने के बाद दूसरे श्रद्धालु को भी नीचे उतारने में मदद कर रहा था। ऐसे में दोनों का संतुलन बिगड़ने पर आरपीएफ सिपाही मृत्युंजय कुमार ने दोनों को सुरक्षित उतारा, जिससे वह गिरने से बच गए।

रेलवे अधिकारियों ने आरक्षक मृत्युंजय कुमार की सतर्कता, कर्तव्यनिष्ठा और साहस की सराहना की है। अधिकारियों का कहना है कि श्रावणी मेले जैसे धार्मिक आयोजन के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना रेलवे और आरपीएफ की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती, लगातार निगरानी और यात्रियों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। हर प्लेटफॉर्म पर पर्याप्त मात्रा में आरपीएफ जवानों को तैनात किया गया है, जिससे समय रहते हर घटना को रोका जा सके। इसके लिए श्रावणी मेला से पहले एक उच्चस्तरीय बैठक भी की गई थी, जिसमें कई पहलुओं पर बात हुई थी और उसी हिसाब से काम किया जा रहा है। मालदा रेल मंडल ने सभी यात्रियों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें। रेलवे द्वारा जारी सुरक्षा नियमों का पालन करें और अपनी यात्रा को सुरक्षित एवं सुखद बनाएं। अधिकारियों ने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए सभी यात्रियों को सुरक्षा मानकों का पालन करना चाहिए।

आरबीआई ने पारदर्शिता और एकरूपता लाने के लिए डिपॉजिट नियमों में किया संसोधन, 1 अक्टूबर से होंगे लागू

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज की दरों से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। इन उपायों का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और सभी बैंकों में जमाकर्ताओं के साथ एक जैसा व्यवहार सुनिश्चित करना है।

नए नियमों को शुक्रवार को अधिसूचित कर दिया गया था और यह एक अक्टूबर से लागू होंगे।

नए नियम कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, रीजनल रूरल बैंक (आरआरबी), पेमेंट बैंक और शहरी को-ऑपरेटिव बैंक पर लागू होंगे।

नए नियमों के तहत, बैंकों को अपनी वेबसाइट पर सभी तरह की जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरों की जानकारी पहले से देनी होगी।

बैंकों को हर कामकाजी दिन सुबह 10:00 बजे तक लागू ब्याज दरें पब्लिश करनी होंगी।

इसमें अधिक से अधिक 10 मिनट की छूट मिल सकती है, लेकिन यह पक्का करना होगा कि दरें सुबह 10:10 बजे तक हर हाल में उपलब्ध हों।

आरबीआई ने यह भी अनिवार्य कर दिया है कि जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरें बैंक की सभी शाखाओं और सभी ग्राहकों के लिए एक जैसी होनी चाहिए।

बैंकों को जमाकर्ताओं के बीच भेदभाव करने की इजाजत नहीं होगी, जैसे कि एक ही तारीख पर अलग-अलग ब्रांच में एक ही रकम की जमा राशि पर अलग-अलग ब्याज दरें देना।

साथ ही, केंद्रीय बैंक ने बैंकों के लिए बल्क डिपॉजिट की कीमत तय करने में लचीलापन बनाए रखा है।

बैंकों को डिपॉजिट पर अलग-अलग ब्याज दरें देने की इजाजत होगी, लेकिन इसके लिए उन्हें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (कमर्शियल बैंक - एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट) निर्देश, 2025 में बताए गए लिक्विडिटी कवरेज रेश्यो (एलसीआर) फ्रेमवर्क के तहत जमा या बिना गारंटी वाले होलसेल फंडिंग पर लागू दरों को ध्यान में रखना होगा।

हालांकि, बदली हुई गाइडलाइंस में 1 अक्टूबर से फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरों में कोई बढ़ोतरी या कटौती करने के बारे में नहीं कहा गया है।

डिपॉजिट की दरें अलग-अलग बैंक खुद तय करते रहेंगे, जो लिक्विडिटी की स्थिति, फंडिंग की जरूरतों और बाजार के मौजूदा हालात जैसे कारकों पर आधारित होंगी।

हालांकि इन बदलावों से रिटेल फिक्स्ड डिपॉजिट दरों में तुरंत कोई बदलाव होने की उम्मीद नहीं है, लेकिन इनसे बैंकों के डिपॉजिट दरें बताने के तरीके में पारदर्शिता आने और बैंकों को डिपॉजिट मैनेज करने में ज्यादा ऑपरेशनल लचीलापन मिलने की संभावना है।

संस्थागत साझेदारियों से हथकरघा क्षेत्र होगा मजबूत, बुनकर होंगे सशक्त : डॉ. एम. बीना

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आईआईटी और निफ्ट जैसे प्रमुख संस्थानों की साझेदारी के माध्यम से ऐसे तकनीकी समाधान विकसित किए जा सकते हैं, जो बुनकरों की मेहनत को कम करें, पारंपरिक बुनाई प्रक्रियाओं में वैज्ञानिक सटीकता का समावेश करें और उनके आजीविका स्तर को बेहतर बनाने में मदद करें। यह बात रविवार को वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम. बीना ने कही।

डॉ. एम. बीना ने आईआईटी दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) में आयोजित 'हैंडलूम हैकाथॉन 2.0' को संबोधित करते हुए भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत और आधुनिक तकनीक के बीच पूरक संबंधों के बारे में विस्तार से बताया।

कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस हैकाथॉन में 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। देशभर से चुनी गई शीर्ष 100 टीमों के 280 प्रतिभागियों ने भारत के हथकरघा क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करने में भागीदारी की।

डॉ. बीना ने कहा, 'हथकरघा हमारी समृद्ध विरासत का प्रतीक है, जबकि प्रौद्योगिकी भविष्य का प्रतिनिधित्व करती है।

हैंडलूम हैकाथॉन के माध्यम से हम इन दोनों क्षेत्रों को जोड़कर बुनकर समुदाय के उत्थान का प्रयास कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि हथकरघा स्वाभाविक रूप से टिकाऊ विकास और परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलैरिटी) को बढ़ावा देता है। साथ ही उन्होंने करघा संचालन, डिजाइन विकास और आधुनिक विपणन के क्षेत्रों में नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया।

आईआईटी दिल्ली के टेक्सटाइल एवं फाइबर इंजीनियरिंग विभाग की प्रमुख डॉ. दीप्ति गुप्ता ने कहा कि आईआईटी दिल्ली में स्थापित होने वाला 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हथकरघा टेक्नोलॉजी' हथकरघा और तकनीक के एकीकरण को और मजबूत करेगा। इससे हस्तनिर्मित वस्त्रों की विशिष्टता को बनाए रखते हुए अधिक मानकीकरण और उत्पादकता सुनिश्चित की जा सकेगी।

यह केंद्र वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से अगले सप्ताह उद्घाटित किए जाने का प्रस्ताव है।

हैकाथॉन ने भारत के हथकरघा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नवाचार, सहयोगात्मक अनुसंधान और तकनीक आधारित हस्तक्षेपों को बढ़ावा देने की दिशा में वस्त्र मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दोहराया।

बयान के अनुसार, युवा नवप्रवर्तकों को इस क्षेत्र के लिए व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर यह पहल उत्पादकता, स्थिरता और बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार लाने के साथ-साथ देश की समृद्ध हथकरघा विरासत को संरक्षित करने का लक्ष्य रखती है।

त्वचा का ख्याल रखता है फलों का राजा आम, विटामिन से भरपूर फल ऐसे बढ़ाता है चेहरे की चमक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फलों के राजा 'आम' को अक्सर सिर्फ स्वाद और मिठास से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन यह फल पोषण के मामले में भी काफी खास है। इसमें मौजूद कई विटामिन, मिनरल और प्राकृतिक तत्व शरीर के साथ-साथ त्वचा की सेहत के लिए भी उपयोगी माने जाते हैं। यही वजह है कि कई लोग आम को अपनी डाइट के साथ स्किन केयर रूटीन का हिस्सा भी बनाते हैं।

आम में मौजूद गुणों की बात करें, तो इसमें विटामिन-सी शामिल है। यह शरीर में कोलेजन बनाने की प्रक्रिया में मदद करता है। कोलेजन एक ऐसा प्रोटीन है जो त्वचा को मजबूती और लचीलापन देने में अहम भूमिका निभाता है। उम्र बढ़ने के साथ त्वचा में कोलेजन का स्तर कम होने लगता है, जिससे त्वचा में महीन रेखाएं और ढीलापन दिखाई दे सकता है। ऐसे में विटामिन-सी त्वचा की प्राकृतिक चमक बनाए

रखने में मदद करता है।

आम में मौजूद विटामिन-ए भी त्वचा के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें बीटा-कैरोटीन नाम का तत्व पाया जाता है, जो शरीर में जाकर विटामिन-ए में बदल सकता है। यह त्वचा की नई कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया में मदद करता है। इससे त्वचा की मरम्मत बेहतर तरीके से होती है और रूखी या बेजान त्वचा में फर्क देखने को मिलता है।

इसके अलावा, आम में विटामिन-ई भी पाया जाता है, जो त्वचा को नमी देने में मदद करता है।

जिन लोगों की त्वचा ज्यादा सूखी रहती है, उनके लिए विटामिन-ई युक्त चीजें फायदेमंद होती हैं। यह त्वचा की बाहरी परत को पोषण देकर उसे मुलायम बनाए रखने में सहायता करता है।

आम में मौजूद कॉपर, पॉलीफेनोल्स और अन्य एंटीऑक्सीडेंट तत्व भी पाए जाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट शरीर में बनने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाव में मदद करते हैं। फ्री रेडिकल्स त्वचा पर उम्र बढ़ने के संकेतों को बढ़ाता हैं। इसलिए एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें त्वचा की देखभाल में उपयोगी मानी जाती हैं।

आम के सिर्फ गूदे में ही नहीं, बल्कि इसकी गुठली और छिलके में भी कुछ उपयोगी तत्व पाए जाते हैं। आम की गुठली से बनने वाले मैंगो बटर में फैटी एसिड होते हैं, जो त्वचा को नमी देने वाले प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किए जाते हैं।

क्या आप बच्चे को सही तरीके से करा रही है स्तनपान? जानिए स्वास्थ्य मंत्रालय की राय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हर साल अगस्त के पहले सप्ताह में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक करना और माताओं को सही जानकारी देना है। विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ स्तनपान कराना ही नहीं, बल्कि सही पोजीशन में बच्चे को दूध पिलाना भी बेहद जरूरी है। इससे मां और बच्चे दोनों को कई फायदे मिलते हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सही ब्रेस्टफीडिंग पोजीशन अपनाने से बच्चे को पर्याप्त दूध मिलता है और मां को भी कमर, गर्दन और कंधों में दर्द की समस्या कम होती है। साथ ही बच्चे को सही तरीके से स्तन पकड़ने में आसानी होती है, जिससे निप्पल में दर्द या घाव होने की संभावना भी घट जाती है।

स्तनपान के लिए कई तरह की पोजीशन अपनाई जा सकती हैं। क्रैडल होल्ड सबसे आम

तरीका है, जिसमें बच्चा मां की बांह पर आराम से लेटा रहता है और उसका सिर मां की कोहनी के पास होता है। क्रॉस-क्रैडल होल्ड में मां दूसरी बांह से बच्चे के सिर और गर्दन को सहारा देती है। यह पोजीशन खासतौर पर नवजात शिशुओं के लिए काफी मददगार मानी जाती है।

इसके अलावा लेड-बैक पोजीशन भी काफी लोकप्रिय है। इसमें मां हल्का पीछे की ओर टिककर बैठती है और बच्चा उसके सीने पर लेटकर खुद ही स्तन पकड़ने की कोशिश करता है। यह तरीका बच्चे की प्राकृतिक प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है।

अगर मां को आराम की जरूरत हो, खासकर रात के समय या सिजेरियन डिलीवरी के बाद, तो साइड-लाइंग पोजीशन बेहतर विकल्प हो सकती है। इसमें मां और बच्चा दोनों एक-दूसरे की ओर करवट लेकर लेटते हैं और आराम से स्तनपान कराया जा सकता है। वहीं रिक्लाइनिंग पोजीशन में मां आधी लेटी हुई अवस्था में रहती है और बच्चा उसके सीने से सटा होता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि हर मां और बच्चे की जरूरत अलग होती है। इसलिए कोई एक पोजीशन सभी के लिए सही नहीं होती। जो तरीका मां और बच्चे दोनों के लिए सबसे आरामदायक हो, वही अपनाना चाहिए।

यदि स्तनपान कराने में किसी तरह की परेशानी हो, जैसे बच्चे का सही तरीके से दूध न पीना, दर्द होना या दूध कम आना, तो बिना झिझक अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, डॉक्टर या स्तनपान सलाहकार से सलाह लें।

शारीरिक और मानसिक शांति के लिए करें योगमुद्रासन, जानें इसके लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की व्यस्त जीवनशैली में जहां तनाव, कब्ज और पीठ दर्द जैसी शारीरिक समस्याएं आम हो गई हैं, वहां योगमुद्रासन एक संजीवनी की तरह काम करता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क संतुलित रहता है।

यह एक ऐसी योग मुद्रा है, जिसे दो शब्दों 'योग', यानी 'जोड़ना', और 'मुद्रा', यानी 'प्रतीक', से मिलकर बनाया गया है, जबकि अंग्रेजी में इसे 'साइकिक यूनियन पोज' कहते हैं, जिसका हिन्दी भाषा में अर्थ 'मानस को जोड़ना' होता है। योग मुद्रासन, असल में, शरीर और मन के बीच अंतर को मिटाकर सामंजस्य स्थापित करने वाला योगासन है।

इस आसन करने के दौरान शरीर ध्यान, समर्पण और आंतरिक शांति की स्थिति में जाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगासन को लेकर कुछ गाइडलाइन्स दिए हैं, जिसके अनुसार, यह पेट के अंगों को सक्रिय, पाचन में सुधार और मन को शांत करने में मदद करता है। इसके अभ्यास से पेल्विक मसल्स मजबूत होती और महिलाओं में प्रजनन अंगों से संबंधित समस्याओं को कम किया जा सकता है।

लंबे समय तक इस आसन का अभ्यास करने से शरीर और दिमाग में स्थिरता और एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही, यह मणिपुर चक्र (मानव शरीर के सात मुख्य चक्रों में से तीसरा ऊर्जा केंद्र है, जो आत्मविश्वास, पाचन और अग्नि तत्व से जुड़ा) को सक्रिय और स्टिम्यूलेट करता है, जिससे शरीर में प्राणिक ऊर्जा को नियंत्रित करता है।

इस आसन को करना बेहद आसान है, जिसे करने के लिए सबसे साधक पद्मासन की स्थिति में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों की कलाई को पीछे की ओर ले जाकर पकड़ें या पैरों के अंगूठे को पकड़ें। लंबी गहरी सांस लेते और छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें।

चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि : सफदरजंग अस्पताल में हुई विश्व की पहली रोबोटिक एवी वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित वीएमएमसी (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों ने दुनिया में पहली बार एक बेहद दुर्लभ जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित वयस्क मरीज का रोबोटिक तकनीक से सफल ऑपरेशन किया है। इस उपलब्धि को वैश्विक चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता शर्मा के नेतृत्व में कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग की टीम ने यह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की। ऑपरेशन का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) अनुभव गुप्ता ने किया। खास बात यह है कि इस तरह की रोबोटिक सर्जरी दुनिया में पहली बार की गई है और इससे भारत का नाम वैश्विक चिकित्सा क्षेत्र में और मजबूत हुआ है।

जिस मरीज का ऑपरेशन किया गया, वह दो बेहद दुर्लभ जन्मजात हृदय समस्याओं से जूझ रहा था। पहली बीमारी थी कंजेनिटली करेक्टेड ट्रांसपोजिशन ऑफ द ग्रेट आर्टरीज

(सीसीटीजीए), जिसमें हृदय के निचले कक्ष सामान्य स्थिति से उल्टे होते हैं। इस वजह से हृदय के दाहिने हिस्से को पूरे शरीर में रक्त पहुंचाने का अतिरिक्त दबाव झेलना पड़ता है। दूसरी समस्या डेक्स्ट्रोकार्डिया थी, जिसमें दिल सामान्य बाईं ओर होने के बजाय दाईं ओर स्थित होता है। इन दोनों स्थितियों के कारण मरीज के हृदय का एवी वाल्व गंभीर रूप से खराब हो चुका था और हृदय की कार्यक्षमता भी लगातार कम होती जा रही थी।

इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी के लिए डॉक्टरों ने पहले मरीज के सीटी स्कैन की थ्री-डी इमेज तैयार की, ताकि दिल की जटिल बनावट को पूरी तरह समझा जा सके। इसके बाद ऑपरेशन की विस्तृत योजना बनाई गई।

आमतौर पर रोबोटिक हार्ट सर्जरी छाती के दाईं ओर से की जाती है, लेकिन इस मरीज का दिल दाईं तरफ होने के कारण डॉक्टरों ने पूरी तकनीक को बदलते हुए बाईं ओर से रोबोटिक सर्जरी की। यह तरीका पूरी तरह नया था और मेडिकल इतिहास में पहली बार अपनाया गया।

सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने छाती की हड्डी काटने के बजाय छोटे-छोटे छिद्रों के जरिए रोबोटिक उपकरणों और हाई-डेफिनिशन 3डी विजुअल सिस्टम का इस्तेमाल किया। इससे बेहद सटीक तरीके से वाल्व को बदला गया और ऑपरेशन सफल रहा।

इतिहास के पन्नों में 3 अगस्तः देश का पहला हार्ट ट्रांसप्लांट?, जो अंगदान जागरूकता की बन गया मिसाल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 3 अगस्त भारतीय चिकित्सा जगत के लिए बेहद खास दिन है। यही वह तारीख है, जब साल 1994 में भारत ने मेडिकल साइंस के क्षेत्र में एक ऐसा इतिहास रचा, जिसने लाखों दिल के मरीजों के लिए नई उम्मीद जगा दी। इसी दिन नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में देश का पहला सफल हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया था।

1994 से पहले अगर किसी भारतीय मरीज को हार्ट ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ती थी, तो उसके सामने विदेश जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता था। यह इलाज बेहद महंगा

था और हर किसी की पहुंच से बाहर था। भारत में डॉक्टर लगातार इस दिशा में काम कर रहे थे, लेकिन कानूनी व्यवस्था और तकनीकी चुनौतियों के कारण सफलता नहीं मिल पा रही थी।

इस दिशा में सबसे बड़ा बदलाव 7 जुलाई 1994 को आया, जब मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। इस कानून ने भारत में कानूनी रूप से अंगदान और अंग प्रत्यारोपण का रास्ता खोल दिया। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने पूरी तैयारी के साथ देश का पहला हार्ट ट्रांसप्लांट करने का फैसला किया।

3 अगस्त 1994 को एम्स दिल्ली में वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ. पी. वेणुगोपाल के नेतृत्व में करीब 20 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 42 वर्षीय मरीज देवी राम का सफल हार्ट ट्रांसप्लांट किया। यह ऑपरेशन अपने समय के हिसाब से बेहद जटिल माना जाता था। पूरी प्रक्रिया लगभग 59 मिनट में पूरी हुई और सर्जरी पूरी तरह सफल रही। इस सफलता ने भारतीय चिकित्सा विज्ञान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई।

संजना-अटापट्टू की शानदार पारी, श्रीलंका ने दूसरे टी20 में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया

दांबुला। श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान से मिले 176 रनों के लक्ष्य को श्रीलंकाई टीम ने 17.4 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल किया। इस जीत के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी बना ली है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वालीं इमेशा दुलानी महज 5 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, इसके बाद कप्तान चमारी अटापट्टू और संजना कविंदी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए महज 22 गेंदों में 44 रन जोड़े। अटापट्टू ने सिर्फ 15 गेंदों का सामना करते हुए 40 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं, संजना 24 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 46 रन बनाने के बाद आउट हुईं।

विष्मी गुणरत्ने भी अच्छी लय में नजर आईं और उन्होंने 29 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया, जबकि हर्षिता समरविक्रमा 22 गेंदों में 37 रन बनाकर नाबाद रहीं और टीम को जीत दिलाकर लौटीं। हर्षिता ने अपनी इस पारी में 8 चौके लगाए। वहीं, कविशा दिलहरी 14 रन बनाकर नॉटआउट रहीं।

गेंदबाजी में पाकिस्तान की तरफ से उम्मे हानी ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए।

इससे पहले, पाकिस्तान को कप्तान मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े। मुनीबा 30 गेंदों में 45 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, जुल्फिकार ने 8 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। इमान नसीर ने 21 रनों का योगदान दिया।

आयशा जफर 8 रन बनाकर आउट हुईं।

सायरा जबीन ने 16 रनों का योगदान दिया। वहीं, अंत के ओवरों में ईमान फातिमा ने 19 गेंदों में 30 रन बनाकर नाबाद रहीं। गेंदबाजी में श्रीलंका की तरफ से चमोदी प्रबोधा ने 4 ओवर के स्पेल में 27 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि अटापट्टू और कविशा दिलहारी ने एक-एक विकेट चटकाया।

'उनमें एक खास खिलाड़ी बनने के सभी गुण हैं'

ताइपे ओपन का खिताब जीतने पर पीवी सिंधु ने की तन्वी की तारीफ

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा की जमकर तारीफ की है। तन्वी ने रविवार को ताइपे ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रचा। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनीं।

सिंधु ने क्या कहा?

"इस लड़की पर मुझे बहुत गर्व है। मैं वर्षों से कह रही हूं कि तन्वी में एक बहुत खास खिलाड़ी बनने के सभी गुण हैं। टैलेंट, स्ट्रोक लगाने की कला, बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करने का साहस - सब कुछ तन्वी में है। उन्हें बस थोड़ी और स्थिरता और अनुभव की जरूरत थी, और यह सब एक साथ आते देखकर बहुत अच्छा लगा। यह तो बस शुरुआत है, तन्वी। मेहनत करती रहो, भरोसा रखती रहो और कामयाबी की भूख बनाए रखो। आपके जैसे खिलाड़ियों के साथ भारतीय बैडमिंटन का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। - पीवी सिंधु

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा की जमकर तारीफ की है। तन्वी ने रविवार को ताइपे ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रचा। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनीं।

सिंधु ने कहा कि यह इस युवा खिलाड़ी के करियर में और भी आने वाली कामयाबियों की बस शुरुआत है। उन्हें कड़ी मेहनत करते रहना चाहिए, खुद पर भरोसा रखना चाहिए और सफलता पाने की भूख को बरकरार रखना चाहिए। रविवार को 17 वर्षीय तन्वी ने वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता। तन्वी ने शानदार रणनीति के साथ गुयेन को सिर्फ 36 मिनट में 21-16, 21-16 से हराया। वह किसी भी कैटेगरी में ताइपे ओपन जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं।

सिंधु ने तन्वी की तारीफ करते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'इस लड़की पर मुझे बहुत गर्व है। मैं वर्षों से कह रही हूं कि तन्वी में एक बहुत खास खिलाड़ी बनने के सभी गुण हैं। टैलेंट, स्ट्रोक लगाने की कला, बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करने का साहस - सब कुछ तन्वी में है। उन्हें बस थोड़ी और स्थिरता और अनुभव की जरूरत थी, और यह सब एक साथ आते देखकर बहुत अच्छा लगा। यह तो बस शुरुआत है, तन्वी। मेहनत करती रहो, भरोसा रखती रहो और कामयाबी की भूख बनाए रखो। आपके जैसे खिलाड़ियों के साथ भारतीय बैडमिंटन का भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

17 वर्षीय तन्वी शर्मा बनीं चैंपियन, ताइपे ओपन का खिताब जीतकर रचा इतिहास

विश्व केसरी ■

ताइपे । 17 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वह इस खिताब को जीतने वाली किसी भी कैटेगरी की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनी हैं। यह उनका पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टाइटल भी है।

तन्वी ने रविवार को महिला सिंगल्स फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-16, 21-16 से हराकर शानदार जीत हासिल की। ??वह साइना नेहवाल (2008) के बाद ताइपे ओपन जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला सिंगल्स खिलाड़ी बन गई हैं।जीत के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारत का 17 साल का खिताबी सूखा खत्म हो गया है। 2009 में टूर्नामेंट के ग्रां प्री गोल्ड दौर में ज्वाला गुट्टा और वी. दिजू की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी की जीत के बाद यह देश की कुल तीसरी जीत है। शुरुआती गेम में तन्वी ने तेजी से अपना दबदबा बनाया और 10-2 की बढ़त हासिल कर ली, हालांकि गुयेन ने अंतर को कम करके 10-8 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए आसानी से पहला गेम 21-16 से जीत लिया।

दूसरे गेम की शुरुआत में तन्वी 0-3 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने जल्द ही वापसी करते हुए बढ़त बना ली और अपनी बढ़त को सात अंकों तक पहुंचाया। आक्रामक रणनीति अपनाते हुए उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी को कभी भी धीमा नहीं पड़ने दिया और बेहतरीन क्रॉस-कोर्ट शॉट्स और सटीक प्लेसमेंट का इस्तेमाल किया। उन्होंने अपना मोमेंटम बनाए रखा और गेम 21-16 से जीत लिया। उन्होंने शानदार क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट के साथ आखिरी प्वाइंट हासिल किया और सिर्फ 36 मिनट में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ वह सुपर 300 या उससे ऊंचे स्तर का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय महिला सिंगल्स शटलर बन गई हैं और साइना नेहवाल, पीवी सिंधु और देविका सिहाग के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गईं।

'यह भारतीय एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि', पीएम मोदी ने की गुलवीर सिंह के ऐतिहासिक प्रदर्शन की तारीफ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 10वें दिन भारत का प्रदर्शन लाजवाब रहा। देश की झोली में 7 गोल्ड समेत कुल 16 मेडल आए। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने लॉन्ग-डिस्टेंस रेस में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलवीर को बधाई दी है।

प्रधानमंत्री ने गुलवीर की प्रशंसा करते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'गुलवीर सिंह ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। उन्हें बधाई। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, वह एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स के दो मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। वह पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल जीतने वाले पहले भारतीय भी हैं। यह वाकई भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्हें मेरी शुभकामनाएं।'

पीएम मोदी ने भारतीय मुक्केबाजों के प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने अंकुश पंघाल को गोल्ड, नरेंद्र को सिल्वर जीतने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'बहुत खुशी है कि नरेंद्र बेरवाल ने कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के 90+ किग्रा बॉक्सिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीता है। पूरी प्रतियोगिता के दौरान जबरदस्त साहस और दृढ़ संकल्प दिखाने के लिए उन्हें बधाई। भविष्य में उन्हें और भी कई उपलब्धियां मिलें।'

2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों की 80 किग्रा बॉक्सिंग कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतने पर अंकुश पंघाल पर गर्व है। गेम्स के दौरान उनकी ताकत और हुनर ??वाकई तारीफ के काबिल थे। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। उम्मीद है कि उनकी यह कामयाबी और भी कई युवा बॉक्सर्स को बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।'

पीएम मोदी ने जूडो में ब्रॉन्ज जीतने पर उन्नति शर्मा को बधाई देते हुए लिखा, 'जूडो में भारत के लिए एक और कामयाबी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 63 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर उन्नति शर्मा को बधाई। खेलों के दौरान उनका समर्पण और दृढ़ संकल्प साफ तौर पर दिखाई दिया। उम्मीद है।

दिल्ली में युवाओं को फिटनेस और नशामुक्ति का संदेश देने के लिए निकाली गई साइकिल रैली

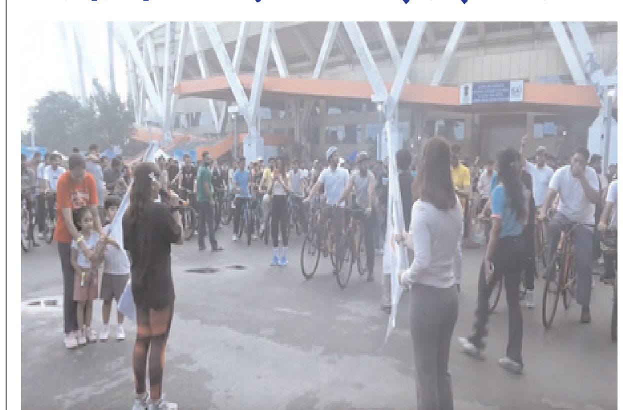

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार को फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 84वां संस्करण आयोजित किया गया। इस बार कार्यक्रम की थीम 'नशा मुक्त भारत' रखी गई थी। साइकिल रैली के जरिए युवाओं को फिट रहने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभी ने मिलकर साइकिल चलाई और साथ ही योग व अन्य फिटनेस गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। 2026 की एशियन यू-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट संजना ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, 'आज मैं फिट इंडिया मूवमेंट के 84वें संस्करण में शामिल होने आई हूं। यह अभियान स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों और युवाओं को एक साथ लाता है। फिट इंडिया मूवमेंट को साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जन आंदोलन के रूप में शुरू किया था और अब केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया इस मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं।

फिट इंडिया चैंपियन और सर्टिफाइड फिटनेस एवं न्यूट्रिशन कोच सपना गोमला ने कहा, 'यह प्रधानमंत्री द्वारा लिया गया एक शानदार कदम है।

डीपीएल 2026: वेस्ट दिल्ली लायंस ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 19 रनों से हराया, कप्तान आयुष ने खेली दमदार पारी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के तीसरे मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यू दिल्ली टाइगर्स को 19 रनों से हराया। वेस्ट दिल्ली लायंस से मिले 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यू दिल्ली की पूरी टीम 151 रन बनाकर आल आउट हो गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू दिल्ली टाइगर्स की शुरुआत बेहद खराब रही। शिवम गुप्ता महज 4 रन बनाकर आउट हुए, तो लक्ष्य थरेजा 5 रन ही बना सके। पार्थ अपना खाता तक नहीं खोल सके और कुलवंत खेजरोलिया का शिकार बने। कप्तान हिम्मत सिंह भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 15 रन बनाकर आउट हुए। 28 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही टीम की पारी को कुछ हद तक आर्यन शर्मा और वैभव रावल ने संभालने की कोशिशी की और पांचवें विकेट के लिए 41 रन जोड़े।

आर्यन 19 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि वैभव 3 चौके की मदद से 27 गेंद में 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ऋतिक शौकीन अपना खाता भी नहीं खोल सके। अंत के ओवरों में मनीष शेहरावत ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों में 3 चौके और 5 छक्कों की मदद से 51 रनों की दमदार पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। गेंदबाजी में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से मनन भारद्वाज और कुलवंत खेजरोलिया ने तीन-तीन विकेट चटकाए। वहीं, शुभम दुबे ने 2 विकेट झटके।

ससे पहले, वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अंकित बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, कृष यादव 6 रन ही बना सके। हालांकि, इसके बाद विकास राणा और कप्तान आयुष दोसेजा ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 53 रनों की अहम साझेदारी निभाई। विकास 26 रन बनाकर आउट हुए।

वहीं, आयुष ने कप्तानी पारी खेलते हुए 52 गेंदों में 84 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 10 चौके और 2 छक्के लगाए।

'भारत के लिए मेडल जीतकर गर्व महसूस कर रहा हूं', ब्रॉन्ज जीतने पर बोले सेल्वा प्रभु थिरुमारन

विश्व केसरी■

ग्लासगो । कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार को ट्रिपल जंप इवेंट में भारत की झोली में दो मेडल आए। प्रवीण चित्रवेल ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया, जबकि सेल्वा प्रभु थिरुमारन ने ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। सेल्वा ने कहा कि वह भारत के लिए मेडल जीतकर गर्व महसूस कर रहे हैं।

सेल्वा ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए कहा कि वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह उनका पहला सीनियर इंटरनेशनल मेडल है। सेल्वा ने कहा कि वह भारत के लिए मेडल जीतकर बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। भारतीय एथलीट ने कहा कि यह बिल्कुल भी आसान नहीं होता है। सेल्वा ने कहा कि वह अपने यह मेडल परिवार, कोच और उन सभी लोगों को समर्पित करना चाहते हैं, जिन्होंने उनके इस सफर में उनकी मदद की।

वहीं, सिल्वर मेडल जीतने वाले प्रवीण चित्रवेल ने कहा कि वह मेडल से ज्यादा अपने प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे थे। उन्होंने बताया कि वह अपने प्रदर्शन से थोड़ा निराश हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में वह चौथे स्थान पर रहे थे और मेडल से चूक गए थे और इसी कारण वह यहां पर सिल्वर मेडल जीतने से बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि वह एशियन गेम्स में और बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। प्रवीण ने 16.58 मीटर की सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

मेंस शॉट पुट एफ57 में सिल्वर मेडल जीतने वाले पैरा एथलीट शुभम जुयाल ने कहा कि यह मेडल उनके लिए काफी बड़ी उपलब्धि है। शुभम ने बताया कि वह चार साल पहले 1 अगस्त को आईसीयू में भर्ती थे और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इस तरह कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेकर देश के लिए मेडल जीत पाएंगे।

शुभम ने कहा कि उनके परिवार, दोस्तों और भारतीय सेना ने उन्हें काफी सपोर्ट किया। शुभम ने मेडल जीतने का श्रेय अपने कोच को दिया। उन्होंने 13.28 मीटर दूर गोला फेंककर सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415